संकल्प

एक समग्र सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था

समृद्ध समाज
स्वास्थ्य
शिक्षा
कला
धर्म
संस्कृति

धारा ८० जी के अन्तर्गत आयकर से मुक्त

पंजीकृत कार्यालय-9, पार्वतीपुरी कालोनी कमच्छा, वाराणसी
फोन नं0 - 0542-3110849, 9839062623

श्री काशी विश्वनाथ

संकल्प का शत्-शत् नमन

संकल्प 2005

अनुक्रम

संरक्षक की कलम से

समाज संदर्भित निजी सोच को सार्थक बनाने और उसे मूर्तरूप देने के सामूहिक निर्णय का नतीजा है 'संकल्प'। यह 'संकल्प' किसी व्यक्ति विशेष की निजी प्रतिज्ञा नहीं बल्कि समान सोच वाले कई व्यक्तियों का सामूहिक कर्म-धर्म माध्यम है। यानी कि अपने-अपने सामाजिक सरोकारों के निमित्त कई व्यक्तियों का, एक साथ मिलकर काम करने-आगे बढ़ने का एक जरिया, एक मंच। व्यापक रूप में 'संकल्प' हमारा है, आपका है, हम सबका है। यह एक ऐसा मंच है जिसके जरिए हम अपनी सामाजिक जिम्मेवारियों को अंजाम दे सकते हैं। इसी उद्देश्यपरक जिम्मेवारी के परिणाम स्वरूप संस्था के रूप में 'संकल्प' आपके बीच है। अपने सार्वजनिक जीवन के लगभग आठ वर्षों में संस्था ने चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र को काम के लिए चुना और उस दिशा में आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया।

'संकल्प' का स्पष्ट मानना है कि किसी भी समाज और देश का भविष्य उज्ज्वल बनाने का सबसे कारगर और प्रभावी माध्यम शिक्षा एवं चिकित्सा है। शिक्षा के जरिए मानव समाज का न सिर्फ बौद्धिक विकास होता है बल्कि वह किसी भी काम को पूर्णता के साथ कर पाने में सफल होने के रास्ते तलाश सकता है। जबकि चिकित्सा स्वस्थ समाज के विकास के लिए अनिवार्य सुविधा सेवा है। 'शारीरिक स्वास्थ्य ही मानसिक स्वास्थ्य का आधार है' इस मूल मंत्र को भुलाकर किसी भी व्यक्ति या समाज को स्वस्थ रखते हुये आगे बढ़ाना सम्भव नहीं हो सकता। इस तरह 'संकल्प' ने समाज के विकास को सही दिशा में आगे

बढ़ाने में अपनी भूमिका को सुनिश्चित कर शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ायी। संस्था की सक्रियता के बीते वर्ष हमारी कोशिश और क्रियाशीलता के प्रामाणिक उदाहरण हैं। इन वर्षों में हमने शिक्षा पाने को लालायित, पर अभावग्रस्त कई बच्चों को अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए आगे बढ़ने का हौसला दिया। कई सौ जर्जर शरीर क्षयग्रस्त रोगियों को स्वस्थ बनाने में हमें सफलता मिली।

संस्था ने एक ऐसा निर्णय लिया है जिससे भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए समृद्ध अतीत का मार्गदर्शन नयी पीढ़ी को मिलता रहे। इस हेतु संस्था ने विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियों को सम्मानित कर उनका मार्गदर्शन उस क्षेत्र के नवागंतुकों को उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। इसके लिए शिक्षा, चिकित्सा, कला, संगीत आदि क्षेत्रों को प्राथमिकता के तौर पर लिया जा रहा है। संस्था के उद्देश्यों को पूरा करने में मिल रही सफलता को हम भविष्य के लिए प्रेरणास्रोत मानते हैं। उन सफलताओं को गर्व का विषय बनाकर हम भविष्य की राह को अवरुद्ध नहीं होने देना चाहते। हमारा प्रयास है कि 'संकल्प' अपने को भौगोलिक तल पर विस्तारित कर सेवा-सीमा का दायरे बढ़ाये ताकि सेवा और सहयोग के जरूरतमंद अन्य भाई-बहनों और नौनिहालों को मायूस न होना पड़े। इस हेतु आवश्यक यह है कि 'संकल्प' के दूरस्थ सदस्यगण अपने स्थान पर रहते हुये भी संस्था के उद्देश्यों एवं इसकी क्रियाशीलता के प्रति लोगों को जागरूक करें। साथ ही सेवा एवं सहयोग के कामों में रुचि लेने वाले व्यक्तियों को संस्था से जोड़ने की पहल करें। देश और समाज के विकास का सबसे सरल और सुरक्षित रास्ता है सेवा-सहयोग। इस भावना का विकास किये बिना समाज का विकास सम्भव बनाना किसी सवाल से कम नहीं होगा।

—अनिल जैन

अध्यक्ष की कलम से

संकल्प का विकल्प नहीं

दुर्लभ कुछ भी नहीं है। प्राप्ति के लिए संकल्प चाहिए। संकल्प के अभाव में हर प्रयास अधूरा रह सकता है। सफलता, संकल्प की हमराह होती है। संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता। दृढ़ निश्चय, कठिनाइयों और बाधाओं को द्रवित करने की चुनौती, उद्देश्य के प्रति निष्ठा, लक्ष्य को पाने की उत्कट अभिलाषा और मनोनुकूल (संकल्पानुसार) कार्य सम्पन्न होने के प्रति आत्मविश्वास संकल्प के निहितार्थ हैं। सम्भवत: इसीलिए संकल्प को विकल्पहीन बताया जाता है।

इसी भावना की उपज है संस्था 'संकल्प'। हमने निरन्तर छीजते सामाजिक मूल्यों, भारतीय संस्कृति में बढ़ती विद्रूपताओं के साथ ही पीड़ितों, साधनविहीन व्यक्तियों, शिक्षा एवं चिकित्सा के अभाव में दम तोड़ते अरमानों को रोकने और निराश हो रहे, उपेक्षा एवं अभाव के शिकार लोगों को फिर से जीवन के मधुर गीत गुनगुनाने का अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। सही है कि हमारा संकल्प देवव्रत की भीष्म प्रतिज्ञा 'आजन्म अविवाहित रहूँगा' नहीं है। बावजूद इसके हमने संस्था के खाते में कई शिक्षातुर बालक-बालिकाओं का खुशनुमा चेहरा और कई जर्जर शरीर बीमारों का स्वास्थ्य दर्ज कराया है। इस शुरूआती कामयाबी ने हमें आगे बढ़ने को प्रेरित किया है। चिकित्सा के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी भूमिका चिन्हित कर हमने इन क्षेत्रों की विभूतियों को सम्मानित करने की ठानी है। ऐसा इसलिए कि आदर्श के अभाव में या उसके अदृष्य हो जाने की दशा में समाज सिरविहीन (नेतृत्वविहीन) रहकर राह भटक सकता है। यही कारण है कि जिन किशोरों-युवाओं को बली एवं आभायुक्त नजर आना चाहिए वे उम्र से अधिक बुजुर्ग एवं थके दिखाई देते हैं। दरअसल अनुभवपुष्ट ज्ञान का मार्गदर्शन, बनने वाली हर नयी दीवार में लगने वाली ईंटों को सीमेन्ट के लेप की तरह मजबूती देता है। विभूतियों का सम्मान समाज को ऐसा ही बल प्रदान करेगा।

हम जानते हैं कि किसी भी संकल्प को पूरा करना आसान नहीं होता और फिर यहाँ तो 'संकल्प' के उद्देश्यों को उनके अंजाम तक पहुँचाने की बात है। समझा जा सकता है कि कठिनाइयों एवं अवरोधों की उपस्थिति के बीच 'संकल्प' को अंजाम तक पहुँचाने का निर्णय लेने वाले लोग (संस्था के सदस्यगण) किस मनोभाव के होंगे। समाज के प्रति अपनी जिम्मेवारियों को निभाने के लिए वे किस सीमा तक जाने-आने को तैयार होंगे। हमने अनुभव किया है कि बीते वर्षों के दौरान संकल्प को स्वरूप देने की हर कोशिश हमारे लिए एक नया सबक सिद्ध हुई। इसलिए भी हमने निर्णय लेने से पहले तत्सम्बन्धी पहलुओं और उसकी परिणति की संभावनाओं पर विचारने का पूरा प्रयास किया। अन्तिम नतीजा अपने हाथ में नहीं होने के बाद भी हमने प्रयास में कमी को नकारने की हर सम्भव कोशिश की।

आप सभी के स्नेह-सहयोग से सिंचित संस्था 'संकल्प' अब धीरे-धीरे उस ओर बढ़ रही है, जहाँ उसे देखकर कहा जा सकता है कि संस्था अपने शैशवकाल से उबर कर होश सम्भालने के बाद 'कुछ' करने को उद्यत है। उस 'कुछ' को लेकर आवश्यक इच्छाशक्ति और दृढ़ता का दर्शन भी मिलता है। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि 'संकल्प' हमारे संकल्पों के साकार होने का संकेतक है। यह इस बात से स्थापित होता है कि संस्था के कार्यक्रमों के आयोजन के अवसर पर जुटने और जुड़ने वाले लोगों की संख्या अपेक्षा से अधिक होती रही है। वस्तुतः लोगों का यह जुड़ाव और चाहत ही हमारा सम्बल है। हम आज भी यह मानकर चलते हैं कि लोगों की सेवा हमारा धर्म है और धर्म से विमुख होना प्रकारान्तर से भारतीयता से मुँह चुराना है। परिणामतः हम बहुदिशागामी रहकर भी समाज को स्वस्थ बनाने में सहयोग देने की अपनी भूमिका को अंजाम दे रहे हैं तो मात्र इसलिए कि सभी के जीवन में उल्लास का उजाला फैले और अंधेरे का खात्मा हो। प्रकाश की यही चाहत हम सभी को एक-दूसरे से जोड़ती है, एक बनाती है। तो आइए ! हम फिर एक बार 'संकल्प' को अंजाम तक पहुँचाने का संकल्प लें। कुछ कदम आगे बढ़ायें एक साथ, लिए हाथ में हाथ हर साथी का। याद रखिए, विश्वास विजय का दूसरा रूप है।

—दीपक शापुरी

महासचिव की कलम से

सहयोग संकल्प का सम्बल है

वचनबद्धता निजी हो तो उसकी मर्यादा एवं पूर्णता का दायित्व व्यक्तिगत होता है। और जब वचनबद्धता निजी से अलग सार्वजनिक होती है तो उसकी मर्यादा व पूर्णता का जिम्मा व्यक्तियों का हो जाता है। ऐसे में निजता को त्याग कर समूहिकता का वरण अनिवार्य हो जाता है। संकल्प, इसी मार्ग का अनुगमन करने वाली संस्था है। इस संस्था से सम्बद्ध सदस्यगण अपनी निजता को बचाये रखते हुए सामूहिकता को पुष्ट करने में लगे हुए हैं।

हमारा मानना है कि संकल्प के आयोजनों की सफलता, सामूहिकता का प्रतिफल रही है। संस्था की स्थापना के समय से अब तक जितने भी कार्यक्रम हुए सभी संकल्प के सदस्यों और सदस्य सहयोगियों के सामूहिक प्रयास से पूर्ण हुए। क्षय रोगियों को स्वस्थ बनाने के लिए चलाया जाने वाला अभियान हो या फिर निराश्रित शिक्षातुर नौनिहालों को शिक्षित बनाने में सहयोग देने का सवाल, सभी की सफलता में सामूहिक प्रयास महत्वपूर्ण कारक रहा है। यहाँ यह भी कहना है कि सबसे लम्बे समय २१ दिन तक चलने वाला आयोजन श्रीकृष्ण गौरांग लीला का सफल आयोजन उसी सामूहिक सहयोग के चलते संभव हुआ।

संकल्प के कार्यक्रमों को सफल बनाने और मंजिल की ओर बढ़ते रहने के लिए आवश्यक प्रेरणास्पद सहयोग देने के लिए हम अपने सहयोगियों हरेकृष्ण रस्तोगी, पवन टिबड़ेवाल, लव अग्रवाल, राधेकृष्ण टकसाली सहित काशी सेवा समिति के संवासी बालकों के आभारी हैं। जिन्होंने अपनी समर्पित सेवा प्रदान कर हमारे आयोजनों को सफल बनाया। संस्था के सदस्यों में विशेष रूप से अनूप अग्रवाल, श्रीनाथ अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, हरेकृष्ण अग्रवाल, राजकुमार टिबड़ेवाल, मनोज जैन और अजीत अग्रवाल की सेवाभावना सराहनीय रही है।

— रमेश चन्द्र अग्रवाल

मुलायम सिंह यादव

लालबहादुर शास्त्री भवन
लखनऊ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

संदेश

प्रिय श्री अनिल कुमार जैन,

मुझे यह जानकर हर्ष है कि समग्र सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संस्था **'संकल्प, वाराणसी'** समाज में जागृति पैदा करने के लिए प्रयासरत है। संस्था द्वारा क्षय रोगियों के निदान, आर्थिक रूप से अक्षम बच्चों की शिक्षा, कलाकारों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभाओं को निखारने और सर्वधर्म समभाव की दिशा में किये जा रहे कार्य सराहनीय हैं।

अपने कार्यक्रमों से जन-जन को अवगत कराने के उद्देश्य से **'संकल्प पत्रिका'** के सफल प्रकाशन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं।

रोगियों की सेवा समाज को स्वस्थ बनाने का बेहतर ढंग है। संकल्प समाज को शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक रूप से भी स्वस्थ बनाने के लिए सक्रिय है। 'संकल्प' अपने सेवाकार्य के बाबत लिए गये संकल्प को पूरा करे, ऐसा आशीर्वाद देते हुए मैं संस्था के उज्वल भविष्य की कामना करता हूं

(सत्रहवें करमापा, उग्येन थिनले दोरजे)

परमपूज्य करमापा जी के शुभकामना संदेश का अनुवाद प्रो० लोबसांग तेनजिंग ने किया है।

संस्कृति सेवा सदाचार एवं शांति की भावना को लेकर जो संकल्प आपने किया है वह परिपूर्ण हो तथा ईश्वर का आशीर्वाद सदा आपके साथ हो।

गिरिजादेवी

२६.६.०३

संस्कृति, संगीत, साहित्य, सेवा, सद्भावना का सँकल्प जो "सँकल्प" नें लिया है माँ शारदा की कृपा से यह संकल्प कभी छिन्न-भिन्न न होकर सर्वदा अपनें नगर, अपनें देश के हर समस्याओं का सुरुचि रूप से समाधान करते हुए सेवा में अग्रसर होकर अमरत्व की प्राप्ति करे यह मेंरी शुभकामना एवं साधुवाद है।

सद्भावनाओं सहित —

[किशन महाराज]

३ सितँबर २००३

You are doing
good work.
I wish you
all the best

Shabana
7/1/03

संकल्प के संकल्प के
लिये मानव सेवा में
समर्पित आप सब को
मेरी शुभकामना।

God Bless you
All on your sincere
mission !!

With warm regards
& love,

Aishwarya Rai
(Jan. 2005)

God helps those who help others
May god shower you and your
organisation, Sankalp, for the
Noble work you are doing.

God Bless

Mandira
Bedi

I feel honoured and privileged to have had this precious opportunity to be present in the ocean of wisdom and grace under the auspices of the Society's 95th Anniversary.
I wish this organisation plenty of success in the months, years ahead.
With best regards
[signature]

Mr. Devjanlall Seetohul
Deputy Head of Mission
[signature]
5 March 2004

अतिथियों के उद्गार

राष्ट्रसंत मोरारी बापू—जिसके पास संकल्प है उसके लिए कठिन से कठिन काम भी सहज हो जाता है। यहाँ तो पूरी की पूरी संस्था ही संकल्पित है।

सद्गुरु श्री श्रीरविशंकर—समाजसेवा व्यक्तित्व निर्माण का अवसर उपलब्ध कराने का सार्थक माध्यम है।

श्रीकान्त शर्मा बालव्यास—समाज सेवा मात्र तनहित नहीं बल्कि देशहित का काम है। संकल्प का काम इस क्षेत्र में अनुकरणीय है।

कुंवर अनन्त नारायण सिंह—आपकी संवेदनशीलता एवं सामाजिक जिम्मेवारियों के प्रति सजगता प्रशंसनीय है।

एम. एफ. हुसैन—संवेदना के बिना समाद सेवा सम्भव नहीं है। संकल्प, संवेदनशील व पुरुषार्थी व्यक्तियों का समूह है।

अनुराधा पौडवाल—समाजसेवा सबसे अच्छा मीत है, इसे सभी को गुनगुनाना चाहिए।

जया बच्चन—संकल्प की सक्रियता उसके सामाजिक सरोकारों का आइना है।

जयाप्रदा—हमारी कामना है सिक आपको आपकी मंजिल मिलें।

रविन्द्र जैन—संकल्प सिर्फ संस्था नहीं बल्कि जुनूनी समाजसेवियों का समूह है।

पीनाज मसानी—संकल्प का संकल्प पूरा हो, हमारी यही कामना है।

रजा मुराद—आप जो कर रहे हैं वह सराहनीय है। मेरी जब भी आवश्यकता होगी, तैयार मिलूँगा।

शंकर सिंह बघेला—(केन्द्रीय कपड़ा मंत्री) सरकार का सहयोग करने के लिए सामाजिक संस्थाएँ बधाई की पात्र हैं। संकल्प का प्रयास सराहनीय है।

स्वामी चिन्मयानन्द—संकल्प जैसी संस्थाएँ स्वस्थ समाज निर्माण की उपादान व सांस्कृतिक विविधता की वाहक हैं।

अमर सिंह—(सांसद) समाजसेवा करते हुए आप शासन का सहयोग कर रहे हैं, आप सभी बधाई के पात्र हैं।

अखिलेश सिंह यादव—(सांसद) आप लोग बहुत अच्छा काम कर रहे हैं।

सुब्रत राय सहारा—समाज की जरूरतों को महसूस कर उन्हें पूरा करने के लिए प्रयास करना ही समाजसेवा है। संकल्प इस दिशा में काफी आगे है।

वी० के० मित्तल—(प्रमुख सचिव उ० प्र०) स्वस्थ समाज निर्माण में सहयोग के लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

आर० के० मित्तल—(प्रमुख सचिव उ० प्र० चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) समाजसेवा, प्रकाशन्तर से समाज के विकास में शासन को सहयोग देना है।

देवशरण यादव—(आयुक्त-वाराणसी) संकल्प का संकल्प सराहनीय एवं अनुकरणीय है।

रजनीश कुमार मिश्र—(जी. एम.-दूरसंचार) स्वस्थ समाज निर्माण के लिए प्रयत्नशील संस्था का नाम है संकल्प।

जय-जय संकल्प

जय-जय संकल्प, तेरा नहीं विकल्प,
नारी का कर दिया तूने कायाकल्प,
कला में भरके कलाज्ञान, सृष्टि को तूने सजा दिया।
नारी का करके उत्थान, तूने भारत माँ को जगा दिया।
जय-जय संकल्प...
नारी कला का रूप स्वयं है, सृष्टि यह भेद बनाती है।
कला अलंकृत होके कला से, और निखरकर आती है।
जैसे वधू कोई नई नवेली, सजधज के मुसकाती है।
नारी कला का मेल मिले, ज्यों मिल गया जीवन साथी।
जय-जय संकल्प...
नारी का करके उत्थान...
जग ने जिसे कमजोर है माना, वह शक्ति का रूपक है।
अम्बे, दुर्गा, कालीमाता, वह ममता का सूचक है।
कला से कला संजो, नारी को शक्ति बोध कराया।
नारी शक्ति ज्ञान कला का सुन्दर शोध कराया।
जय-जय संकल्प...
कला में भरके कलाज्ञान...
धन्य-धन्य संकल्प संस्था, पावन यज्ञ रचाया है,
मेरा किशन कन्हैया, आशीष देने स्वयं यहाँ आया है।
शुभ संकल्प का यह संकल्प, यूँ ही बढ़ता जाये,
नवीन कुमार भी पावन यज्ञ का, दर्शन करने आये।
जय-जय संकल्प, तेरा नहीं कोई विकल्प,
नारी का कर दिया तूने कायाकल्प,
कला में भरके कला ज्ञान, सृष्टि को तूने सजा दिया।

❑

"सपन सुहाना"

सच मानो "संकल्प" का तो
एक प्यारा सा बहाना था।
कलाकारों के दर्शन को मन ललचाना था।
कन्याओं में कला-प्रेम जगाना था।
यह शिविर तो एक प्यारा सा बहाना था।
रानी बेटी को निज सदन में बुलाना था।
और उसे खूब सजाना था।
गुण-रतन-हार उसको हमें पहनाना था।
शिविर तो एक प्यारा सा बहाना था।
बिटिया को शक्तिमयी बनाना था।
आदर, सद्‌भावना, विश्वास कन्या में जगाना था।
शिविर तो एक प्यारा सा बहाना था।
हेमलता जी के स्नेह-छाँव तले
अपना मन बहलाना था।
गणेश शिशु सदन की रौनक बढ़ाना था।
शिविर तो "संकल्प" का एक प्यारा सा बहाना था।
हमें तो निजत्व भी निखारना था।
शिविर तो एक प्यारा सा बहाना था।
सच मानो नारी रूप सलोना
"अर्पिता" का सपन सुहाना था।
नारी जीवन में
खुशियों के फूल खिलाना था।
शिविर तो "संकल्प" का एक प्यारा सा बहाना था।

—डा० त्रिवेणी खत्री 'अर्पिता'

संकल्प का संकल्प-एक नजर

खाई थी तुमने कसम, ओ संकल्प साथियों
पीछे न हटेंगे कदम तुम्हारे, ओ संकल्प प्रेमियों
आस की मंजिल, मिलेगी न जब तक
गुलशन में गुल, खिलेगा न जब तक
तुम लोगे नहीं विराम
मेरे गुलशन के गुलफाम।

शक्ति स्वरूपा, सौन्दर्यमयी, मंगलमयी, सृजनशीला नारी सर्वगुण सम्पन्न बन सके—ऐसी कामना के साथ महिला कला शिविरि का संकल्प लिया गया ताकि नारी के गुण रत्नों की विभा का प्रकाश समूचे जगत को जगमग कर दे एवं उस आलोक में समूचे जगत में एक ऐसे आह्लाद की सुरभि का प्रसार हो सकें कि प्रत्येक प्राणी उसकी उपलब्धि से मंत्रमुग्ध हो जाये।

ऐसा तभी सम्भव होगा जब नारी को स्वावलम्बी बनाने की दिशा में समाज द्वारा ठोस कदम उठाये जायें। नारी घर की शोभा अवश्य है। कन्या अपने घर आँगन का एक सुन्दर महकता पुष्प है। वह लक्ष्मी है, सरस्वती है, दुर्गा है। उसके गुण रत्नों की सुरभि अपनेपन का, ममत्व का एक विशेष एहसास देती है। उसके अन्तरतम में हम झाँके और देखें कि उसमें निहित कलाओं की जागृति द्वारा उसे अपने पाँवों पर खड़ा कर हम उस प्यारे एहसास को द्विगुणित कर सकते हैं। इस प्रयास द्वारा उसके संरक्षक को भी अपने दायित्व में सहयोग एवं आत्मसंतोष का लाभ होगा।

इसी दिशा में एक मनोरम प्रयास नगर की सामाजिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक संस्था संकल्प ने किया। १० जून २००१ से १ जुलाई २००१ तक प्रथम प्रयास में संस्था पूर्णतया सफल रही।

सशक्त नारी ही सशक्त समाज का निर्माण कर सकती है। नारी के हाथों में ही समाज के उत्तम स्वरूप का सूत्र होता है। आत्मबल की वृद्धि होने पर ही नारी अपना वजूद ढूँढ़ पाती है, स्वयं को पहचानने की शक्ति प्राप्त कर पाती है। अपने गृह मन्दिर को स्वर्गिक सुख प्रदान करने की सामर्थ्य नारी में ही है। सन् २००१ के प्रथम शिविर में ६४५ कन्याओं के आशातीत प्रशिक्षण की सफलता प्राप्त होने पर ही द्वितीय शिविर के शुभ संकल्प में दिनांक १९-६-२००२ के

उद्घाटन समारोह में माननीय श्री नरेन्द्र चन्द्र गौतम जी (कुलपति वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर) ने अपनी उपस्थिति व प्रेरणा द्वारा हमारा जो मार्गदर्शन किया वह अविस्मरणीय रहेगा।

महिलाएँ ही संस्कार की जननी हैं। महिलाओं के बिना समाज अधूरा है। सत्यता तो यह है कि आज की युवा पीढ़ी संस्कृति व संस्कार को पीछे छोड़ चुकी है जिसका परिणाम है कि वह तनावग्रस्त है। उसी संस्कार को वापस लाकर युवा पीढ़ी को तनाव मुक्ति देने का दायित्व नारी का है। नारी के समस्त आन्तरिक गुणों को उजागर कर नवीन सुन्दर समाज का निर्माण करना ''संकल्प'' का संकल्प है। कला में निहित अनन्त सुख-सौन्दर्य का प्रकाशन विविध कला प्रशिक्षण द्वारा ही सम्भव है। इससे श्रेष्ठ उत्तम व्यक्तित्व का निर्माण निश्चित ही होगा।

२० जून २००२ तक हमारे द्वितीय शिविर का समस्त क्रिया-कलाप अनुपम सफलता के साथ सम्पन्न होकर हमारे स्मृति-पटल पर छा गया। जिस आत्म सुख की उपलब्धि, अध्यापिकाओं एवं छात्राओं के स्नेहपूर्ण सहयोग की अपेक्षा कर हमने अपनी यात्रा प्रारम्भ की थी उसका एहसास हमारी चल रही कार्यशाला में व्याप्त स्फूर्ति, क्रिया-कलापों में व्यस्तता, तीव्रगतिमयता सम्पूर्ण वातावरण में छाया अनोखा आनन्द शिविर के मध्य ही हमें अनवरत प्राप्त होता रहा है।

पुस्तकीय ज्ञान की अपेक्षा व्यावहारिक ज्ञान निश्चित ही श्रेष्ठ होता है। सृजन शक्ति में स्थायी गुण होते हैं। नारी सृजनशीला है। सृजनशीला नारी कभी थकती नहीं। वह विराम नहीं लेती। सच तो यह है कि वह थकी भी नहीं, ठहरी भी नहीं। अतः महिला कला प्रशिक्षण का तृतीय शिविर भी अपराजेय उत्साह के साथ दिनांक ८ जून २००३ से २३ जून २००३ तक के लिए शुभारम्भ हो ही गया।

संकल्प संस्था द्वारा आयोजित तृतीय महिला कला प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ रविवार को अपराह्न में बुलानाला स्थित गणेश शिशु सदन में महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो० सुरेन्द्र सिंह व राष्ट्रीय बालभवन के चेयरमैन श्री अजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रो० सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि आज के भौतिकवादी युग में कोई भी कार्य अर्थ के बिना नहीं हो पाता। महिलाओं के सम्मान व स्वाभिमान के साथ जीविकोपार्जन व अन्य मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिये उनका स्वावलम्बी होना जरूरी है और यह तभी सम्भव है जब उन्हें रोजगारपरक व्यावसायिक शिक्षा दी जाय। विशिष्ट

अतिथि राष्ट्रीय बालभवन के चेयरमैन श्री अजय सिंह ने कहा कि महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए संकल्प ने जो प्रयास शुरू किया है वह सराहनीय है।

गणेश शिशु सदन की संस्थापिका श्रीमती हेमलता अग्रवाल जी ने अपने सम्बोधन में व्यक्त किया कि संस्था ने बालिकाओं को स्वावलम्बी बनाने का जो प्रयास किया है वह सराहनीय है।

टेक्सटाइल कमेटी के अध्यक्ष श्री गणेश कुमार गुप्त ने व्यक्त किया कि ऐसे शिविर की मैंने कल्पना भी नहीं की थी। एक छत के नीचे इतनी विधाओं का प्रशिक्षण सराहनीय है।

अत्यन्त सौभाग्य की बात है कि अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भजन गायक कुमार नरेन्द्र एवं नवीन ने शिविर की शोभा में चार चाँद लगाये मुख्य अतिथि पद से भजन गायक कुमार नरेन्द्र ने कहा कि परिवार को संस्कारवान, शिक्षित और

सबल बनाने के लिए नारी शिक्षा आज के समय की माँग है। पहले परिवार का एक व्यक्ति परिवार की सभी जरूरतें पूरी करता था। आज सभी एक दूसरे का सहयोग करके वह काम कर पाते हैं। ऐसे में व्यावसायिक शिक्षा आवश्यक है। संकल्प का ऐसा प्रयास अत्यन्त ही सराहनीय है। लोकप्रिय भजन गायक नवीन शर्मा ने विशिष्ट अतिथि पद से कहा कि संगीत ऐसी विधा है जो मनुष्य को स्वावलम्बी बनाने के साथ ही स्वयं को भी अद्‌भुत आनन्द की अनुभूति कराती है। संगीत मनुष्य के तनाव को कम करता है। श्री श्याम बाल मण्डल के अध्यक्ष श्री संजीव अग्रवाल ने बच्चों को अन्य शिक्षाओं के साथ-साथ वेद की शिक्षा देने पर जोर दिया।

अत्यन्त आह्लादकारी दिवस था दिनांक २२ एवं २३ जून २००३। शिविर के समापन का दिवस। प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया मुख्य अतिथि पद्मविभूषण पंडित किशन महराज ने। उन्होंने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बचपन से लेकर आज तक संघर्ष किया तब जाकर इस मुकाम पर पहुँचा हूँ। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेहनत के साथ-साथ दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। मनुष्य इस शक्ति की बदौलत बड़े से बड़ा पहाड़ तोड़ सकता है। महिलाओं द्वारा निर्मित वस्तुएँ तारीफ के काबिल हैं। पंडित किशन महराज जी के विचार हैं कि सोच, अभिलाषा व संकल्प से कोई भी बड़े से बड़ा कार्य सहज हो जाता है। संकल्प संस्था ने अपने संकल्प से यह सिद्ध कर दिया है।

इतना ही नहीं बात अभी भी अधूरी ही रह गई है। इस समापन के अवसर पर एक महान विभूति पद्मविभूषण श्रीमती गिरिजा देवी जी मंच की शोभा में अनूठी वृद्धि कर रही थीं। उन्होंने मुख्य अतिथि पद से कहा कि किसी भी चीज की अच्छी सीख गुरु-शिष्य परम्परा से ही सम्भव है। अत: गुरु बधाई के पात्र हैं। हमारे यहाँ चौसठ कलाये हैं किन्तु हमें वही कला सीखनी चाहिए जो आत्मनिर्भर बनाने के साथ प्रतिष्ठापरक हो। उन्होंने कहा कि लड़कियों को आत्मनिर्भर बनाना चाहिए। इसके लिए उन्हें चाहिए कि वे सम्मानजनक व सार्थक रास्ता चुनें।

तृतीय शिविर का ऐसा समापन जिसमें दो-दो पद्मविभूषण तबला सम्राट पण्डित किशन महराज जी एवं पद्मविभूषण संगीत साम्राज्ञी श्रीमती गिरिजा देवी जी का सानिध्य व उनके सुवचनामृत पान करने का सुअवसर मिला जो वर्णनातीत है। अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त भजन गायक कुमार नरेन्द्र एवं नवीन शर्मा की अबाध संगीत धारा ने हमें मोह लिया।

सजता है जब चमन अपना
बहारें आती हैं झूम-झूम के।
भावों की गंगा बहती है तब
सपने सृजन के सजा-सजा करके।

—डा० त्रिवेणी खत्री

❑

सं — संगठित

क — कर्मठ

ल — लक्ष्य

प — प्रेरित

हमारी अविराम यात्रा

"परहित सरिस धर्म नहिं दूजा" के सूत्र को लेकर चले हम। वर्ष १९९९ में संस्था ने अपना जन्मोत्सव मनाया गमनामयी माँ मदरतेरेशा के लाडलों के सुख दुःख का साथी बनकर। उनकी पीड़ा मर्म को ऐसा छू गई कि वह अन्तरतम की गहराई तक अपना स्थान बना बैठी। वह तो जीवनपर्यन्त धर्म-कर्म की प्रेरणा प्रदान करती रहेगी। एक-एक नवीन प्रस्तुति करती हुई निरन्तर गतिमान संस्था ने वर्ष, २००२ में भगवान पार्श्वनाथ की जन्म जयन्ती पर भगवान की स्तुति, भजन आदि का आयोजन कर नव वर्ष का अभिनन्दन किया।

इस यात्रा को अगली मंजिल मिली मंगलवार दिनांक १५ अक्टूबर २००२ को। सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक संस्था संकल्प ने पार्वतीपुरी कालोनी के उद्यान में देवी जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया। सुश्री रेवती साकलकर ने "दुर्गा काली नाम तेरा" से देवी का आह्वाहन किया। सुश्री प्रीत प्रेरणा ने "माँ सा दयालु और कोई नहिं दूजा" की प्रस्तुति की। रोशन लाल मेहता ने "दौड़ी चली आयेगी ओढ़ चुनरिया, मेरी मैया जी मेरे घर आना" का न्यौता दिया। गायक पन्नालाल ने "सारे जग में गूँज रहा है माता का जयकारा" आदि गीत द्वारा भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। प्रारम्भ में देवी पूजन, संस्था के संरक्षक अनिल जैन ने सपत्नीक किया। स्वागत श्री आलोक जैन व डा० अश्विनी जैन ने किया।

२७ नवम्बर २००२। वाराणसी में स्थित डुबलिया ग्राम में श्री शिवशंकर अग्रवाल के बगीचे में गणिनी प्रमुख आर्यिका ज्ञानमती माताजी को संकल्प संस्था की ओर से णमोकार महामंत्र अंकित कैलेन्डर संस्था के संरक्षक श्री अनिल जैन द्वारा भेंट किया गया। इस अवसर पर श्री दीपक जैन भी उपस्थित थे।

● मंगलवार दिनांक १० दिसम्बर २००२ को ख्यातिप्राप्त युवा गायिका सु
कविता पौडवाल का प्रथम काशी आगमन पर राधा कृष्ण मन्दिर के प्रांगण
संकल्प द्वारा अभिनन्दन किया गया। संस्था के संरक्षक श्री अनिल जैन ने उ

संकल्प की पत्रिका व काशी दर्शन की तस्वीर स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट
इस अवसर पर प्रसिद्ध तबलावादक अशोक पाण्डेय एवं भजन गायक सु
बावेजा (पटना) भी उपस्थित थे।

● वृहस्पतिवार १२ दिसम्बर २००२ को राष्ट्र संत मोरारी बापू का संस्था
संरक्षक श्री अनिल जैन ने माल्यार्पण कर स्वागत कर उन्हें संस्था की पुस्ति
प्रदान की एवं संस्था के क्रिया कलापों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रमु
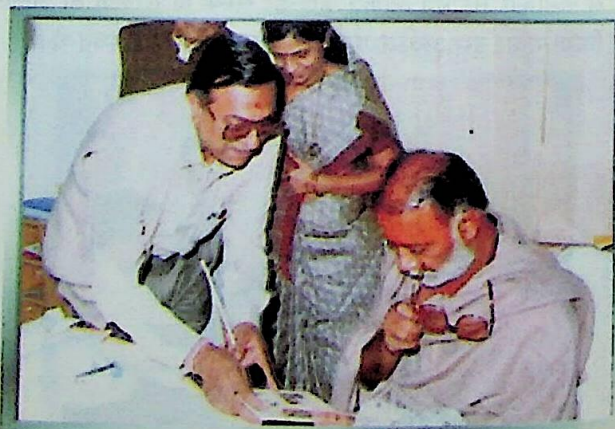
स्वरूप से श्री शिवशंकर अग्रवाल, श्री राजेश अग्रवाल, श्री अशोक अग्रवाल आदि उपस्थित थे। संत मोरारी बापू ने संकल्प संस्था द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संकल्प के बिना कोई भी कार्य सम्भव नहीं है। जिसके पास संकल्प है उसके लिए कठिन से कठिन कार्य भी सहज हो जाता है। यहाँ तो पूरी की पूरी संस्था ही संकल्पित है।

बृहस्पतिवार १९ दिसम्बर २००२ को मशहूर चित्रकार मकबूल फिदा हुसैन का संकल्प संस्था के संरक्षक श्री अनिल कुमार जैन ने स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। स्वागत करते हुए श्री अनिल जैन ने कहा कि श्री हुसैन के हाथों
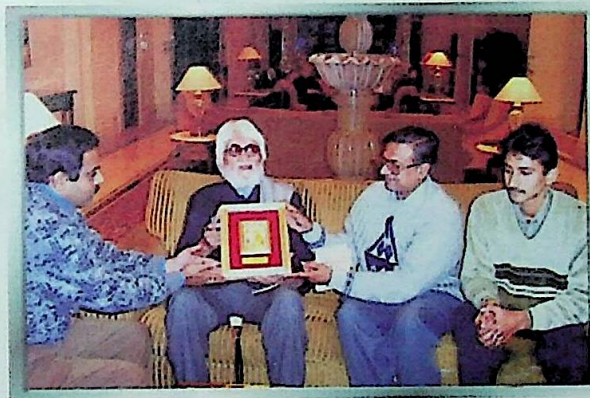
में ऐसा जादू है कि उनकी कूची जिधर भी घूम जाती है, एक नई कला एवं प्रेरणा को जन्म दे देती है। धन्यवाद ज्ञापन श्री हरेकृष्ण अग्रवाल ने किया।

दिनांक २४ दिसम्बर २००२ को संस्था के संरक्षक श्री अनिल जैन ने टी० वी० कलाकार सुधा चन्द्रन एवं अमन वर्मा का रजत अरघा भेंट कर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर रमेश चन्द्र अग्रवाल, इशिता जैन, सुशान्त श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित थे।

● दिनांक ६ जनवरी २००३ को कड़ाके की ठंड के कारण रविवार को अग्रसेन कन्या इण्टर कालेज के सामने मालवीय मार्केट में संस्था ने अलाव जलाया। श्री अनिल कुमार जैन ने कहा कि नगर के अन्य इलाकों में भी संस्था द्वारा अलाव जलाये जायेंगे।

● दिनांक ६ जनवरी २००३ को संस्था ने विश्व सुन्दरी विख्यात अभि ऐश्वर्या राय का रामनगर स्थित खिड़किया घाट पर अभिनन्दन किया। संस्था संरक्षक अनिल जैन ने सुश्री ऐश्वर्या राय को चाँदी के अरघे में स्फटिक
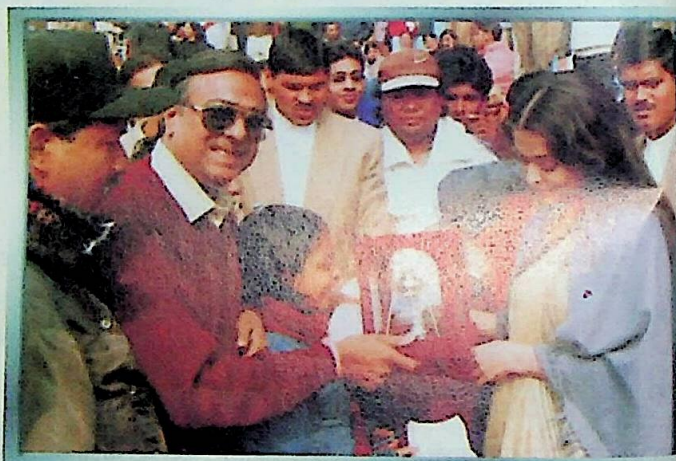
शिवलिंग सहित रजत तिपाही व जलघरी युक्त स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए उ दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर रमेशचन्द्र अग्रवाल, ऋषि अग्रवा दीपांश अग्रवाल, इशिता जैन, सपल जैन, सुशान्त श्रीवास्तव, पुरुषोत्तम चतुर्वे किसलय अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

● १४ जनवरी २००३ को पार्श्वगायिका अनुराधा पौडवाल ने हरती स्थित राधाकृष्ण मन्दिर में दर्शन पूजन किया। दर्शन पूजन के बाद संस्था सदस्यों ने उन्हें उपहार देकर उनका स्वागत व सम्मान किया। इस अवसर गीता जैन, आभा अग्रवाल, अनिल कुमार जैन ने उन्हें रजत पिंडली युक्त अ भेंट किया। रमेश चन्द्र अग्रवाल एवं आभा अग्रवाल ने उन्हें राधाकृष्ण का चि भेंट किया।

दिनांक १६ जनवरी २००३ को पार्श्वगायक गीतकार व संगीतकार रवीन्द्र जैन ने वाराणसी आगमन पर भेलूपुर स्थित जैन मन्दिर में दर्शन-पूजन किया। इसी अवसर पर संस्था के संरक्षक श्री अनिल जैन के नेतृत्व में उनका सम्मान समारोह

आयोजित किया गया। संस्था द्वारा उन्हें स्फटिक का शिवलिंग युक्त अरघा भेंट किया गया। इस अवसर पर रमेशचन्द्र अग्रवाल, आलोक जैन आदि ने भी उनका स्वागत किया।

सोमवार १७ मार्च २००३ को सामाजिक संस्था संकल्प ने रंगों के महापर्व होली की खुशी रविवार को शिवाला स्थित मदर टेरेसा होम के लावारिस और

बीमार लोगों के संग बाँटी। संस्था के सदस्यों ने सबसे पहले कोढ़, टी० बी
जैसी घातक बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को अबीर का टीका लगाया तथा टो
पहनाकर उन्हें होली की शुभकामनाएँ दीं। इसके साथ ही उन सभी को भोजन
कराया गया। श्री अनिल जैन ने १६ क्षय रोगियों को क्षय मुक्त करने का आश्वा
दिया।

● दिनांक १८ मार्च मंगलवार को संस्था संकल्प के तत्वावधान में क
सेवा समिति के संवासी बालकों को अबीर, पिचकारी व टोपी वितरित क
होली उपहार वितरण मुख्य अतिथि दूरसंचार के महा प्रबन्धक रजनीश कु
मिश्र के हाथों पाकर बच्चे खुशी से झूम रहे थे। संस्था के अध्यक्ष दीपक शापु
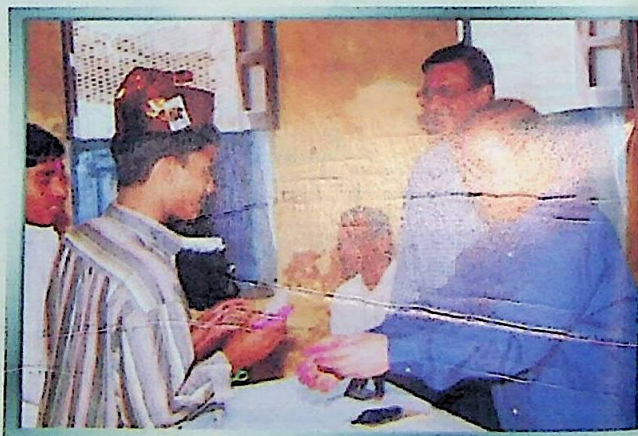
मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर रमेश चन्द्र अग्रवा
पारसनाथ राय, अजित कुमार अग्रवाल, सिद्धार्थ जैन, श्रीनाथ अग्रवाल, सतीश
खण्डेलवाल आदि उपस्थित थे। अध्यक्षता श्री अनिल जैन ने की। संचा
कोषाध्यक्ष हरिहर लाल श्रीवास्तव व धन्यवाद प्रकाश, बृज प्रकाश अग्रवाल
किया।

● दिनांक ५ मई २००३ को फिल्म अभिनेत्री तथा राज्यसभा सदस्य शब
आजमी के काशी आगमन पर रविवार को संकल्प संस्था की ओर से संकल्प
संरक्षक श्री अनिल जैन ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका सम्मान किया। सं
द्वारा सम्मानित होने पर शबाना आजमी ने अनिल जैन को धन्यवाद दिया।

दिनांक ३१ मई २००३ को हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर प्रादेशिक जर्नलिस्ट एसोसिएसन की ओर से शुक्रवार को सायंकाल लक्सा स्थित वृन्दावन बिहारी लान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि पूर्व वित्त मंत्री

हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव हरीश जी ने समाज सेवी अनिल जैन को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर काशी रत्न अलंकरण से विभूषित किया।

● दिनांक १४ जून २००३ को दशाश्वमेध घाट पर डूबती महिला को बचा
वाले ३४ वीं वाहिनी के पीएसी के जवान श्री सुरेश कुमार पाठक को संस्था
संरक्षक अनिल कुमार जैन ने नकद धनराशि तथा उपमहापौर श्री संजय राय

अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पीएसी के डीआई
आर०के० सिंह तथा पूर्व आयकर आयुक्त श्री आर०के० सिंह भी उपस्थित थें।

● दिनांक २० जून २००३ को प्रख्यात फिल्म अभिनेता रजा मुराद के का
आगमन पर संस्थापक सदस्य श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल ने उन्हें सम्मानित किय
इस अवसर पर उन्होंने रजा मुराद को संस्था के क्रिया-कलापों की जानकारी
तथा संस्था की पुस्तिका व कैप प्रदान किया। श्री रजा मुराद संस्था के कार्यों क
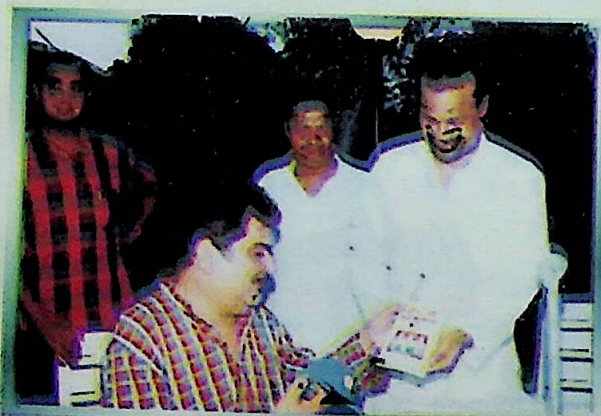
जानकर प्रसन्न हुए और कहा कि यह एक नेकी और पुण्य का काम है और जब भी मेरी सहायता की आवश्यकता होगी सहायता को सहर्ष तैयार रहूँगा।

- दिनांक २४ जून २००३ को सी०पी०एम०टी० की परीक्षा में प्रदेश में दसवाँ स्थान प्राप्त करने वाली कुमारी दिव्या खन्ना का सम्मान श्रीमती गिरिजा

देवी द्वारा किया गया। यह सम्मान संकल्प संस्था द्वारा गणेश शिशु सदन में आयोजित तृतीय महिला कला प्रशिक्षण शिविर में किया गया। संरक्षक श्री अनिल जैन ने स्फटिक शिवलिंग अर्घ्य प्रदान किया।

- शनिवार २१ जुलाई २००३ की शाम पराड़कर भवन, गोलघर में संकल्प

एवं रमा मेडिकल केयर सेन्टर की ओर से आयोजित अभिनन्दन समारोह में केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री स्वामी चिन्मयानन्द जी ने विचार व्यक्त किया कि देश में मुसालमानों को सिर्फ मतदाता समझा जाता है, इन्सान नहीं—यही सबसे बड़ा दुर्भाग्य है। जरुरत है उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़कर प्रयोगधर्मी आचरण करने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुश्री प्रीत प्रेरणा द्वारा प्रस्तुत गणेश वन्दना से हुआ। संस्था संकल्प के संरक्षक श्री अनिल जैन ने काशी की गरिमा के अनुसार अंगवस्त्रम व प्रतीक चिन्ह प्रदान किया। रमा मेडिकल केयर सेन्टर के प्रबन्ध निदेशक एन०पी० सिंह ने भी भारतीय आध्यात्म-मेधा के प्रखर हस्ताक्षर स्वामी चिन्मयानन्द को प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्रम भेंट कर अभिवादन किया। कार्यक्रम का संचालन विपुल नागर एवं धन्यवाद ज्ञापन अनिल जैन ने किया। मंचासीन डा० ए० के० सिंह, डा० अश्विनी जैन, दीपक शापुरी, विधायक श्यामदेव राय चौधरी का भी सम्मान कर उन्हें अंगवस्त्रम प्रदान किया गया।

● दिनांक २९ जुलाई २००३। श्री जगन्नाथ मन्दिर न्यास और सामाजिक संस्था संकल्प के तत्वधान में आयोजित एक समारोह में राष्ट्र सन्त श्री श्रीकान्त शर्मा बालव्यास का वन्दन व अभिनन्दन किया गया। व्यास जी का स्वागत श्री

दीपक शापुरी ने किया। मंगलाचरण विशाल मिश्र व उनके अनुज अभिषेक मिश्र तथा पिता रवीन्द्र मिश्र ने किया। संचालन श्री अनिल जैन ने किया। इस अवसर पर दीनानाथ झुनझुनवाला, सत्यनारायाण झुनझुनवाला, डा० अश्विनी जैन, अखिलेश्वर शर्मा, रमेश अग्रवाल, जगदीश जैन आदि उपस्थित थे।

दिनांक ९ अक्टूबर को कु० इशिता जैन व रुपल जैन को उनके रावण के पुतला निर्माण पर संस्था के संरक्षक अनिल जैन ने सम्मानित किया। उन्हें नूतन सृजन की प्रेरणा भी प्रदान की।

दिनांक १३ अगस्त २००३ बुधवार को "संकल्प" की ओर से बाबा बटुक भैरव के मन्दिर में भजन सन्ध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर
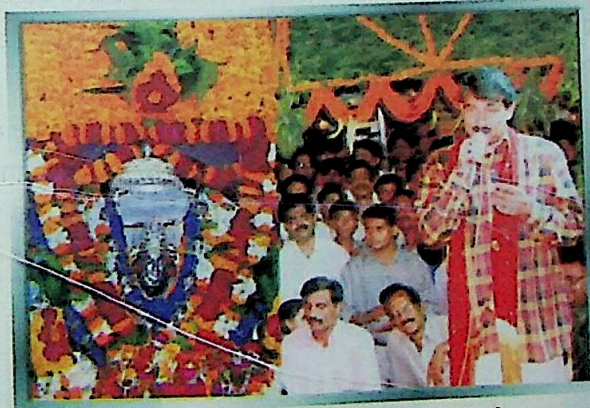
मनोज तिवारी 'मृदुल' एवं बिंदुमाधव वर्मा के गाये भजनों को सुनकर लोग झूम रहे थे। अतिथियों का स्वागत श्री अनिल जैन ने एवं धन्यवाद ज्ञापन महन्त राकेश पुरी व भास्कर पुरी ने किया।

२२ अगस्त २००३, विद्यादान-महादान। विद्यादान से बड़ा कोई दान नहीं। संस्था के संरक्षक श्री अनिल जैन ने कहा कि संस्था सदैव ही सामाजिक,

सांस्कृतिक, शैक्षणिक उत्थान के लिये प्रयत्नशील है। अतः समाज के सम्पन्न वर्ग इस पुण्य कार्य में सहयोगी बनें। संस्था ने अपने पार्वतीपुरी स्थित कार्यालय में आयोजित शिविर में निर्धन छात्रों को पाठ्य पुस्तकें, कापियाँ, स्कूल यूनिफार्म

वितरित किये। इस अवसर पर हरेकृष्ण अग्रवाल व पंकज अग्रवाल ने छात्रों से अनुरोध किया कि जिन छात्रों ने अपने विद्यालय से फार्म अनुमोदित नहीं करवाये हैं वे फार्म अनुमोदित करवाकर संस्था से सहयोग प्राप्त कर लें। स्वागत आलोक जैन ने एवं धन्यवाद ज्ञापन पंकज अग्रवाल ने किया।

- शनिवार २४ अगस्त २००३ को पदम् विभूषण पंडित किशन महाराज के जन्मदिन पर हरतीरथ स्थित कृष्ण मन्दिर में संकल्प संस्था द्वारा उन्हें अंगवस्त्रम्

एवं स्फटिक का शिवलिंग युक्त रजत अरघा प्रदान किया गया। इस सम्मान समारोह में उन्होंने कहा कि यह अमूल्य उपहार उन्हें सदैव स्मरण रहेगा। यदि प्रभु की कृपा व प्रेरणा हुई तो कभी उनके तबले की थाप इस मन्दिर में भी अवश्य गूँजेगी। संस्था के संरक्षक अनिल जैन ने एक ऐसे कोष की स्थापना पर बल दिया जो अस्वस्थ कलाकारों के इलाज में उपयोगी सिद्ध हो सके। इस अवसर पर रामचन्द्र अग्रवाल, रमेश चन्द्र अग्रवाल, सुरेश चन्द्र अग्रवाल, गौरीशरण अग्रवाल, ऋषभ के दास, हरे कृष्ण अग्रवाल, अरुण कुमार, कौस्तुभ, किसलय अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

- दिनांक ४ सितम्बर २००३ संस्था 'संकल्प' एवं राधाकृष्ण मन्दिर ट्रस्ट की ओर से बुधवार को पद्मविभूषण पंडित किशन महाराज के कबीरचौरा स्थित निवास पर प्रख्यात वायलिन वादक श्री वी०जी० जोग के स्वास्थ्य की मंगलकामना के साथ संस्था द्वय द्वारा क्रमश: ५१००/- एवं १०,०००/- की राशि का चेक प्रदान किया गया। संस्था के संरक्षक अनिल जैन ने पंडित किशन महाराज से
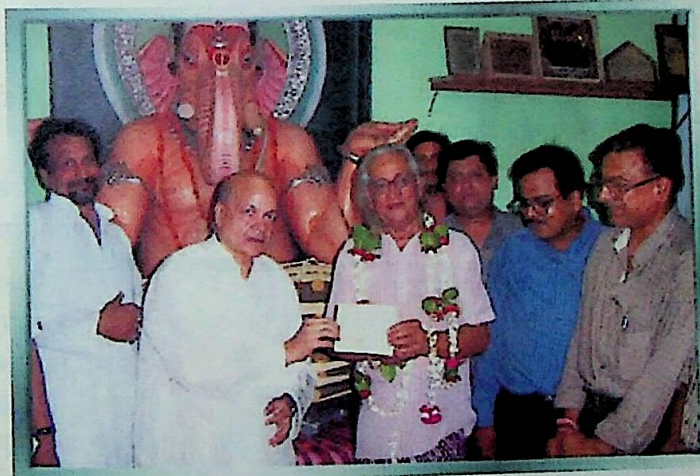
अपील की कि स्वनामधन्य कलाकारों के साथ-साथ नगर के नवोंदित कलाकारों की प्रतिभा को आगे लाने के लिये उनके नेतृत्व में सार्थक प्रयास होने चाहिये। इस अवसर पर रामचन्द्र अग्रवाल, रमेश चन्द्र अग्रवाल, आलोक जैन, सिद्धार्थ जैन, पंकज अग्रवाल, हरेकृष्ण अग्रवाल, सुशान्त श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, राजेश गिनोडिया, संजय अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

शनिवार ३० सितम्बर को पार्वतीपुरी कालोनी में शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन देवी जागरण का भव्य आयोजन किया गया। प्रख्यात गायिका सुश्री रेवती साकलकर, कु० प्रीत प्रेरणा, रोशन मेहता, पन्नालाल, जय पाण्डेय, राकेश के देवी गीत एवं भजन से श्रोता भावविभोर हो उठे। 'श्रद्धा से माँ को बुलाने वाल

चाहिये', 'या देवी सर्वभूतेषु', 'ॐ नमः शिवाय', 'आ जाना माँ आ जाना' की गूँज मन को रमाये थी। स्वागत अनिल जैन एवं दीपक शापुरी ने किया।

दिनांक १० अक्टूबर २००३ राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा रेलवे इन्टर कालेज मुगलसराय में आयोजित शिविर में संकल्प के संरक्षक अनिल जैन 'परहित सरिस
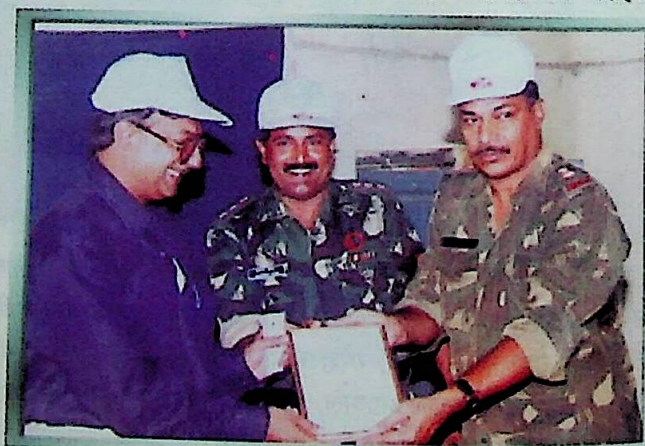
धरम नहिं दूजा' सूत्र को प्रत्येक घर तक पहुँचाने का आह्वान किया। कश्मीरी कैडेटों द्वारा प्रस्तुत किये गये कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उन्हें संस्था की ओर से कैप प्रदान किया गया। कमान्डेन्ट कर्नल वी०के०व्याला और कैप्टन ए०के०सिंह को संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। राष्ट्रीय एकता शिविर में संरक्षक श्री अनिल जैन को मानपत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

- ३० अक्टूबर २००३। व्यक्ति विकास केन्द्र के प्रणेता (आर्ट आफ लिविंग) सद्गुरु श्री श्री रवि शंकर जी के वाराणसी आगमन पर संकल्प संस्था के सदस्यों ने सारनाथ स्थित टंडन फार्म हाउस में सद्गुरु का माल्यार्पण कर व स्फटिक का

शिवलिंग युक्त रजत का अरघा प्रदान कर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर रमेशचन्द्र अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, किसलय अग्रवाल, शबनम अग्रवाल, दीपांश अग्रवाल उपस्थित थे।

- ५ मार्च २००४ को काशी सेवा समिति, रामकटोरा के संवासी-निराश्रित बच्चों के साथ संस्था ने होली की खुशियाँ बाँटी गई। इस अवसर पर बच्चों में रंग, पिचकारी, गुलाल, टोपी, मिठाइयाँ, फल आदि का वितरण किया गया। प्रारम्भ में बच्चों के साथ संस्था के सदस्यों ने और विशिष्ट जनों ने एक दूसरे को टीका लगाकर शुभ कामना प्रदान की। उत्सव में मुख्य अतिथि माननीय डा० ए० के० श्रीवास्तव न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय, वाराणसी व विशिष्ट अतिथि श्री राकेश कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल प्रबन्धक, भारतीय जीवन बीमा निगम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा० रामअवतार पाण्डेय, अध्यक्ष काशी सेवा समिति ने

की। इस अवसर पर हास्य व्यंग्य के कवि बृजेश चन्द्र पाण्डेय ने काव्य पा
किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि होली सामूहिक जीवन जीने का भाव जगाती
यही अवसर है जब हम सभी गिले-शिकवे भूलकर गले मिलते हैं

● ५ मार्च २००४, शुक्रवार को संस्था द्वारा पार्वतीपुरी कालोनी के उद्यान
आयोजित 'होली मिलन समारोह' में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया
जिसमें मुख्य अतिथि मारीशस के उप उच्चायुक्त श्री देवजन लाल सीताहल ए
उनकी पत्नी श्रीमती चन्द्रमणी सीताहल थे। श्री सीताहल ने कहा कि मिनी भार
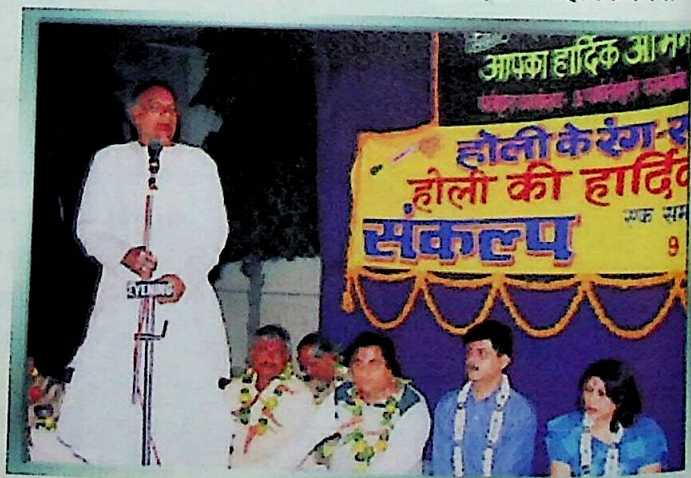
में भी हम महाभारत की संस्कृति को जिन्दा रखे हुए हैं। आज हम जिस संस्कृति से जुड़े हुए हैं, उसे साक्षात देखने का अवसर काशी में होली पर मिल रहा है, इससे बड़ी खुशी की बात क्या हो सकती है। कवि सम्मेलन में आरम्भ में श्री झग[illegible] ने [illegible] लोकों में कहीं नहीं काशी'' सुनाया, श्री भूषण त्यागी ने राधा-[illegible] की चर्चा करते हुए ''आज का दिवस यादगार होगा राधा-रानी, [illegible] तुझे नचाऊँगा'' संचालन कवि श्री धर्मशील चतुर्वेदी ने 'स्वर्ण मुकुट [illegible] जड़ित कहाँ धरोगे नाथ'' तथा श्री साँड बनारसी ने ''नया-नया भारत बनायें अटल गुरु'' सुनाकर श्रोताओं को काव्य एवं हास्य रस से सराबोर किया। अन्य कवियों ने भी अपनी रचनाओं से वाहवाही लूटी। इस अवसर पर 'संकल्प' के समस्त पदाधिकारी, सदस्य एवं शुभेच्छु उपस्थित थे।

● ८ मार्च २००४ को भेलूपुर स्थित एक होटल में संस्था ने मारीशस के उप उच्चायुक्त श्री देवजन लाल सीताहल को स्फटिक शिवलिंग युक्त रजत अरघा प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक अनिल कुमार जैन एवं अध्यक्ष श्री दीपक शापुरी ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष सौ विद्यार्थियों को

पाठ्य-पुस्तकें और यूनिफार्म दिया जाता है। संस्था द्वारा अब तक दो हजार लोगों को क्षयमुक्त किया जा चुका है। नये कलाकारों को मंच प्रदान करने के साथ ही विशिष्ट जनों का अभिनन्दन भी संस्था द्वारा किया जाता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सर्वश्री आलोक शापुरी, सुशान्त श्रीवास्तव व अभय श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

● २ अप्रैल २००४ को काशी [illegible] प्रसिद्ध रामक
मन्दाकिनी शोभा यात्रा में चलने वाली ढेरों [illegible] संस्था द्वारा आयो
झाँकिया भी लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनीं।

● ४ अप्रैल २००४ को संस्था द्वारा कन्हैया अलंकार मन्दिर, बुलानाला
भगवान महावीर की शोभायात्रा का स्वागत किया गया। संस्था के संरक्षक

अनिल कुमार जैन ने भगवान महावीर की आरती उतारी एवं पुष्प अर्पित कि
इस अवसर पर संकल्प के कई सदस्य उपस्थित थे।

९ अप्रैल २००४ को चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव आर० के० मित्तल का अनिल कुमार जैन, दीपक शापुरी, आलोक

शापुरी ने संकल्प की पुस्तक, शिवलिंग युक्त अरघा भेंट कर सम्मान किया। इस समारोह में काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो० सुरेन्द्र सिंह, डा० एन० पी० सिंह, दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन विवेक अग्रवाल ने किया।

२३ सितम्बर २००४ को इस्कान व संकल्प संस्था के संयुक्त तत्वाधान में भजन सन्ध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तबला वादक अशोक पाण्डेय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य विकास

● २ अप्रैल २००४ को काशी नगरी में निकलने वाली प्रसिद्ध रामक
मन्दाकिनी शोभा यात्रा में चलने वाली ढेरों झाकियों में संकल्प संस्था द्वारा आयोजित प्रमु
झाँकिया भी लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनीं।

● ४ अप्रैल २००४ को संस्था द्वारा कन्हैया अलंकार मन्दिर, बुलानाला
भगवान महावीर की शोभायात्रा का स्वागत किया गया। संस्था के संरक्षक

अनिल कुमार जैन ने भगवान महावीर की आरती उतारी एवं पुष्प अर्पित कि
इस अवसर पर संकल्प के कई सदस्य उपस्थित थे।

९ अप्रैल २००४ को चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव आर० के० मित्तल का अनिल कुमार जैन, दीपक शापुरी, आलोक
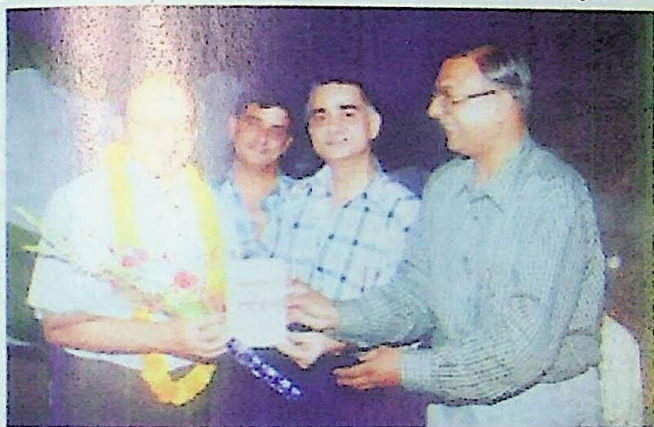
शापुरी ने संकल्प की पुस्तक, शिवलिंग युक्त अरघा भेंट कर सम्मान किया। इस समारोह में काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो० सुरेन्द्र सिंह, डा० एन० पी० सिंह, दीपक अग्रवाल आदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन विवेक अग्रवाल ने किया।

२३ सितम्बर २००४ को इस्कान व संकल्प संस्था के संयुक्त तत्वाधान में भजन सन्ध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तबला वादक अशोक पाण्डेय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि मुख्य विकास

अधिकारी मुहम्मद शरीफ अहमद खाँ थे। कार्यक्रम में अनिल कुमार जैन, आल शापुरी, रमेशचन्द्र अग्रवाल तथा इस्कान परिवार के ... बिन्दु ..., शरद कि दास, कृष्णदास तथा अध्यक्ष प्रसन्नात्मादास, शेषाद्रि ... आदि उपस्थित थे।

● २५ सितम्बर को 'आर्ट आफ लिविंग' के ... गुरु रविशंकर अनुयायियों ने टाउनहाल में आयोजित महासत्संग समारोह में समाजसेवा के लिए श्री अनिल कुमार जैन को अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित कि

● सामाजिक संस्था संकल्प की ओर से २६ सितम्बर को माँ विन्ध्यवासि के धाम विन्ध्याचल में श्रृंगार एवं भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आपदा से समाज को संकटों से निजात दिलाने के लिए यह निर्णय लिया गया। श्री अनिल जैन ने बताया कि भगवान इन्द्र की अनुकम्पा के लिये माँ के बराबर में जाकर श्रृंगार व पूजन किया गया है। इस अवसर पर माँ विन्ध्यवासिनी के पवित्र दरबार में भजन कलाकार उत्तम राय, रौशनलाल एवं सहयोगियों ने माँ के चरणों में भजनों की भेंट चढ़ायी। उपस्थित जनसमूह भजनों पर काफी देर झूमता रहा। इस पूजा में संकल्प के संरक्षक अनिल जैन, दीपक शापुरी, डा०अश्विनी जैन, सिद्धार्थ जैन, रमेश चन्द्र अग्रवाल, कृष्ण मोहन गुप्त, लव अग्रवाल, डा० सतीश चन्द्र अग्रवाल, डा० विनय पाठक आदि उपस्थित थे।

- हिन्दी पखवारा के अर्न्तगत बुधवार ३० सितम्बर २००४ को संकल्प एवं आकाशवाणी के संयुक्त तत्वाधान में पराड़कर स्मृति भवन में काव्य गोष्ठी का

आयोजन किया गया। गोष्ठी में चन्दल हितैषी, ओमप्रकाश चौबे, शिवशंकर सिंह 'मानव', शिवमूर्ति सिंह, डा० रामअवतार पाण्डेय, सविता सिंह, हरिहर लाल श्रीवास्तव, रामदास अकेला, मेयार सनेही आदि ने काव्य पाठ किया। अध्यक्षता चन्द्रशेखर मिश्र ने, संचालन हरीश जी एवं स्वागत अनिल जैन ने किया।

● २ अक्टूबर २००४ गाँधी जयन्ती। चन्द्रावती गाँव चौबेपुर में बिजली उपकरणों का व्यवसाय करने वाले श्री राजेन्द्र सिंह द्वारा संचालित पाठशाला २८ बच्चों को पुस्तकें दी गईं। श्री राजेन्द्र सिंह इस पाठशाला के अकेले शिक्षक

जो गांव के बच्चों को शिक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में अ जैन, सिद्धार्थ जैन, सुशान्त श्रीवास्तव, अभय श्रीवास्तव, शंकर आदि उपस्थित

● २७ अक्टूबर २००४ संकल्प ने बुधवार को आयोजित समारोह आकाशवाणी के उप महानिदेशक श्री आर० डी० राम तथा १४ अन्य निदेशकों का सम्मान किया।

एड्स दिवस पर संकल्प द्वारा क्षय रोग के मरीजों में
एड्स की जाँच हेतु रक्त परीक्षण

अग्रसेन जयन्ती पर शोभायात्रा का स्वागत कर
श्री अग्रसेन जी के चित्र पर माल्यार्पण करते संस्था के पदाधिकारी
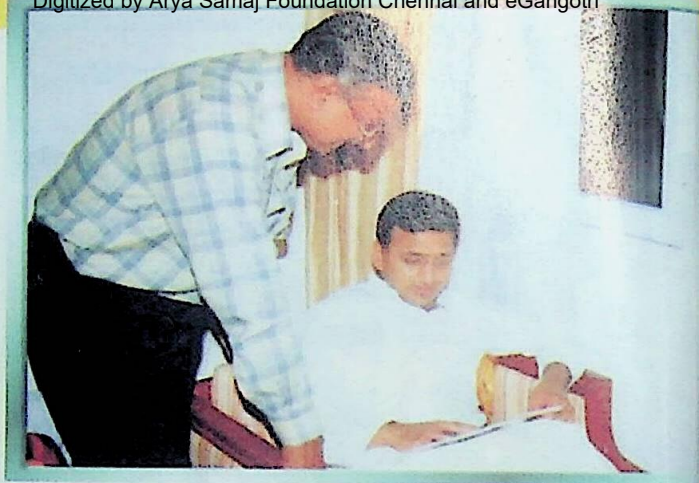
सांसद अखिलेश सिंह यादव को संकल्प के बारे में जानकारी देते
संस्था के संरक्षक अनिल जैन

सांसद अमर सिंह जी का अभिनन्दन करते अनिल जैन

परमपूज्य माँ अमृतानंदमयी का अभिनन्दन करते हुए
अनिल जैन व रमेश चन्द्र अग्रवाल

कुँवर डा० अनन्त नारायण सिंह को
संस्था के क्रिया-कलाप की जानकारी देते संरक्षक अनिल जैन

मुख्य सचिव (उ० प्र०) श्री वी० के० मित्तल को सम्मानित करते अनिल जैन
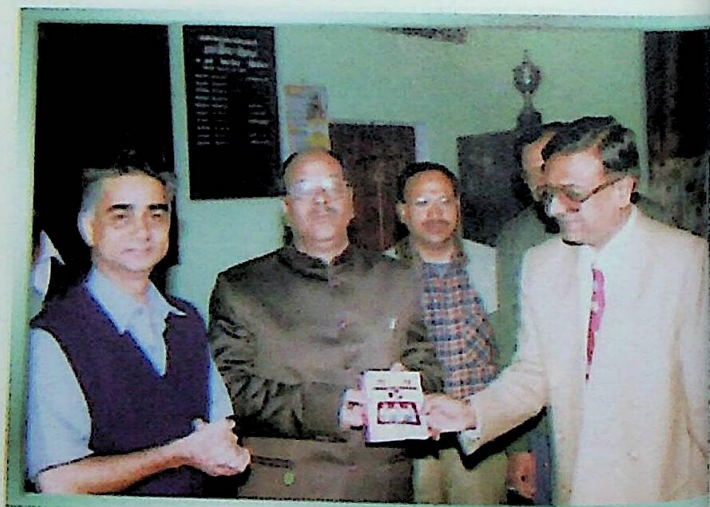
आयुक्त वाराणसी मण्डल श्री देवशरन यादव को संकल्प के बारे में जानकारी देते संरक्षक एवं अध्यक्ष
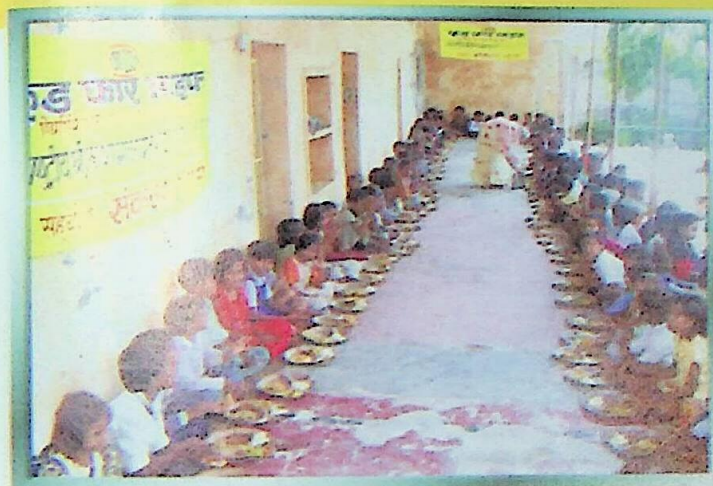
अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था इस्कान के कार्यक्रम 'फूड फार लाइफ' में संकल्प के सहयोग से बच्चों को भोजन कराने का दृश्य

आई.एम.ए. वाराणसी द्वारा अनिल जैन को डाक्टरर्स डे पर सम्मानित करती अध्यक्ष डा० विभा मिश्रा

रोटरी क्लब की ओर से संकल्प के संरक्षक अनिल जैन को सम्मानित कर
रोटरी के गवर्नर श्री हरिमोहन शाह व अध्यक्ष रविशंकर सिंह

गाँधी जयंती पर मदर टेरेसा होम में निराश्रितों के बीच
खाद्य सामग्री वितरित करते संकल्प के पदाधिकारी

संकल्प की पुस्तिका का अवलोकन करती हुई प्रसिद्ध गजल गायिका पिनाज मसानी

पोलैण्ड के राजदूत का सम्मान करते हुए अनिल जैन
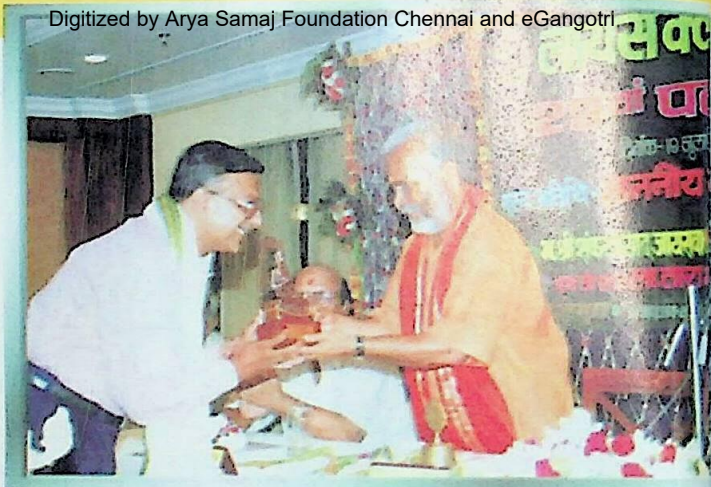
केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री स्वामी चिन्मयानन्द समाजसेवा में उल्लेखनीय काम के लिए लायन्स क्लब की ओर से अनिल जैन का सम्मान करते हुए

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय मेमोरियल संस्था के सारनाथ स्थित म्यूजिम के शुभारम्भ के अवसर पर गुरुमाता का अभिनन्दन करते अनिल जैन

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री श्री शंकर सिंह बघेला को संकल्प की जानकारी देते संस्था के संरक्षक अनिल जैन व गणेश कुमार गुप्ता

सहारा श्री का सम्मान करते हुए संकल्प के रमेश चन्द्र अग्रवाल, हर्षित जैन, अनिल जैन
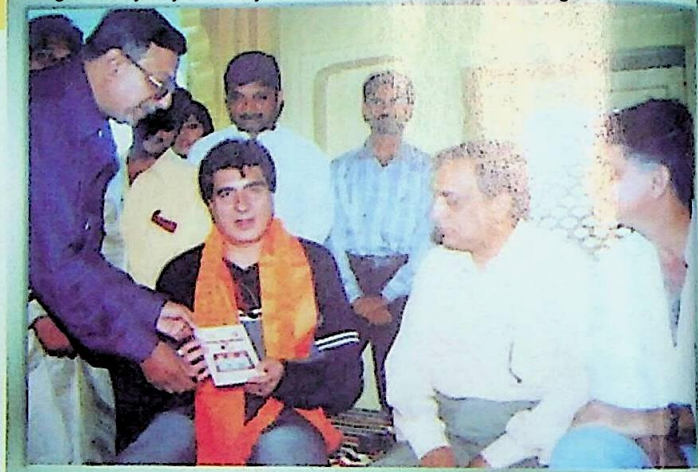
सांसद अभिनेता राजबब्बर को संकल्प की जानकारी देते
संकल्प के पदाधिकारी
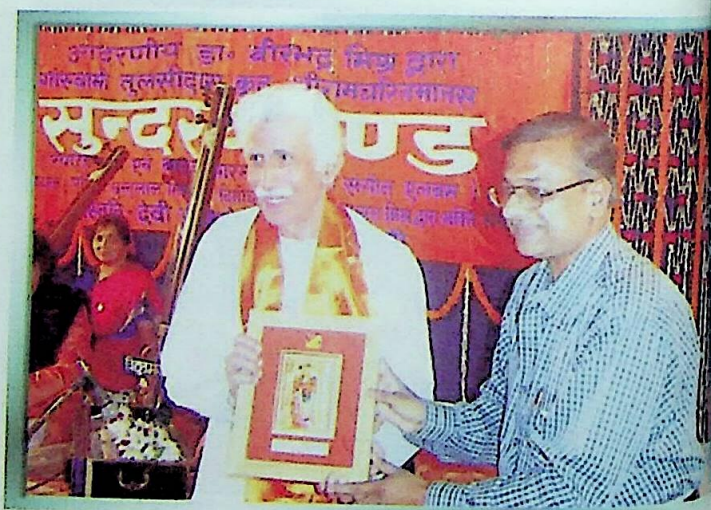
संकटमोचन के महन्त श्री बीरभद्र मिश्र जी को सम्मानित करते
संकल्प के संरक्षक अनिल जैन

सांसद जयाप्रदा का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान कर
संस्था के बारे में जानकारी देते संकल्प के पदाधिकारी

जयाबच्चन को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते
अनिल जैन व श्रीमती आभा गुप्ता
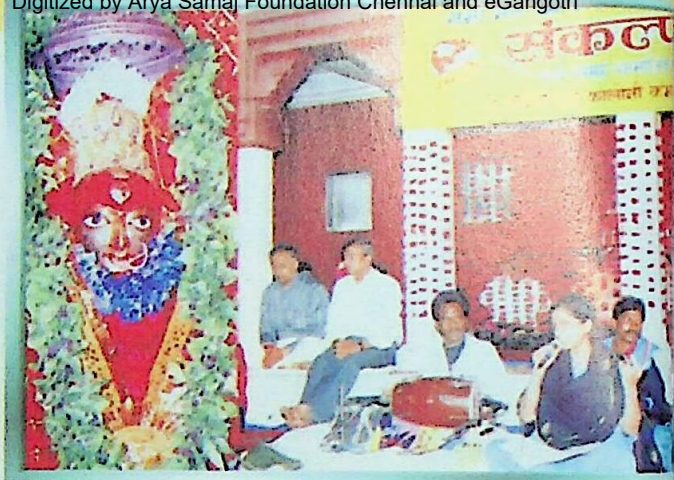
विश्वशान्ति की कामना से दुर्गा कुण्ड स्थित दुर्गा मन्दिर में संकल्प द्वारा माँ के दिव्य श्रृंगार का दृश्य एवं संस्था द्वारा आयोजित भजन संध्या में भजन प्रस्तुत करती डा० रेवती साकलकर
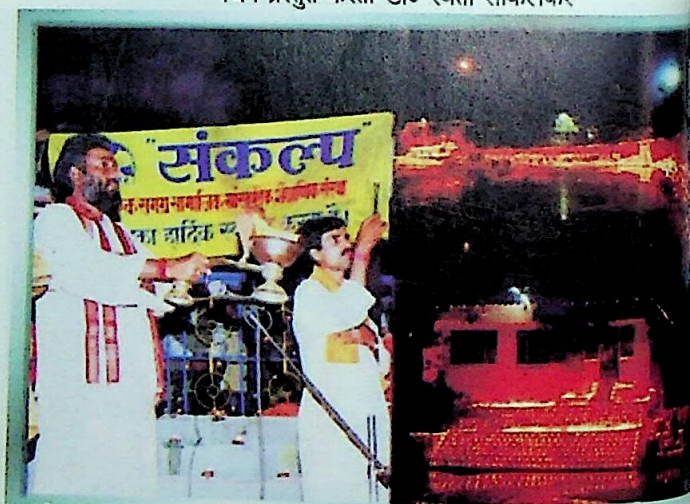
लक्सा, वाराणसी स्थित रामकुण्ड पर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर संकल्प द्वारा कराई गई भव्य आरती एवं घाट पर दीपों से की गई भव्य सजावट

तिब्बती धर्मगुरु करमापा जी का अभिनन्दन करते संकल्प के पदाधिकारी अनिल जैन, रमेश चन्द्र अग्रवाल व पंकज अग्रवाल
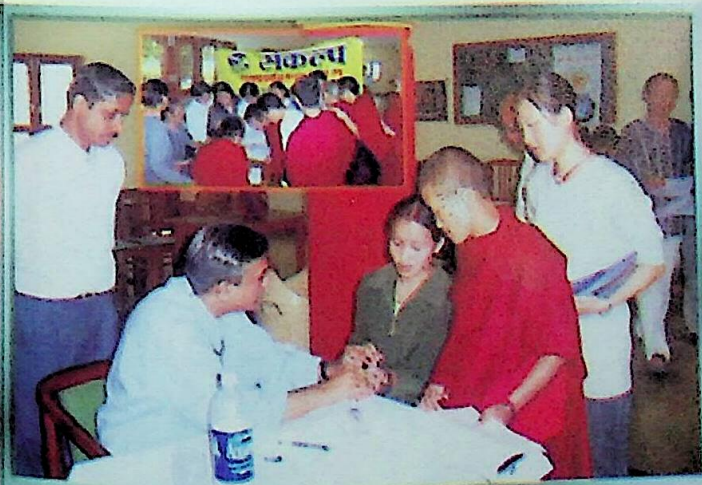
केन्द्रीय तिब्बती संस्थान, सारनाथ में आयोजित संकल्प के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विद्यार्थियों का परीक्षण करते डा० अश्विनी जैन इनसेट में परीक्षण हेतु पंजीकरण कराते छात्र-छात्राएँ

महाबोधि सोसायटी आफ इण्डिया के अध्यक्ष प्रमुख उद्योगपति
डा० बी० के० मोदी को सम्मानित करते संकल्प के पदाधिकारी

माँ शारदा भवन पिशाचमोचन स्थित अपाला कन्या वनवासी छात्रावास
की छात्राओं हेतु यूनिफार्म देते संस्था के संरक्षक अनिल जैन

वाराणसी प्रेस क्लब एवं संकल्प के संयुक्त तत्वावधान में पराड़कर भवन में आयोजित कार्टून कार्यशाला में कार्टून बनाते प्रतिभागी कलाकार

संकल्प एवं कृति संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शीतकालीन कला प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ करते अनिल जैन एवं डा० विनय पाठक

कार्टून कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए
वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष राघवेन्द्र चड्ढा

मनोरंजन कांजिलाल स्मृति कार्टून कार्यशाला के पुरस्कार वितरण समारोह
आयोजित प्रदर्शिनी का दृश्य एवं काटूनिष्ट श्री विनयकुल को सम्मानित
विधायक श्यामदेव राय चौधरी

प्रख्यात संगीतकार को सम्मानित करते अनिल जैन एवं बटुक भैरव मन्दिर के व्यवस्थापक श्री भास्करपुरी एवं राकेश पुरी

वाराणसी के जिलाधिकारी श्री धर्मसिंह यादव को संस्था के बारे में जानकारी देते अनिल जैन

कार्टून कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए
वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष राघवेन्द्र चड्ढा

मनोरंजन कांजिलाल स्मृति कार्टून कार्यशाला के पुरस्कार वितरण समारोह
आयोजित प्रदर्शिनी का दृश्य एवं कार्टूनिष्ट श्री विनयकुल को सम्मानित
विधायक श्यामदेव राय चौधरी

प्रख्यात संगीतकार को सम्मानित करते अनिल जैन एवं बटुक भैरव मन्दिर के व्यवस्थापक श्री भास्करपुरी एवं राकेश पुरी

वाराणसी के जिलाधिकारी श्री धर्मसिंह यादव को संस्था के बारे में जानकारी देते अनिल जैन

स्वामी हरगोविन्द जी के उद्‌गार

बीते वर्ष काशी में सम्पन्न हुई श्रीकृष्ण गौरांग लीला के संयोजक वृन्द अवस्थित स्वामी हरगोविन्द जी की काशीवास की अनुभूतियाँ सुखद इलेक्ट्रानिक धार्मिक चैनलों के प्रसारणों में मर्यादा क्षरण से आहत स्वामी जी गौरांग लीला में काशी में सम्पन्न हुए कार्यक्रम को आयोजन व प्रबन्धन नजरियों से सुखद व उत्साहवर्द्धक बताया।

स्वामी हरगोविन्द जी का इस बारे में स्पष्ट मत है कि धर्म सम्बन्धी कि आयोजन में, उसके प्रचार-प्रसार में धर्म की मर्यादा एवं स्थापना का उल्लंघन को आघात देने वाला होता है। स्वामी जी कहते हैं कि धर्म एवं आस्था के हास्यास्पद या अशोभनीय आचरण नहीं किया जाना चाहिए। उनका कहना है धर्म, समाज के हित के लिए है। अहित वाला आचरण कर धर्म को समाजवि बताने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। धार्मिक कार्यक्रमों का प्रसारण क वाले इलेक्ट्रानिक चैनल धर्म सम्बन्धी स्थापित आदर्श मान्यताओं को उपे करते हैं जो शोभनीय नहीं है। स्वामी जी ने काशी में आयोजित २१ दिव श्रीकृष्ण गौरांग लीला में मर्यादा पालन एवं आचरण की शुद्धता के लिए आयोज को साधुवाद दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में होने वाले धा आयोजन के आयोजकों द्वारा वाराणसी में श्रीकृष्ण गौरांग लीला में किये आचरण का अनुसरण करना चाहिए। उल्लेख्य है कि काशी में टाउनहाल मैदान में कृष्ण गौरांग लीला का आयोजन हुआ जो 12 जुलाई 2004 को प्रा होकर 1 अगस्त 2004 को पूर्ण हुआ।

❑

श्री कृष्ण लीला एवं श्री गौरांग लीला

१२ जुलाई २००४ से १ अगस्त २००४ तक

राह चाहे हो भयंकर
विकराल हो वायु का स्तर
बस प्रतिज्ञा है यही हमारी
हम सतत चलते रहेंगे
हम सतत चलते रहेंगे।

नगर की सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक संस्था संकल्प ने महिला कला प्रशिक्षण के तीनों शिविरों के उपरान्त भी हम सतत चलते रहेंगे, की प्रतिज्ञा से बद्ध हो दिनांक १२ जुलाई २००४ से १ अगस्त २००४ तक के लिए २१ दिवसीय व्रत ले ही लिया। यह व्रत था श्री कृष्ण एवं श्री गौरांग लीला का आयोजन।

इस लीला के उद्देश्य में संकल्प के संरक्षक श्री अनिल जैन ने स्पष्ट रूप से अपने विचार व्यक्त किये कि भगवान कृष्ण की लीला समूचे भारत को भावात्मक एकता से जोड़ती है। पाश्चात्य संस्कृति के प्रति बढ़ते आकर्षण को रोकने का एक यही तरीका है कि लोग अपनी संस्कृति को पहचानें। वर्तमान पीढ़ी का अस्थिर चित्त एक विशेष प्रश्न है। उसका समाधान हमें अपनी पुरातन संस्कृति में ही प्राप्त होगा। इसी विचार को व्यावहारिक रूप प्रदान करने की दृष्टि से नगर के मध्य स्थित सार्वजनिक स्थल टाउनहाल के मैदान में बने भव्य पण्डाल में २१ दिवसीय श्री कृष्ण एवं गौरांग लीला का शुभारम्भ हुआ। उक्त लीला का

उद्घाटन १२ जुलाई २००४ को वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक माननी देवराज नागर जी ने किया। इस अवसर पर आई. जी. जोन देवराज नागर जी ने कहा कि पाश्चात्य सभ्यता के अन्धानुकरण के दौर में ऐसे आयोजन से भारतीय संस्कृति को मजबूती मिलती है। लीलाएँ संस्कृति को समृद्ध करती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्कृति की अच्छी बातों को ग्रहण करना अच्छी बात है किन्तु हमें उस संस्कृति के दुर्गुणों को त्याग देना चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि काशी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री अरविन्द कुमार अग्रवाल ने कहा कि वासना से रहित निष्काम प्रेम से बढ़कर कोई धर्म नहीं। गोपाल मन्दिर के

महन्त वैष्णव सम्प्रदाय के षष्ठपीठाधीश्वर गोस्वामी श्याम मनोहर महाराज ने आशीर्वचन देकर दर्शकों को आनन्दित किया। लीलाकार स्वामी हरगोविन्द जी महाराज तथा उनके ३५ लीलाधर्मी सहयोगियों ने भगवान की अद्भुत लीलामय झाँकियाँ प्रस्तुत कीं। श्री हरगोविन्द जी ने विचार व्यक्त किया कि इस लीला और इलेक्ट्रानिक लीला में साफ अन्तर यह है कि इलेक्ट्रानिक लीलाएँ जहाँ सिर्फ मनोरंजन परोस रही हैं वहीं यह लीला हृदयरंजन भाव के साथ संस्कृति, संस्कार और भक्ति परम्परा एवं साथ-साथ स्वस्थ मनोरंजन भी है। उन्होंने कहा कि उनकी लीलाएँ सदैव संस्कारवान सन्तान निर्मित कर देश का भविष्य संवारने का काम कर रही हैं। उनका विचार है कि हमें इस लीला में संस्कृति, संस्कार और भक्ति तीनों एक साथ दिखाई देंगे। यह लीला संस्कार व परम्परा के पोषण का कार्य करेगी। राम और कृष्ण की लीला का मकसद देश की संस्कृति को बचाए रखना है।

श्री हरगोविन्द जी महाराज ने स्पष्ट कहा कि श्री गौरांग लीला व श्रीकृष्ण लीला में अन्तर यह है कि गौरांग लीला का सन्देश है कि दुष्टों को सजा न देकर उनकी दुष्टता को दूर करो। श्री कृष्ण का संदेश है कि दुष्टों का दलन करो। गौरांग प्रभु श्री कृष्ण के ही अवतार हैं मगर उनमें दया, करुणा का भाव अधिक है। वह दुष्टों और अपराधियों का संहार करने के बजाय उन्हें गले लगा लेते हैं। वह अवतारों में पूर्णरूप हैं लेकिन कहीं भी उन्होंने खुद के परमेश्वर होने का दावा नहीं किया है। राम या कृष्ण ने खुद को परमेश्वर बताया लेकिन गौरांग प्रभु ने नहीं। उनकी लीला भक्त की लीला है।

जन्म हुआ कान्हा का, आनन्दित हुए जन-जन। नारायण का अवतरण अकारण नहीं हुआ। प्रभु तो साधुओं के हितार्थ व पापियों के विनाश हेतु अवतरित हुए हैं। संत तुलसीदास जी ने मानस में व्यक्त किया है—जब-जब होंहि धरम की हानी, बाढ़हिं असुर महाअभिमानी। तब-तब धीर प्रभु मनुज सरीरा। हरहिं कृपानिधि सज्जन पीरा। गीताकार भी यदा-यदा ही धर्मस्य... कहकर इसी भाव की पुष्टि करते हैं। नारायण के आगमन के साथ राक्षसों के विनाश का मार्ग प्रशस्त होता है। दुराचारी कंस का वध करके प्रभु ने पृथ्वी का भार हलका कर दिया। पूतनावध और शंकरलीला की प्रस्तुति ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस लीला ने (पूतनावध) यह स्पष्ट कर दिया कि छल से नारायण को प्रभावित करने वाले की मृत्यु ऐसी ही होती है। भगवान शिव की लीला ने लोगों को नारायणत्व और उदारता का जो परिचय दिया वह भी भक्तों को भक्तिमय करने के लिए अत्यन्त मनोहारी था क्योंकि उस लीला में भगवान शिव और कृष्ण के सम्बन्ध की पराकाष्ठा दिखाई गई।

कृष्ण की छठी पर बच्चों ने जिस आनन्द का अनुभव किया उसकी
सीमा न रही। वह आनन्द तो वर्णनातीत है। खिलौने, टॉफियाँ, बिस्कुट, गुड़ि
आदि विभिन्न उपहार प्राप्त कर बच्चे खिलखिला रहे थे। यह दृश्य तो देखते
बनता था। ब्रजवासी कलाकारों ने भगवान कृष्ण की माखन चोरी और मटकी
फोड़ लीला प्रस्तुत कर हजारों दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक सौ एक किलो
मक्खन का भोग लगाने पर पंडाल (नटखट कन्हैया की जय) के उद्घोष से गूँ
उठा। श्री कृष्ण के महारास का जिस खूबसूरती से दर्शन कराया गया वह
प्रत्येक रस की अनुभूति कराने वाला था।

उधर गौरांग लीला, वैराग्य लीला, आध्यात्मिक लीला रही जिसमें अवता
प्रयोजन की खूबसूरत लीला का मंचन किया गया। यमलार्जुन उद्धार, काली दह
मर्दन लीला, प्रदूषण से मुक्ति के लिए नागनथैया लीला आदि से दर्शक ऐसे मु
हुए कि जय श्री कृष्ण, जय श्री राधे के उद्घोष करने लगे। पूरा पंडाल उ
उद्घोष से गूँज उठा।

लीला रूपी सांस्कृतिक अनुष्ठान यश में स्वामी हरगोविन्द जी महारा
सम्भवतः भगवान के उस चरित्र को प्रतिस्थापित करते हुए चलना चाहते थे कि
राम से प्रिय राम का दास। भक्तिमती मीरा की लीला एवं भक्त शिरोमणि तुलसी
दास की लीला भी प्रधान थी जो ब्रजवासी बालकों ने खूबसूरती से प्रस्तुत की

श्री कृष्ण गौरांग प्रभु की लीला के दसवें दिन गौरांग प्रभु के भावपरिवर्त
की लीला को दर्शित किया कि गौरांग प्रभु सब कुछ भूलकर श्री कृष्ण कृ

संकीर्तन व कृष्ण तत्त्व की विवेचना करते हुए सभी को समझाते है कि सब कुछ पाने के लिए कृष्ण कृष्ण जपना ही पर्याप्त है। जहाँ कृष्ण नहीं होता वहाँ कुछ भी नहीं होता अर्थात जीव ही कृष्ण है और कृष्ण ही जीव है।

संकल्प के तत्त्वावधान में चल रहे श्री चैतन्य व श्री कृष्ण लीला के १२वें दिन शुक्रवार को सावन के महीने में बाबा विश्वनाथ की नगरी में श्रद्धालुओं ने

बरसाने की होली का आनन्द उठाया। साथ ही इत्र, गुलाबजल की होली ने माहौल को पूरी तरह रंग से सराबोर कर दिया। इस दौरान १२ ड्रम गुलाबजल

और दो कुन्तल गुलाब की पंखुड़िओं का प्रयोग किया गया। प्रत्येक जगह की होली की अपनी विशिष्टताएँ होती है। बरसाने की होली की विशेषता है कि प्रेम छलकता नहीं अपितु प्रेम की वर्षा होती है, प्रेमधारा बहती है।

श्री कृष्ण गौरांग लीला के तेरहवें दिन एक संकीर्तन शोभा यात्रा निका गई, इसमें कृष्ण-बलराम की अद्भुत स्वरूप जोड़ी से उभरते प्रभु नाम संकी से सारा आध्यात्म चेतन नजर आ रहा था और लोग श्रद्धानत होकर पुष्प वर्षा क रहे थे।

कृष्ण और सुदामा की मित्रता की लीला द्वारा यह सिद्ध कर दिया कि प्र जितना जिसको प्रदान कर देते हैं, यदि वह उतने में ही संतुष्ट है तो प्रभु उसे सम् बना देते हैं।

लीला के सत्रहवें दिन भक्त प्रहलाद के चरित्र का मंचन कर यह सि कर दिया कि पिता की निरंकुशता, निष्ठुरता के कारण भगवान को नृसिंह अवत लेना पड़ा। भक्त के लिए भगवान को किसी भी हद तक जाकर उसकी रक्षा कर पड़ती है। अर्जुन, कृष्ण के भक्त सखा थे जिसके लिए उन्होंने क्या नहीं किया अर्जुन का रथ भगवान कृष्ण ने ही संचालित किया था।

इक्कीस दिवसीय श्री कृष्ण एवं गौरांग लीला का समापन दिवस— कृष्ण ने गोपियों के साथ रास रचाया। श्री कृष्ण की दासी योग माया ने साम
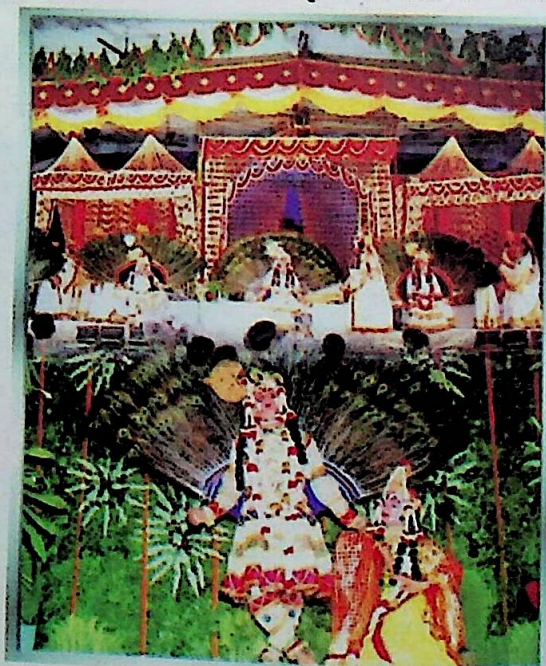
रात्रि को ब्रह्मरात्रि में बदलकर जिस भाव की, जो गोपी थी उसी भाव का कृष्ण बनाया और कृष्ण ने उसी भाव में गोपियों के साथ रासलीला की। यह समापन दिवस था २ अगस्त २००४। अधिक श्रावण मास की कृष्ण प्रतिपदा तिथि। महा अभियान का समापन। उपस्थित भक्तों का मन भारी था। विदा के पल असह्य थे। हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ कलाकारों का अभिवादन कर रहे थे। उन्हें विदा देनी ही पड़ी। विदा देते हुए हजारों हाथ हवा में लहरा रहे थे। ब्रज के लीलाधर्मी भी भारी मन से विदा हो गये।

समापन दिवस पर वेदान्त ज्ञान राज पंडित सार्वभौम भट्टाचार्य जो निर्गुणी थे—के उद्धार की लीला के साथ ही श्री कृष्ण गौरांग लीला का समापन हुआ। ज्ञान से भक्ति श्रेष्ठ है, सिद्ध कर महाप्रभु जगन्नाथ जी का दर्शन करते हैं—इसी के साथ लीला का समापन होता है।

विदाई के क्षण संस्था संकल्प के संरक्षक श्री अनिल जैन जी भावविभोर होकर कह रहे थे—मैं तो प्रभु लीला के मोह में लीला के विश्राम को विछोह मानकर मूक हो रहा हूँ। स्वामी हरगोविन्द जी ने लीला के सभी सहयोगियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर भारतेन्दु आकादमी की ओर से श्री राजेन्द्र द्विवेदी ने श्री अनिल जैन को सम्मानित किया किन्तु यहीं पर विराम नहीं हो सकता है।

कारण स्पष्ट है—

सतत चलते रहने की प्रतिज्ञा...

❑

माटी का दीया

माटी का दीया, माटी का तन
बाती है आत्मा, भाव है मन।
इस माटी पर गुमान क्यों करता है मन,
माटी में मिल जायेगा माटी का तन।
जीवित रह जायेगा बस प्रेम का निशान,
देश की माटी का रह जायेगा मान।
यदि हर नागरिक को हो जाये यह भान,
कि देश के माटी की लाज बचा सकता है सिर्फ इंसान।
सब मिलकर बोलो ! मेरा भारत महान...

घर में, पूजा की थाल में मिट्टी के दीया को देखकर मन में उपरोक्त भाव उठे और सहज ही यह जिज्ञासा जागृत हुई कि आज के आधुनिक भौतिकवादी युग में जबकि मोम के दीये, गैस की रोशनी व बिजली का प्रकाश सहज ही खटका दबाने मात्र से उत्पन्न हो जाता है, मिट्टी के दीये जिसको टूटने से बचाने के साथ घी, तेल या बाती का इन्तजाम करना पड़ता है, फिर भी आज वही प्रयोग में क्यों लाया जाता है।

घर में बड़ों ने जिज्ञासा शान्त करते हुए बताया कि दीपक ज्ञान, प्रकाश और उल्लास का प्रतीक है व मांगलिक कार्यों में इसका विशेष महत्व है । पूजा, मांगलिक व धार्मिक कार्यों में अखण्ड दीप का प्राविधान है । दीप, प्रकाश के साथ-साथ वातावरण को पवित्र करने का भी कार्य करता है । उन्होंने बताया कि अलग-अलग प्रकार के ईंधन से जलाये जाने वाले दीपकों की अलग-अलग प्रभावना होती है । कहते हैं कि दीपक सदैव घी एवं तेल का ही जलाना चाहिए। घृत दीप नेत्र रोग में फायदेमंद होता है व तिल के तेल के दीपक से

सूर्यलोक प्राप्त होता है । सरसों के तेल का दीपक शत्रु पर विजय मे
सहायक होता है । इसी प्रकार विभिन्न प्रकार के तेलों के दीपक के
अलग-अलग महत्व व लाभ हैं ।

यद्यपि समय के साथ-साथ दीपकों के लिए धातुओं का भी
प्रयोग होने लगा है, किन्तु मिट्टी के दीपक की शुद्धता व सोधापन का
अपना अलग महत्व है । यद्यपि मिट्टी का दीपक सर्वसुलभ व सबकी
पहुँच वाला माना गया है, किन्तु अब उस पर भी आधुनिकता का लेप
चढ़ गया है ।

माटी हमें अपनी धरती से जुड़े होने का संदेश देती है तो यह
भी बतलाती है कि धन, वैभव व सत्ता प्राप्त कोई भी नश्वर शरीर अन्त
में उसी मिट्टी में मिल जाता है और वही व्यक्ति अमर रह जाता है जो
अपनी माटी से जुड़कर उसी में पला-बढ़ा है व किसी स्तर की
भौतिकता की प्राप्ति के बाद भी जमीन से जुड़ा है ।

इस छोटे से माटी के दीये में कितना गूढ़ अर्थ छिपा है, यह इस
पर चिन्तन कर ही जाना जा सकता है । तात्पर्य यह है कि आधुनिकता
की दौड़ में हमें अपनी संस्कृति, सभ्यता व प्राचीनता को नहीं भूलना
चाहिए। तो आइये हम सब अपने देश के विकास, समृद्धि, भाईचारा,
प्रेम व सौहार्द्र के पथ को प्रशस्त करने के लिए इस दीपावली पर
''एक माटी का दीया' इस भावना के साथ जलाएँ—

''माटी का दीया, माटी का तन,
बाती है आत्मा, भाव ईंधन।''

अनिल कुमार जैन

इक्कीस दिन "संकल्प" के

समाज, शिक्षा, संस्कृति का
करना है उत्थान।
टूटती, बिखरती, बिलखती
देखी नहीं जाती अपनी संतान।
संस्कृति की सम्पदा से
करना है उत्थान।

'संकल्प' के मन में उपजा संकल्प। शिक्षा, समाज, संस्कृति चाहे कोई भी क्षेत्र हो सभी में कुछ नूतन प्रस्तुति करना है। उसने सर्वप्रथम समाज के उत्थान का मूल नारी को पकड़ा। प्रत्येक घर की कन्या के सर्वांगीण विकास का व्रत लिया। सर्वगुण सम्पन्न नारी क्या नहीं कर सकती। अत: २१ दिवसीय महिला कला प्रशिक्षण शिविर के आयोजन का निर्णय लिया। यह २१ दिनों का निर्धारण सम्भवत: २१ संख्या की शुभ मान्यता ही रही होगी। वर्ष २००१, २००२, २००३ में कुल तीन महिला कला प्रशिक्षण शिविरों ने 'संकल्प' को समाज में एक विशिष्ट स्थान प्रदान कर दिया।

जी नहीं भरा 'संकल्प' के प्रति समर्पित साथियों का। सोचा तनिक युवा पीढ़ी के अन्तर्मन में भी झाँककर देखें। उसके मन को भी परखा, पहचाना जाय। उसके तनावपूर्ण जीवन, चित्त अशान्ति, अस्थिरिता, अव्यावहारिकता, पुरातन संस्कृति से विमुखता, पाश्चात्य का अन्धानुकरण, उद्देश्यहीनता, खीझ आदि सभी कुछ पीड़ाप्रद है। कैसे जिये यह युवा पीढ़ी इस प्रश्न का उत्तर ढूढ़ निकालना होगा। प्राचीन और नवीन का सामंजस्य ही इनका मार्गदर्शन कर सकेगा।

इसी चिन्तन के आधार पर प्राचीन संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से २१ दिवसीय श्री कृष्ण एवं गौरांग लीला का आयोजन दिनांक १२-७-२००४ से १-८-२००४ तक किया गया। युवा वर्ग के भटके बिखरे मन को हम सस्नेह सद्मार्ग दिखाकर सम्हाल सकें—ऐसी आवश्यकता है। युवा के मन की भूख है- स्थायी मूल्यों को प्राप्त करने की। त्रुटि हमारी है कि हम उनकी मानसिक भूख को

शान्त करने की दिशा में पीछे हैं। हमने अपनी भावी विभूतियों को पहचानने में विलम्ब किया है। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन भारत को भावात्मक एकता से जोड़ते हैं एवं अतीत को वर्तमान से सम्बद्ध करते हैं।

श्री कृष्ण एवं गौरांग लीला का मंचन इस प्रण्य कार्य में सहयोगी बनने में पूर्णतया सक्षम है। "परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्म संस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे" दुष्टों का दलन ही श्री कृष्ण के अवतार का कारण था। बाह्य शत्रु ही नहीं, अन्तर्मन की दुष्प्रवृत्तियाँ जो शत्रु से भी बढ़कर हमारा अहित कर रही हैं, उनका शमन अत्यन्त आवश्यक है। समाज को प्रगति के उच्चशिखर पर लाकर खड़ा किया जा सके एवं सुन्दर चरित्र का निर्माण हो सके। ऐसा तभी सम्भव होगा जब हमें उत्तम संस्कार प्राप्त हों। ये संस्कार हमारी पुरातन संस्कृति में भरे पड़े हैं। इसी संस्कृति का मंथन कर उससे प्राप्त अमृत हमें पिलाना है।

श्री कृष्ण लीला ऐसी लीला है, ऐसी क्रीड़ा है, जो क्रीड़ा द्वारा शिक्षा, खेल द्वारा शिक्षा के सिद्धान्त को दर्शाती है। सम्पूर्ण जीवन सहजभाव से जीकर हम समाज में पनपते अत्याचार, छलछद्म, दुष्प्रवृत्तियों का शमन कर सकते हैं। कृष्ण की माखन चोरी, माखनचोरी नहीं अपितु संग्रहीत धनधान्य खाद्य को एक साथ मिल-जुल कर वितरित कर ग्रहण करने की शिक्षा है। त्याग के साथ भोग करो का आदेश है।

रंगीली होली प्रत्येक के प्रति समभाव का प्रतीक है। पूतनावध से स्पष्ट है कि छल-छद्म द्वारा नहीं सच्चे प्रेम की पुकार सुनकर भगवान भक्त के पास दौड़े चले आते हैं। मन में कलुषभाव लेकर प्रभु के निकट जाने के प्रयास का परिणाम दुःखद ही होगा। इससे जीवन में सुख प्राप्त नहीं होते हैं।

कंस वध द्वारा स्पष्ट है कि दुष्टों के दलन के बिना समाज में सुख शान्ति सम्भव नहीं है। कालियनाग का मर्दन, शकतासुर भंजन, तृणावर्तवध, गोवर्धन धारण आदि अहं नाश की ओर हमें प्रवृत्त करते हैं। प्रत्येक स्थिति में श्री कृष्ण अपनी मोहक मुस्कान लिए ही दर्शन देते हैं। जिससे उनके इस मनोहारी रूप पर सभी मुग्ध रहते हैं।

श्री कृष्ण का चरित्र वर्तमान समाज को कर्म, ज्ञान, भक्ति, योग का सन्देश देकर प्रत्येक परिस्थिति में उत्तम रीति से जीने का मंत्र प्रदान करता है। कृष्ण ने मध्यम मार्ग का दर्शन करवाया है। निष्काम कर्म ही श्रेष्ठ है। जीवन जियो किन्तु अनासक्त होकर जियो। आशक्ति का त्याग अनिवार्य है। जल में कमलवत जीना ही श्रेयस्कर है। "सुखे दुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ तथा कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" ये गीता दर्शन, जीवन दर्शन, जीवन कला की शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। कृष्ण का अर्जुन का सारथि बनना युधिष्ठिर के यज्ञ में लोगों के पाँव पखारना एवं जूठी पत्तलें बटोरना अपनी ही जाति के लोगों का अभियान नष्ट करना था। कोई भी कार्य अच्छा या बुरा नहीं होता। कर्म जिस भाव से किया गया है उसी भाव के आधार पर उस कर्म का अच्छा या बुरा होना निर्णीत होता है। सच तो यह है कि किसी भी कार्य से कोई छोटा या बड़ा भी नहीं होता है। कर्तव्य एवं अकर्तव्य का बोध हमें हमारी संस्कृति ही सिखाती है। अहं का त्याग कर सरल जीवन व्यतीत करने वाला व्यक्ति ही महान बनता है। अनुशासित व कर्तव्यपरायण व्यक्ति को अपनी मंजिल शीघ्र प्राप्त होती है।

कृष्ण चरित्र अतृप्त मानस युवा को शान्त करने का शीतल जल है। उसकी अस्थिरता टूटे बिखरे मन को स्थिर करने की सर्वोत्तम विधि है। संस्कृति की सम्पदा को परोसकर समाज की भटकती सन्तान की मानसिक क्षुधा को तृप्त करने का सराहनीय प्रयास है। संकल्प का यह प्रशंसनीय प्रयास है। कृष्ण के मुख से बिखरती हुई मोहक मुसकान मन का रंजन करती हुई सद्मार्ग की ओर प्रेरित करती है तो कभी मर्यादा पुरुषोत्तम राम का दर्शन भी समाज के असंतुलित मन को स्वस्थ बनाने की औषधि बनेगा। अतः इस प्रकार के अनुष्ठान पुनः-पुनः किये जाने चाहिए।

—डा० त्रिवेणी खत्री 'अर्पिता'

❑

क्षय रोगियों के लिए वरदान–अद्‌भुत अभियान

क्षयमुक्त काशी – निरोग काशी

काशी, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं शिक्षा के रूप में विश्वप्रसिद्ध है। उदात्त एवं जीवन्त जीवन–शैली यहाँ का ट्रेडमार्क है। अति सहजता से मानव कल्याण में सेवादान, अर्थदान द्वारा बड़े–बड़े कार्य कर गुजरना ही शायद यहाँ की परम्परा है। सामाजिक तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा से जुड़ी संस्थाएँ और धर्मार्थ चिकित्सालय आदि कल्याणकारी संस्थाएँ भी इतनी संख्या में यहाँ हैं कि एक ही शहर में शायद ही कहीं और हों। ये संस्थाएँ किसी बाहरी, शासकीय या अन्तर्राष्ट्रीय अनुदान से नहीं बल्कि यहीं के समाजिकों एवं व्यवसायियों के सहयोग से चलती हैं।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में ऐसा ही एक कार्यक्रम क्षयमुक्त काशी-निरोग काशी के नाम से संचालित है जो सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था संकल्प द्वारा प्रायोजित हैं। कार्यक्रम संयोजक श्री अनिल जैन के नेतृत्व में यह कार्यक्रम स्वयं में ही एक संस्था बन चुका है। चार वर्ष में लगभग १७२२ से भी अधिक क्षय-रोगियों को पूर्ण रूप से रोग मुक्त किया जा चुका है। ऐसे उत्कृष्ट कार्य को परिणाम दे पाना सचमुच अविश्वसनीय है।

क्षय–रोग एक छूतीला एवं भयंकर रोग है। अधिकांश रोगी समाज के निचले और अल्प आय वर्ग से आते हैं। रोग का इलाज खर्चीला एवं दीर्घकाल तक चलता है। आने वाले रोगी स्वयं कोई भी व्यय भार नहीं उठा सकते। इसीलिए बड़ी संस्थाएँ भी इस रोग में सहायता नहीं कर पातीं। यह कार्य करुण हृदय एवं सेवाकार्य हेतु दृढ़ इच्छा शक्ति वाला व्यक्ति ही कर सकता है। इसमें धन के प्रबंध में कुशलता और पूरा संगठन चातुर्य भी चाहिए।

प्रतिमाह/पखवारे क्षयमुक्त काशी का स्वास्थ्य शिविर लगता है। सैकड़ों नये एवं पुराने मरीजों का रोग परीक्षण एवं औषधि प्रमाण का आंकलन, विभिन्न आवश्यक पैथोलाजिक टेस्ट, अगले पन्द्रह दिन/महीने के लिए बिना मूल्य औषधि वितरण व्यक्तिगत निर्देश देना, आदि कार्य होते हैं। आठ–दस विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम, १०–१५ सहायक–सहयोगी स्टाफ तथा संस्था के समर्पित कार्यकर्ता इन शिविरों में भाग लेते हैं। कोई दिखावा और प्रचार का तामझाम नहीं होता। सब बड़ी लगन और सहजता से होता है। ऐसे संगठन के नायक श्री अनिल जैन अति विनय से इसका पूरा श्रेय अपनी पूरी टीम को देते हैं। सम्भवतः इसी विनय और मृदु स्वभाव के कारण उनसे जुड़ी हर संस्था में उन्हें सहयोगियों की कमी अब तक नहीं पड़ी।

इस कार्यक्रम में बिना किसी धार्मिक भेदभाव के मानव कल्याण को सर्वोपरि मान कर सेवा कार्य किया जाता है यह स्वयं में प्रेरणाप्रद है। जिसमें लगभग ४० से ५० प्रतिशत गरीब-मुसलमान हैं और सभी कर्मी हिन्दू। एक तरफ मांसाहारी मुसलमान और दूसरी तरफ चीटी एवं क्षुद्र जीवों को भी कष्ट न देने वाले अहिंसा व्रती जैन एवं सनातन हिन्दू वैश्य। धार्मिक कट्टरता को जेहाद या धर्मयुद्ध समझने वालों को प्रेरणा लेना चाहिए कि मानव धर्म से ऊपर कुछ नहीं। इस दर्शन को प्रतिविम्बित करने वाली संस्था, इसके संयोजक श्री अनिल जैन एवं उनकी पूरी टीम को साधुवाद। हजारों पीड़ितों एवं उनके परिवार जनों के जीवन में जो आशा का संचार हुआ है वह अकल्पनीय था। यह एक ईश्वरीय कार्य है लाभान्वित परिवारों की दुआएँ अवश्य ही सभी का कल्याण करेंगी और उन्हें साम्मर्थ्यवान बनाएंगी। श्री अनिल जैन के प्रति रोगियों का भाव एक मुक्तिदाता, मसीहा जैसा है।

रोग सभी के लिए कष्ट दायक होते हैं और लोगों को रोग मुक्त करने के लिए प्रयास किये जाने चाहिए। आजकल एड्स के रोकथाम के नाम पर जितना दिखावा एवं प्रचार हो रहा है वह सेवा कार्य नहीं है। बच्चों का प्रभात फेरी या रैली निकालना बड़े होटलों में सेमिनार करना यह रोग से लड़ाई का ढंग नहीं। क्षय-रोग और कुपोषण दूर करना व्यक्तिगत नहीं बल्कि समाज का कार्य है। अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएँ स्वार्थवश आधे भारत को आंकड़ों में एच.आई.वी पॉजिटिव सिद्ध करने में लगी हैं। आंकलन के अनुसार ३० करोड़ भारतीय कुपोषित हैं। जिनमें कुपोषित १० प्रतिशत रोगों को जन्म देता है और शरीर की रोग प्रतिरोग क्षमता नष्ट करता है।

श्री अनिल जैन ने व्यक्तिगत परिचर्चा में बताया कि अगला लक्ष्य कुपोषण के प्रति जन जागरूकता भी है। क्षय-रोग से और बेहतर तरीके से लड़ा जा सके इस हेतु वे एक आधुनिक हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर खोलने के इच्छुक हैं। कुपोषण, अभाव व अज्ञानता दोनों से होते हैं। उनकी इच्छा है कि अल्प आय वर्ग वाले लोग, बच्चे एवं महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। सचमुच यह क्षयमुक्त काशी के दूसरे क्षय निरोग काशी अभियान को पूरा करेगा। एक बार पुनः ऐसा शुभ संकल्प लेने के लिए साधुवाद एवं शुभकामनाएँ ! ईश्वर जैन जी को सुखी और दीर्घजीवी करें।

विनय कुमार श्रीवास्तव

मन के झरोखे से

उसके जीवन का आरम्भिक दौर ही आपदाओं से भरा हुआ था। माता-पिता बचपन में ही अकेला छोड़ गये। दुनियावी जीवन निपट अकेला रहा। मानना पड़ेगा कि २५ अगस्त १९२७ को पश्चिम बंगाल के एक गाँव में जन्म लेने वाला बालक अपनी प्रतिभा और लगन के बल पर अपनी राहें बनाता आगे बढ़ता गया। उसकी प्रतिभा और लगन का नतीजा बाद में पूरे देश के सामने आया।

देश के प्रथम राष्ट्र पति डा० राजेन्द्र प्रसाद ने सन १९५७ में चित्रकार अरूपदास को राष्ट्र पति पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। और इसी के साथ सम्मानित हो गया अनाथ बचपन, कलाकार का आत्मविश्वास, प्रतिभा और लगन। कलाकार अरूप दास दिल्ली स्थित एडवारटाइजिंग एण्ड विजुअल पब्लिसिटी एण्ड ब्राडकास्टिंग डिपार्टमेन्ट में निदेशक रहे। सन १९५२ से निदेशक के रूप में काम करते हुए कलाकार दास सन १९८५ में सेवानिवृत्त हुए। पर उनकी कला साधना जारी रही। अनेकों बार श्रीदास की कलाकृतियों की प्रदर्शनी देश-विदेशों में आयोजित की गयी। उनकी पत्नी श्रीमती शुक्ला दास जिन्हें वे अपने लिए प्रेरणास्रोत मानते व बताते रहे, बताती हैं कि श्रीदास दार्शनिक प्रवृत्ति के साहित्यिक रुचि वाले व्यक्ति थे। उनकी तूलिका तभी रुकती रही जब कलाकृति अपना स्वरूप ग्रहण कर लेती। सन १९८५ में एडवरटाइजिंग एण्ड विजुअल पब्लिसिटी एण्ड ब्राडकास्टिंग डिपार्टमेन्ट के निदेशक पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी विराम नहीं करने वाले कलाकार अरूप दास के जीवन को २ जून २००४ को पूर्ण विराम लग गया। इसी के साथ प्रतिभा, लगन व जीजिविषा का प्रामाणिक उदाहरण कलाकार अरूप दास अपनी यादें और कलाकृतियाँ छोड़ हमारे बीच से विलुप्त हो गया। अब उनकी पत्नी श्रीमती शुक्ला दास अपने पति के छूटे या छोड़ गये कामों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। समाज को स्वस्थ एवं सबल बनाने के लिए काम आना उसी सोच का हिस्सा है।

—डा० त्रिवेणी खत्री 'अर्पिता'

काशी के प्रसिद्ध मन्दिर

१. श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर, विश्वनाथ गली
२. शनिदेव मन्दिर, विश्वनाथ गली
३. अन्नपूर्णा मन्दिर, विश्वनाथ गली
४. भगवान वृहस्पति मन्दिर, दशाश्वमेध
५. सत्यनारायण मन्दिर, ज्ञानवापी
६. माँ संकठा जी, संकठा गली, ठठेरी बाजार
७. गोपाल मन्दिर, चौखम्भा
८. महामृत्युंजय मन्दिर, हरतीरथ
९. राधा-कृष्ण मन्दिर, हरतीरथ
१०. केदारेश्वर मन्दिर, केदार घाट
११. साम्राज्येश्वर पशुपतिनाथ मंदिर (नेपाली मंदिर), ललिताघाट
१२. काल भैरव मन्दिर, भैरोनाथ
१३. बटुक भैरो मन्दिर, कमच्छा
१४. लाट भैरो, सरैया
१५. माँ कामाख्या देवी मन्दिर, कमच्छा

१६. जगन्नाथ मन्दिर, अस्सी
१७. माँ दुर्गा मन्दिर, दुर्गाकुण्ड
१८. तुलसी मानस मन्दिर, दुर्गाकुण्ड
१९. संकट मोचन मन्दिर, संकट मोचन
२०. काशी विश्वनाथ (बिड़ला) मन्दिर, बी०एच०यू०
२१. बड़ा गणेश, लोहटिया
२२. भारत माता मन्दिर, विद्यापीठ
२३. वाग्देवी मन्दिर, संस्कृत विश्वविद्यालय
२४. माँ महालक्ष्मी मन्दिर, लक्ष्मीकुण्ड
२५. सारनाथ (ऐतिहासिक स्थल एवं बौद्ध मन्दिर) सारनाथ
२६. जापानी मन्दिर, सारनाथ
२७. सारंगदेव मन्दिर, सारनाथ
२८. माँ लक्ष्मी मन्दिर, सारंग तालाब
२९. वाराही देवी, मीरघाट
३०. विशालाक्षी देवी, ललिताघाट गली

जैन तीर्थस्थल, वाराणसी

दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला

1. श्री बिहारी लाल दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला, मैदागिन, वाराणसी फोन-2334980
2. श्री दिगम्बर जैन पंचायती मन्दिर, ग्वालदास शाह लेन।
3. श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, भदैनी घाट, वाराणसी.
4. स्यादवाद महाविद्यालय, भदैनीघाट.
5. बाबू छेदी लालजी श्री सुपार्श्वनाथ दि. जैन मन्दिर भदैनीघाट (यहाँ 7 तीर्थंकर श्री 1008 भगवान सुपार्श्वनाथ जी के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान चार कल्याणक हुए हैं।)
6. श्री सन्मती दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला, नरिया, लंका
7. श्री गणेशवर्णी शोध संस्थान, लंका.
8. श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, खोजवाँ
9. श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला, भेलूपुर, वाराणसी फोन-2275892
   (यहाँ 23 वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान सुपार्श्वनाथ जी के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान राज चार कल्याणक हुए हैं।)
10. श्री खड्गसेन उदय राज दिगम्बर जैन मन्दिर, भेलूपुर, वाराणसी फोन-2276318
11. श्री श्रेयांस नाथ दिगम्बर जैन मन्दिर व धर्मशाला, सारनाथ (यहाँ 11वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान श्रेयांश नाथ जी के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान चार कल्याणक हुए हैं। यहाँ पर बुद्ध मन्दिर भी है।)
12. श्री चन्द्र प्रभु दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, चन्दपुरी फोन-227589 (यहाँ 8 वें तीर्थंकर श्री 1008 भगवान चन्द्र प्रभु जी के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान चार कल्याणक हुए हैं।)
13. दिगम्बर जैन मन्दिर, हाथी बाजार
14. दिगम्बर जैन मन्दिर, मुगलसराय. फोन-955412-256649
15. दिगम्बर जैन मन्दिर, शाहाबाद. फोन-2634219
16. चैत्यालय हीरे की प्रतिमा दि. जैन मन्दिर, भाट की गली
17. चैत्यालय खड़क सेन उदय राज, राजादरवाजा

काशी के प्रमुख घाट

१. राजेन्द्र प्रसाद घाट
२. दशाश्वमेध घाट
३. शीतला घाट
४. ललिता घाट
५. चेतसिंह घाट
६. कर्नाटक स्टेट घाट
७. शिवाला घाट
८. हरिश्चन्द्र घाट
९. केदार घाट
१०. भदैनी घाट
११. तुलसी घाट
१२. गंगा महल घाट
१३. अस्सी घाट
१४. मीरघाट
१५. मणिकर्णिका घाट
१६. सिन्धिया घाट
१७. पंचगंगा घाट
१८. राम घाट
१९. भैंसासुर घाट
२०. राजघाट

काशी के कुण्ड व सरोवर

१. सूरजकुण्ड, औरंगाबाद २. लक्ष्मीकुण्ड, लक्सा ३. रामकुण्ड, श्रीनगर कालोनी ४. दुर्गाकुण्ड, दुर्गाकुण्ड ५. पिशाचमोचन कुण्ड, पिशाचमोचन ६. पितरकुण्ड, पितरकुण्डा ७. लोलार्क कुण्ड, भदैनी ८. विष्णु कुण्ड, मणिकर्णिकाघाट ९. संकुलधारा सरोवर, संकुलधारा १०. रामकटोरा कुण्ड, रामकटोरा

काशी के प्रमुख व्रत, त्यौहार एवं मेला

१. शिवरात्रि २. नागनथैया, अस्सीघाट ३. कटहरिया मेला ४. नकटैया, चेतगंज ५. भरत मिलाप, नाटी इमली ६. रामलीला, रामनगर ७. देव दीपावली, दशाश्वमेध घाट ८. सावन का मेला, दुर्गाकुण्ड रोड ९. कजरी १०. गणेश चतुर्थी ११. नागपंचमी १२. गंगा दशहरा १३. रथयात्रा मेला, रथयात्रा।

(Inforce From 1 September 2004)

TRAINS FROM VARANASI CANTT

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
10.45	11.05	1028	Daily	Gorakhpur Lokmanya Tilak(T) Kashi Exp.	Daily	1027	12.30	13.00
—	04.00	1032	3	Varanasi-Pune Exp.	2	1031	21.25	—
03.30	04.00	1034	5	Darbhanga-Pune Exp.	4	1033	21.25	21.35
—	15.50	1072	Daily	Kamayani Exp. LOkmanya Tiak(T) via-Bhopal	Daily	1071	19.25	—
—	11.30	1094	Daily	Mahanagri Exp. (VNS-Mumbai CST	Daily	1093	04.30	—
—	14.05	1108	Daily	Bundelkhand Exp. (VNS-Gwalior)	Daily	1107	10.25	—
21.15	21.30	1452	1	Deeksha Bhumi Exp. (Gaya-Nagpur)	7	1451	04.45	05.00
—	20.25	2166	2,5,7	Varanasi-Lokmanya Tiak(T) Exp.	2,5,7	2165	08.10	—
21.15	21.25	2317	3,7	Akal Takhat Exp. (Sealdah-Amritsar)	3,6	2318	01.55	02.05
21.15	21.25	2319	7	Matribhumi Exp. (Aasansol-Amritsar)	3	2320	01.55	02.05
19.40	19.50	2381	3,4,7	Poorva Exp. (Howrah-New Delhi)	2,3,6	2382	05.10	05.20
15.05	15.15	2391	Daily	Shamjivi Exp. (Rajgir-Patna-New Delhi)	Daily	2392	02.35	02.50
01.15	01.25	2435	3,7	Rajdhani Exp. (Guwahati-New Delhi)	4,7	2436	22.15	22.25
09.50	10.05	3005	Daily	Punjab Mail (Howrah-Amritsar)	Daily	3006	16.35	16.50
Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
				Punjab Mail (Howrah-Amritsar)	Daily	3006	16.35	16.50
		UP				DN		
02.00	02.10	3C13	3	Upasana Exp. (Hawrah-Dehradun)	5	3014	01.55	02.05
08.25	08.45	3049	Daily	Hawrah-Amritsar Exp.	Daily	3050	19.00	19.25
14.38	14.48	3073	3,6,7	Himgiri Exp. (Hawrah-Jammutawi)	1,2,5	3074	21.10	21.20
02.35	02.50	3151	Daily	Sealdah-Jammutawi Exp.	Daily	3152	01.30	01.40
06.20	06.35	3307	Daily	Ganga Satluj Exp. (Dhanbad-Firojpur)	Daily	3308	20.20	20.35
11.50	12.05	3413	2,5,7	Farakka Ex p (Malda Tawn-Bhiwani) via-sul.	2,4,7	3414	14.30	15.30
11.50	12.05	3483	1,3,4,6	Farakka Exp. (Malda Tawn-Bhiwani) via-Faz.	1,3,5,6	3484	15.15	15.30
11.30	11.45	4007	4,6	Sadbhavna Exp. (Muz-Delhi) via-Sultanpur	3,5	4008	09.10	09.25
11.30	11.45	4015	1,3	Sadbhavna Exp. (Raxaul-Delhi) via-Sultanpur	1,6	4016	09.10	09.25
11.30	11.45	4017	5	Sadbhavna Exp. (Muz-Faizabad-Delhi)	4	4018	10.05	10.20
—	04.55	4227	Daily	Varuna Exp (Varanasi-Lucknow)	Daily	4228	23.20	—
—	13.45	4257	Daily	Kashi Vishwanath Exp(Varanasi-New Delhi)	Daily	4258	06.00	—
—	08.30	4265	Daily	Varanasi-Dehradun Exp.	Daily	4266	18.40	—
—	17.20	4853	1,3,6	Marudhar Exp (Varanasi-Jodhpur) via-Faz	2,5,7	4854	09.30	—
—	18.15	4863	2,4,5,7	Marudhar Exp (Varanasi-Jodhpur) via-Sul.	1,3,4,6	4864	08.20	—
04.35	04.50	5004	Daily	Chauri Chaura Exp. (GKP-Kanpur)	Daily	5003	04.10	00.30
12.45	12.55	5008	Daily	Krishak Exp. (Lucknow-Gorakhpur-Manduadih)	Daily	5007	16.10	16.30

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
22.45	22.55	5103	Daily	Gorakhpur-Manduadih Intercity Exp.	Daily	5104	06.00	06.10
16.00	17.05	5105	4,7	Baidyanath Dham-Manduadih Exp.	3,6,7	5106	20.50	21.20
12.15	12.30	5160	Daily	Sarnath Exp. (Chhapra-Durg)	Daily	5159	16.10	17.00
14.45	15.00	5205	Daily	Lichchavi Exp. (Muz.-New Delhi)	Daily	5206	05.25	05.35
00.25	00.35	2561	Daily	Swatantrata Senani Exp. (Darbhanga-New Delhi)	Daily	2562	08.45	08.55
23.20	23.35	5218	1,3,5,7	Pavan Exp. (Muz.-Lakmanya Tilak-T)	2,4,6,7	5217	14.45	15.00
23.20	23.35	5220	2,4,6	Pavan Exp. (Darbhanga-Lakmanya Tilak-T)	1,3,5	5219	14.45	15.00
—	17.35	6040	1,3	Ganga Kaveri Exp(Varanasi-Chennai)	1,3	6039	08.10	—
20.50	21.30	6360	2	Patna-Ernakulam Exp.	2	6359	04.45	05.00
20.50	21.30	7092	3,5	Rajendranagar-Patna-Secunderabad Exp.	3,5	7091	04.45	05.00
07.27	07.37	8475	1,3,6	Neelanchal Exp. (Puri-New Delhi)	2,5,7	8476	20.00	20.10
—	19.15	9046	2,3,4,5,6,7	Tapti Ganga Exp. (Varanasi-Surat)	1,2,4,5,6	9045	11.10	—
—	13.45	9168	2,5,7	Sabarmati Exp. (Varanasi-Ahmedabad)	1,4,6	9167	11.15	—
—	04.10	1VL	Daily	Varanasi-Faizabad-Lucknow Pass	Daily	2VL	22.50	—
—	05.20	1VPL	Daily	Varanasi-Pratapgarh-Lucknow Pass	Daily	2VPL	22.10	—
—	16.15	1SJV	Daily	Varanasi-Jaunpur-Sultanpur Pass	Daily	2SJV	10.35	—

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
17.30	17.40	1MF	Daily	Mughalsarai-Varanasi-Faizabad Pass.	Daily	2MF	08.50	09.05
—	04.25	302	Daily	Varanasi-Asansol Pass.	Daily	301	22.00	—
—	21.45	135	Daily	Varanasi-Bareilly Fast Pass.	Daily	136	07.05	—
—	07.25	2VM	Daily	Varanasi-Mughalsarai Pass.	Daily	1VM	09.15	—
—	18.10	4VM	Daily	Varanasi-Mughalsarai Pass.	Daily	3VM	20.20	—
—	11.05	548	Daily	Varanasi-Gorakhpur Pass.	Daily	547	22.00	—
06.05	06.55	549	Daily	Gorakhpur-Manduadih Pass.	Daily	550	22.30	22.48
11.00	—	551	Daily	Bhatni-Varanasi Pass.	Daily	552	06.45	07.00
19.30	19.45	553	Daily	Bhatni-Varanasi-Manduadih Pass.	Daily	554	13.30	13.45
21.20	21.45	555	Daily	Chhapra-Varanasi-Manduadih Pass.	Daily	556	04.25	04.55
—	06.15	557	Daily	Varanasi-Allahabad City Pass.	Daily	558	09.55	—
—	11.50	559	Daily	Varanasi-Allahabad City Pass.	Daily	560	15.00	—
—	17.30	561	Daily	Varanasi-Allahabad City Pass.	Daily	562	21.05	—
09.55	10.10	569	Daily	Ballia-Varanasi-Manduadih Pass.	Daily	570	15.50	16.00
09.20	09.30	571	Daily	Mau-Manduadih Pass.	Daily	572	18.20	18.30

TRAINS FROM MUGHALSARAI

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
03.22	03.32	1159	1,3,4	Chambal Exp. (Howrah-Gwalior)	2,4,6	1160	19.50	20.00
03.22	03.32	1181	6	Chambal Exp. (Howrah-Agra-Cantt)	1	1182	19.50	20.00
16.30	16.40	2142	Daily	Rajendra Nagar(T) Patna-Lokmanya Tilak(T) Exp.	Daily	2141	01.25	01.35
00.35	00.45	2301	Ex. 1	Rajdhani Exp. (Howrah-New Delhi) via-Gaya	Ex. 6	2302	02.10	02.20
20.30	20.40	2303	1,2,5,6	Poorva Exp. (Howrah-New Delhi)	1,4,5,7	2304	04.25	04.35
00.25	00.45	2305	1	Rajdhani Exp. (Howrah-New Delhi) via-patna	6	2306	02.10	02.20
09.50	10.10	2307	Daily	Howrah-Jodhpur Exp. (via-Gaya)	Daily	2308	16.50	17.10
00.50	01.05	2309	3,7	Rajdhani Exp. (Rajendra Nagar(T)-New Delhi)	1,5	2310	02.25	02.40
06.10	06.40	2311	Daily	Kalka Mail (Howrah-Delhi-Kalka)	Daily	2312	20.10	20.40
01.05	01.15	2313	Daily	Rajdhani Exp. (Sealdah-New Delhi)	Daily	2314	01.50	02.03
01.05	01.25	2315	7	Ananya Exp. (Sealdah-Ajmer)	2	2316	02.45	02.55
08.20	08.30	2321	Daily	Howrah-Mumbai Mail	Daily	2322	00.02	00.12
22.25	22.40	2401	Daily	Magadh Exp. (Islampur-New Delhi)	Daily	2402	07.40	08.00
00.55	01.05	2421	1,4	Rajdhani Exp. (Bhubaneshwar-New Delhi)	2,6	2422	02.25	02.35
00.40	00.55	2423	1,2,4,5,6	Rajdhani Exp. (Guwahati-New Delhi)	1,2,3,5,6	2424	23.05	23.20
01.45	01.55	2439	1,4	Rajdhani Exp. (Ranchi-New Delhi)	3,6	2440	01.42	01.52
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	Rajdhani Exp. (Bhubaneshwar-New Delhi)	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

01.45 | 01.55 | 2439 | 1,4 | Rajdhani Exp. (Ranchi-New Delhi) | 3,6 | 2440 | 01.42 | 01.52

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
16.40	17.00	2801	Daily	Purushottam Exp. (Puri-New Delhi)	Daily	2802	10.35	10.55
04.35	04.50	2815	2,4,5,7	Puri-New Delhi Exp.	1,3,4,6	2816	18.00	18.15
02.05	02.15	3007	Daily	Udaan Abha Toofan Exp. (Howrah-Sriganganagar)	Daily	3008	01.10	01.20
13.40	14.05	3039	Daily	Howrah-Delhi Janta Exp.	Daily	3040	11.55	12.10
12.15	12.25	3111	Daily	Lal Quila Exp. (Sealdah-Delhi)	Daily	3112	14.10	14.20
04.55	05.05	3201	Daily	Rajendra Nagar(T)-Lokmanya Tilak(T) Exp.	Daily	3202	03.50	04.00
18.45	19.05	3447	2,5,7	Bhagalpur-Dadar Exp.	1,3,5	3448	00.45	10.05
17.20	17.40	4055	Daily	Brahmputra Mail (Dibrugarh Town-Delhi)	Daily	4056	09.00	09.20
03.40	04.00	4083	Daily	Sikkim Mahananda Exp (N.Jalpaiguri-Katihar-Delhi)	Daily	4084	21.10	21.30
—	16.25	4307	Daily	Mgs.-Alld.-Luck.-Bareilly Pass./Exp.	Daily	4308	13.15	—
08.00	08.20	5621	Daily	North East Exp. (Guwahati-New Delhi)	Daily	5622	18.15	18.35
18.45	19.05	5646	1,4	Guwahati-Dadar Exp.	4,7	5645	00.45	10.05
18.45	19.05	5648	3	Guwahati-Dadar Exp.	6	5647	00.45	10.05
18.15	18.25	6596	4,6	Yesvantpur Patna-Sangha Mitra Exp.	4,6	6595	05.20	05.40
19.20	19.40	9048	1,4	Bhagalpur-Surat Exp.	3,7	9047	10.10	10.20
03.22	03.32	9306	2,5,7	Shipra Exp. (Howrah-Indore)	3,5,7	9305	19.50	20.00
22.40	—	741	Ex. 7	Gaya-Mugalsarai Fast Pass.	Ex. 7	742	—	04.00

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
22.00	—	721	Daily	Dildar Nagar-Mugalsarai Pass.	Daily	722	—	06.30
12.40	—	053Memu	Daily	Dehri-on-Sone-Mugalsarai Pass.	Daily	054Memu	—	15.45
15.30	—	465	Daily	Barkakana-Mugalsarai Pass.	Daily	466	—	08.30
06.55	—	525	Daily	Buxar-Mugalsarai Pass.	Daily	526	—	05.15
10.40	—	527	Daily	Buxar-Mugalsarai Pass.	Daily	528	—	08.20
20.55	—	529	Daily	Buxar-Mugalsarai Pass.	Daily	530	—	13.00
23.25	—	531	Daily	Buxar-Mugalsarai Pass.	Daily	532	—	21.45
12.50	—	567Memu	Daily	Buxar-Mugalsarai Pass.	Daily	568Memu	—	16.10

* 053 from April to June Mughalsarai Arri. 1 . 1 0

NOTE :

1. Day - 1st Man., 2nd Tue., 3rd Wed., 4th Thus., 5th Fri., 6th Sat., 7th Sun.
2. Please confirm the Day & Time before Journey
3. Phone Enquiry Varanasi Cantt - 2504031, 2504131, 2504231, Computer 1331 for UP 1332 for DN
   Reservation Enquiry Manual - 135 Reservation Enquiry Computerised : 1330 & 1335
   Enquiry Mughalsarai - 9119131 -255703 & 132

TRAINS FROM VARANASI

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
—	16.20	4203	Daily	Intercity Exp. Varanasi-Lucknow	Daily	4204	13.25	—
—	22.00	9570	6	Varanasi-Okha Exp.	6	9569	06.20	—
10.10	10.20	5636	2	Guwahati-Okha Exp.	7	5635	06.30	06.50
15.50	16.00	9322	1	Rajendranagar Indore Exp. via-Faz.	7	9321	11.40	11.50
22.45	23.05	5933	3	Dibrugarh-Amritsar Exp.	6	5934	17.25	17.45
15.20	15.45	8201	4,6	Durg-Gorakhpur Exp.	5,7	8202	18.25	18.55
00.45	01.05	8103	2,4	Jallianwaka Bagh Exp. (Tata-Amritsar)	4,6	8104	09.30	10.00
—	14.55	8612	Daily	Varanasi-Ranchi Exp.	Daily	8611	09.00	—
21.25	21.40	8610	5	Lokmanya Tilak (T)-Ranchi Exp.	2	8609	07.50	08.05
08.10	08.40	5109	3,5,7	Budhpurnima Exp. (Rajgir-Sarnath)	1,3,5	5110	20.30	21.00
12.35	12.45	3289	6	Archana Exp. (Rajendranagar-Jamutavi)	3	3290	01.10	01.20
—	18.30	3028	Daily	Vibhuti Exp. (Varanasi - Howrah)	Daily	3027	10.50	—
15.20	15.30	4523	1,4	Harihar Exp. (Sonpur-Ambala Cantt)	3,7	4524	15.30	15.45
15.50	16.00	9314	5	Rajendranagar-Indore Exp.-via Sul.	4	9313	11.00	11.50
—	09.25	3134	Daily	Varanasi-Sealdah Exp.	Daily	3133	22.20	—
03.30	04.00	5267*	7	Jan Sadharan Exp.-Muzaffarpur-LokmanyaTilak(T)	3	5268*	21.25	21.35
—	18.45	2559	Daily	Shiv Ganga Exp. (Varanasi-New Delhi)	Daily	2560	07.30	—

* Date of introduction to be announced later

TRAINS FROM MUGALSHRAY

Arri.	Dep.	Train	Days	Train Name	Days	Train	Arri.	Dep.
		UP				DN		
09.05	09.25	5632	5,7	Guwahati-Jodhpur / Bikaner Exp.	2,4	5631	00.45	01.05
22.40	22.50	2395	9	Ziyarat Exp. (Ragendra Nagar (T)-Ajmer)	5	2396	19.25	19.45
02.17	02.27	1038	1	Patna-Pune Exp.	7	1037	00.30	00.40
02.17	02.27	9050	4	Patna-Bandra (T) Exp.	3	9049	00.30	00.40
01.15	01.25	2817	1,4,6	Jharkhand Swarna Jayanti Exp. (Hatia-Delhi)	2,5,7	2818	06.40	07.10
05.00	05.20	2323	3,7	Howrah-New Delhi Exp.	1,4	2324	19.25	19.45
08.40	08.50	2985	6	Sealdah-Jaipur Exp.	5	2986	02.45	03.00
17.20	17.30	2397	Daily	Mahabodhi Exp. (Gaya-New Delhi)	Daily	2398	03.35	03.45
01.15	01.25	9149	5	Parasnath Exp. (Dhanbad-Ahmedabad)	4	9150	02.45	03.00

शहर के महत्वपूर्ण टेलीफोन नम्बर

अस्पताल

ईश्वरीय मेमो. अस्प. 2333705, 2212705, 2212711
कुष्ठ रोग आश्रम, पड़ाव 2332266
खैराती यूनानी अस्पताल (दालमण्डी) 2412295
गुरुनानक अस्पताल (कमच्छा) 2454839
जनता सेवा अस्पताल 2393238, 2321993
जामिया अस्पताल (पीलीकोठी) 2241318, 2508021
जन कल्याण अस्पताल (महमूरगंज) 2360063
डाकतार विभागीय दवाखाना 2414128, 2411200
दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल (अर्दली बाजार) 2342099
पब्लिक वेलफेयर अस्पताल (कमच्छा) 2400796
पंजाबी अस्पताल (सलारपुर) 2585177
बिरला अस्पताल (मच्छोदरी) 2330357
मेहता अस्पताल (रामघाट) 2401829
मारवाड़ी अस्पताल (गोदौलिया) 2420920, 2321456, 2392611
माता आनन्दमयी अस्पताल (शिवाला) 2310586
महर्षि दयानन्द सेवाश्रम (कश्मीरीगंज) 2313671
मातृ एवं शिशु कल्याण अस्पताल (जच्चा, बच्चा अस्पताल) 2414484
मौलाना आजाद बुनकर अस्पताल (बड़ी बाजार, रसूलपुरा) 2211917, 2330917
मानसिक चिकित्सालय (पाण्डेयपुर) 2344630, 2346856
मरियम सेवा समिति अस्पताल (फाटक शेख सलीम) 2393995
राजकीय अस्पताल (शिवपुर) 2282226
रेलवे अस्पताल (कैण्ट) 2222538
रामकृष्ण मिशन कौड़िया अस्पताल (लक्सा रोड) 2451727
वाराणसी अस्पताल 2276616, 2276617
श्री शिव प्रसाद गुप्त अस्पताल (कबीर चौरा) 2214723, 2317723
सर सुन्दरलाल अस्पताल 2307565
(बी.एच.यू.) 2316833, 2317050
हिन्दू सेवा सदन 2400356, 2400355
हेरिटेज हास्पिटल (लंका) 2368888, 2369991-96
सिंह मेडिकल एण्ड रिसर्च सेन्टर (तेलियाबाग) 2206047, 2202228
आई. एस. आई. (भेलूपुर) 2311219
लाल बहादुर (रामनगर) 2668522, 2668528
डी.एस. रिसर्च इन्सटीट्युट कैंसर सेन्टर 2313318
रेलवे कैंसर हास्पिटल 2220348
बनारस हार्ट सेन्टर 2224567
रमा मेडिकल केयर 2391526

एम्बुलेंस

श्री शिव प्रसाद गुप्त अस्पताल (कबीर चौरा) 2214723
सर सुन्दरलाल अस्पताल (बी.एच.यू.) 2276529, 2369033
इंडियन मेडिकल एसो. 2414197, 2414122
इंडियन रेडक्रास सोसायटी 2414304
नेत्र बैंक, बुलानाला 2333284, 2333272

ब्लड बैंक/आक्सीजन

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन 2414197, 2414122
श्री शिव प्रसाद गुप्त अस्पताल 2214720-23
लायंस शुभम (ऑक्सीजन) 2311272

दूरभाष विशेष सेवाएँ

टाइम 2174
रिंग टेस्ट 2161
पूछताछ 2197
दोष सुधार (शिकायत) 2198
सहायता एवं प्रात: जागरण 2199
टेलेक्स पूछताछ व शिकायत 2346788, 2342019

फायर ब्रिगेड

चेतगंज 101, 2414363
भेलूपुर 2277666

वाराणसी गैस (नदेसर)	2506792, 2346058
विकल्प गैस सर्विस	2318495
विकास गैस एजेन्सी (सुभाष नगर)	2221144
वैष्णव गैस सर्विस	2506821
सहगल गैस सर्विस (कमच्छा)	2455273
हर्ष गैस सर्विस (महमूरगंज)	2220405, 2360416
राहुल गैस सर्विस (लहरतारा)	2372555
रोहिणी गैस सर्विस (ककरमत्ता)	2317248
सारनाथ गैसेज	2361794, 2586860
इन्द्राणी गैस सर्विस (नेवादा)	2319645
हनुमान गैस सेवा (तेलियाबाग)	2207432

विद्युत आपूर्ति

नियन्त्रण कक्ष (विद्युत)	2454673
पूछताछ	2312298
बेनियाबाग	2415610
कैण्ट	2500108
दौलतपुर	2585581
मछोदरी	2333294
मंडुवाडीह	2370620
पाण्डेयपुर	2508029
तरना	2383558
काशी	2430526
का.हि.वि.वि.	2369291
गोदौलिया	2394019
चेतगंज	2394026
चौकाघाट	2202024
जगतगंज	2344096
टाउनहाल	2333360, 2333365
पन्ना लाल पार्क	2382400
भदैनी	2313728
भिखारीपुर	2316491
भेलूपुर	2401657
रामनगर	2668218
शंकुलधारा	2311181
सारनाथ	2385345
साहूपुरी	2339077
सिगरा	2358752

पुलिस थाने

आदमपुर	2431940
केन्द्रीय कक्ष, ज्ञानवापी	2393515, 2393588
कैण्ट	2503542
कोतवाली	2330653
चेतगंज	2354652, 2414652
चौक	2413777
जी.आर.पी (कैण्ट)	2507614
जैतपुरा	2211643
दशाश्वमेध	2412650
भेलूपुर	2393179
मंडुवाडीह	2370018
महिला थाना	2509168
रामनगर	2268234
रोहनियाँ	2370448
लक्सा	2400775
लंका	2366656
शिवपुर	2382030
सारनाथ	2595406
सिगरा	2220255

पुलिस विभाग

कन्ट्रोल रूम	2414150
आपात	100
नियंत्रण कक्ष (चेतगंज)	2414150, 2357120
नगर नियंत्रण कक्ष (चेतगंज)	2414228
जिला नियंत्रण कक्ष (पुलिस लाइन)	2500120
नियंत्रण कक्ष (ज्ञानवापी)	2393515
यातायात पुलिस	2341634
पुलिस लाइन	2502020
महिला सहायक प्रकोष्ठ	2342578
महानिरीक्षक	2501433, 2502800
उपमहानिरीक्षक	2509400, 2500399
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	2502644, 2502655
पुलिस अधीक्षक (नगर)	2414141, 2382415
पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण)	2502644, 2502561

सनबीम लहरतारा	2224973
सेन्ट जोसेफ कान्वेन्ट स्कूल, शिवपुर	2344623
सेन्ट मैरी कान्वेन्ट स्कूल, कैण्ट	2343117
सेन्ट जान्स स्कूल, मड़ौली	2370387

इण्टरमीडिएट

आर्य महिला इण्टर कालेज, चेतगंज	2350426
कटिंग मेमोरियल इण्टर कालेज, नदेसर	2344722
गोपीराधा बालिका विद्यालय, रवीन्द्रपुरी	2311707
चिन्तामणि एग्लो बंगाली इण्टर कालेज, भेलूपुर	2392196
जे. पी. मेहता इण्टर कालेज, कचहरी	2501125
डी.एल.डब्ल्यू इण्टर कालेज	2332760
बंगाली टोला इण्टर कालेज, पाण्डेहवेली	2455224
बल्लभ विद्यापीठ बालिका विद्यालय, भैरोनाथ	2331367
बसन्त कन्या इण्टर कालेज, कमच्छा	2323296
बसन्त कालेज, राजघाट	2331717
बसन्त थियोसॉफिकल हाईस्कूल, कमच्छा	2392114
बीरबल निकेतन, ईश्वरगंगी	2210656
राजकीय क्वींस कालेज, लहुराबीर	2200038
राजकीय कन्या इण्टर कालेज, फातमान रोड	2358813
लिटिल फ्लावर हाउस, नगवाँ	2311892
लिटिल फ्लावर हाउस, ककरमत्ता	2317009
लिटिल फ्लावर हाउस, भेलूपुर	2313385
श्री अग्रसेन कन्या इण्टर कालेज, टाउनहाल	2333483
श्री अग्रसेन महाजनी महाविद्यालय, चौखम्भा	2320260
श्री विपिन विहारी चक्रवर्ती कन्या इण्टर कालेज, रामापुरा	2323011
श्री हरिश्चन्द्र इण्टर कालेज, मैदागिन	2333870, 2332436
श्री हरिश्चन्द्र बालिका विद्यालय, मैदागिन	2333361
एग्लो बंगाली इण्टर कालेज	2392196
गुरु नानक खालसा	2400764
सनातन धर्म इण्टर कालेज	2418183
उदय प्रताप इण्टर कालेज	2382355
सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल	2328710
सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल, कमच्छा	2392049
सेन्ट मैरी स्कूल, नदेसर	2343353

स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी महाविद्यालय, मैदागिन	2414509
आर्य महिला डिग्री कालेज, चेतगंज	2351893
उदय प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भोजूबीर	2382403
डी.ए.वी. डिग्री कालेज, औसानगंज	2214438
बसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा	2451295
केन्द्रीय विद्यालय, बी.एच.यू.	2316486
केन्द्रीय विद्यालय, डी.एल.डब्ल्यू.	2317077
केन्द्रीय विद्यालय, गोरखा रेजिमेन्ट	2503347
बसन्त कालेज फॉरवीमेन, राजघाट	2331950, 2430587
हरिश्चन्द्र महाविद्यालय, मैदागिन	2440042, 2332042

विश्वविद्यालय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, लंका	2369401-09
तिब्बतियन विश्वविद्यालय, सारनाथ	2585242, 2585148
दारुल-उलूम यूनिवर्सिटी, रेवड़ी तालाब	
महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, स्टेशन रोड	2223160, 2221268
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, तेलियाबाग	2206364, 2203911
पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर	(955452) 263465, 262738

सहयोगी चिकित्सक

डॉ० अमित जौहरी

डॉ० सतीश चन्द्र अग्रवाल

डॉ० राजीव गुप्ता

डॉ० कौशल अग्रवाल

डॉ० मयंक अग्रवाल

डॉ० अनुराग अग्रवाल

पैथलॉजी के सहयोगी

डॉ० विनय पाठक

डॉ० संजय मेहता

डॉ० आर० के० मिश्रा

डॉ० संदीप सेन

रेडियोलॉजी के सहयोगी

डॉ० एन० पी० सिंह

डॉ० आर० एन० भार्गव

डॉ० समीर अग्रवाल

❑

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
CARDIOLOGIST				
Dr. Ashwani Jain	Maldahia	2411315	2392686	
Dr. Ashwani Tandon	Shivpur	2383535	2383535	
Dr. B. Chatterjee	Sonarpura	2410606		9415204704
Dr. K. P. Singh	Sigra		2224567	
Dr. O. P. Tiwari	Kamachha	2361673		9839043268
Dr. Pawan Jain	Jawahar Nagar	2277236	2311235	
Dr. P. N. Somani	Jawahar Nagar	2310755	2313107	
Dr. P. R. Sinha	Jawahar Nagar Ext.	2314889	2311359	
			2313100	
Dr. Rajeev Khanna	Rathyatra	2362592	2360696	9415269064
DENTIST				
Dr. J. L. Garg	Jangambari	2316646		
Dr. Jyoti Agrawal	Jawahar Nagar	2314306	2310306	
Dr. Manoj Srivastava	Bhagwandas Nagar	2226105		
Dr. Neelam Mittal	B. H. U.	2316595		
Dr. Rajesh Agrawal	Jawahar Nagar	2314306	2310306	

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
CHEST				
Dr. Amit Jauhari	Godowlia	2277716	2277348	9415225242
Dr. S. K. Agrawal	B. H. U.	2575675		9415228794
ENT				
Dr. Anil Srivastava	Fatman		2224269	
Dr. K. N. Mishra	Ramapura	2221986, 2221930	2401548	
Dr. M. K. Agrawal	B. H. U.	2367892		
Dr. P. K. Pal	Gurudham	2311548	2275746	
Dr. Rajeev Mishra	Ramapura	2221930	2401548	
Dr. S. N. Rai	Ordelybazar	2503636, 2524393	2343577	
Dr. U. C. Liu	Jangambari	2220671	2450538	
EYE				
Dr. Anand Sharma	Sigra	2358686	2360247	
Dr. Anurag Tandon	Nichi Bag	2359744, 2402240	2353915	
Dr. Awnindra Gupta	Godowlia	2311120		
Dr. Deepak Kumar	Kodai Ki Chowki	2415171		
Dr. H. Y. Neema	Karodi			
Dr. Nalini Nath	Godowlia	[illegible]	[illegible]	

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Rahul Chandra	Nati Imli	2207101, 2204049	2204331	9415222957
Dr. Rajesh Gupta	Luxa	2311386		
Dr. R. K. Ojha	Mahmoorganj	2316800	2362814	
Dr. Sangita Thakur	New Colony, Ravindrapuri	2311999	2314900	
Dr. Sanjay Thakur	New Colony, Ravindrapuri	2311999	2314900	
Dr. S. C. Gupta	Godowlia		2412022	
Dr. Shridhar	Bhadaini	2361656	2310608	
Dr. Shri Kant	B.H.U.	2316595		
Dr. Sunil Kumar Shah	Bulanala	2333272	2333284	
Dr. V. Thakur	Ravindrapuri	2311999	2314900	

CANCER

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. J. P. Srivastava	Cancer Research Institute.	2370361		
Dr. L. Sarangi	Cantt	2370361		

GENERAL PHYSICIAN

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
DrAnurag Chandra Agrawal	Karnghanta, Godowlia		2355794 2352977 2352977	9839304698
Dr. H. S. Bajpai	Brahma Nand Nagar	2314962		9415228650
Dr. J. K. Agrawal	B.H.U.	2369064, 2369342		

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
CHEST				
Dr. Amit Jauhari	Godowlia	2277716	2277348	9415225242
Dr. S. K. Agrawal	B. H. U.	2575675		9415228794
ENT				
Dr. Anil Srivastava	Fatman		2224269	
Dr. K. N. Mishra	Ramapura	2221986, 2221930	2401548	
Dr. M. K. Agrawal	B. H. U.	2367892		
Dr. P. K. Pal	Gurudham	2311548	2275746	
Dr. Rajeev Mishra	Ramapura	2221930	2401548	
Dr. S. N. Rai	Ordelybazar	2503636, 2524393	2343577	
Dr. U. C. Liu	Jangambari	2220671	2450538	
EYE				
Dr. Anand Sharma	Sigra	2358686	2360247	
Dr. Anurag Tandon	Nichi Bag	2359744, 2402240	2353915	
Dr. Awnindra Gupta	Godowlia	2311120		
Dr. Deepak Kumar	Kodai Ki Chowki	2415171		
Dr. H. Y. Neema	Karodi			
Dr. Nalini Nath	Godowlia	2354993	2352058	

Dr. Nalini Nath Godowlia 2354993 2352058

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Rahul Chandra	Nati Imli	2207101, 2204049	2204331	9415222957
Dr. Rajesh Gupta	Luxa	2311386		
Dr. R. K. Ojha	Mahmoorganj	2316800	2362814	
Dr. Sangita Thakur	New Colony, Ravindrapuri	2311999	2314900	
Dr. Sanjay Thakur	New Colony, Ravindrapuri	2311999	2314900	
Dr. S. C. Gupta	Godowlia		2412022	
Dr. Shridhar	Bhadaini	2361656	2310608	
Dr. Shri Kant	B.H.U.	2316595		
Dr. Sunil Kumar Shah	Bulanala	2333272	2333284	
Dr. V. Thakur	Ravindrapuri	2311999	2314900	

CANCER

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. J. P. Srivastava	Cancer Research Institute.	2370361		
Dr. L. Sarangi	Cantt	2370361		

GENERAL PHYSICIAN

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
DrAnurag Chandra Agrawal	Karnghanta, Godowlia		2355794 2352977 2352977	9839304698
Dr. H. S. Bajpai	Brahma Nand Nagar	2314962		9415228650
Dr. J. K. Agrawal	B.H.U.	2369064, 2369342		

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Nirmal Kumar Agrawal	Suria	2361713	2333625	
Dr. N. P. Singh	Bhagwan Das Nagar	2226603		9415201101
Dr. P. K. Tiwari	Mahmoorganj	2350393	2363327	
Dr. Rajeev Kumar Gupta	Luxa	2353960	2353047	9415201582
Dr. V. B. Singh	S.S.P.G.	2214610		
Dr. V. P. Singh	B.H.U.	2369222		

GYNECOLOGIST

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Alka Ranjan	Sigra	2220723	2221493	
Dr. Amod Prakash	Cantt.	2505858	2503838	
Dr. Asha Bhardwaj	Nichi Bag	2223828	2334696	9839056960
Dr. Giriraj Kishori Agrawal	Gurudham	2276883	2392456	
Dr. Indu Singh	Kodoi Ki Chowki	2222416, 2220493	2352489	
Dr. Kusum Chandra	Bhairo Nath	2204049, 2204331	2332310	
Dr. Madhumita Chatterji	Siddhgiribag			
Dr. Neena Jaideep	Bulanala	2360748	2333277	
Dr. Priyambada Tiwari	Kamachha Post Office	2358221	2358221	
Dr. Rachana Agrawal	Maidagin	2451901	2335456	
Dr. Shalini Tandan	Nichi Bag	2359744, 2352098	2353915	
Dr. Smita Tandon	Shivpur	2383535	2383535	

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Sudha Singh	Nagar Mahapalika, Sigra	2221222	2221333	
Dr. S.M. Sultana	Talia Bag	2204380	2204380	
Dr. Usha Gupta	Birdopur Mahmoorganj	2360146, 2360663	2363534	
Dr. Vibha Mishra	Mahmoorganj	2360370	2360400	
NEURO SURGEON				
Dr. B. D. Tiwari	Piplani Katra		2214854	
Dr. Rajeev Sharma	Luxa	2222322	2393281	9415285234
Dr. Rajendra Pathak	Orderly Bazar, Varanasi	2505505	2507507	309255
NEUROPHYSICIAN				
Dr. B. C. Katiyar	Brijenclave	2360161	2214854	
Dr. S. K. Poddar	Durgakund	2311811	2311844	9415201738
NEPHROLOGIST				
Dr. Pradeep Rai	Opel Hospital		2331996	3113486
Dr. V. P. Singh	Kabir Chowra	2220452	2333720	
Dr. N. N. Singh	B.H.U.		2362153	9415255987

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
ORTHOPEDIC SURGEON				
Dr. A. K. Rai	Shivpur Byepass	2831131		9415222860
Dr. Ajay Sharma	Orderly Bazar	3116512	2589770	
Dr. Ajit Kumar Saigal	Luxa	2410754	2418762	9415204480
Dr. Alok ji Agrawal	Orderly Bazar	2413826	2346875	
Dr. Amit Rastogi	B.H.U.	2369088		
Dr. Deepak Bhargawa	S.S.P.G.	2214714		
Dr. Gautam Chakravarti	Kamachha	2454547	2401777	
Dr. Harish Agrawal	Kamachha	2451901	2335456	
Dr. K. P. Agrawal	Mahmoorganj	2361488	2360488	
Dr. Kaushal Agrawal	Mahmoorganj		2360975	9839044592
Dr. K. V. P. Singh	Piplani Katra		2214739	
Dr. P. D. Mishra	Assi	2275774	2313187	
Dr. R. J. Singh	Bhojubir	2346534	2345415	
Dr. R. K. Jalan	Gurudham Colony		2435460	
Dr. Rajendra Shrivastava	Bhojubir	3111995		
Dr. R. Srivastava	Taktakpur, Varanasi	2504153	2500908	
Dr. S. C. Chopra	Maldahia	2418332		
Dr. S. C. Goel	B.H.U.	2319926		
Dr. S. D. Verma	Shivpur	2506361		9415221069
Dr. S. K. Saraf	B.H.U.	2316306		

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. S. K. Singh	Apex Hospital		2317528	3113463
Dr. S. N. Singh	Chetganj	2370517	2418958	
Dr. Shakil Ahmad	Orderly Bazar	2502758		3115595
Dr. Sanjay Sharma	Lahurabir	2317244	2224259	9415203670

PEDIATRICS

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Alok Bhardwaj	Nichi Bag	2224428	2334696	9839056960
Dr. B. D. Bhatia	B.H.U.	2570721	2368169	
Dr. Jaideep Lakshman	Bulanala	2360748	2333277	
Dr. Pradeep Jindal	Sigra	2226874	2360319	9415226527
Dr. Rajesh Khanna	Godowlia	2222560	2392297	
Dr. S. C. Agrawal	Luxa, Piari		2400957	
Dr. S. P. Gupta	Godowlia	2360146	2360663	
Dr. V. V. Patwardhan	Guru Bag		2351223	

PATHOLOGIST

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. R. K. Mishra	Lahurabir	2416378	2422378	9415204433
Dr. Sandeep Sen	Bulanala	2425138	2333676	
Dr. Sanjay Mehta	Godowlia	2360201	2401743	9839041744
Dr. S. K. Jaiswal	Adampura	2205783	2431897	9415226220
Dr. Sonia Khanna	Sigra	2222560	2226094	

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Sujata Sinha	Sankat Mochan	2277889	2313100	
Dr. Vinay Pathak	Visheshwarganj	2502025	2330009	
PSYCHIATRIST				
Dr. Amrendra Singh	Orderly Bazar	2511194	2341408	
Dr. Anil Tiwari	Kabir Chaura			
Dr. Arbind Gupta	Auranga Bad	2350468		
DrAdya Sankar Srivastava	B.H.U.	2367869		
Dr. Arun Rai	11, Lohiya Nagar, Ashapur	2582480		
Dr. Dinesh Pandey	Sigra			
Dr. Gajendra Singh	Manas Mandir	2316313		
Dr. Hemant Singh	U.P. Collage	2382823		
Dr. Indra Sharma	B.H.U.	2316694		
Dr. Mithlesh Rai	Chitaipur	2317559	2318443	
Dr. Mona Srivastava	Kabir Nagar			
Dr. M. R. Jhanwar	Durgakund	2276075	2313652	
Dr. Pawan Kumar	Orderly Bazar	2342838	2342640	
Dr. Ramesh Choubey	Luxa	2366519	2412164	
Dr. Rajshekhar Singh	Cantt.	2318160		
Dr. S.K. Singh	Lanka			

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
Dr. Sanjay Gupta	B.H.U.	2319001		
Dr. S. N. Sharma	B.H.U.	2316664, 2392333		
Dr. V. G. Jhanwar	Durgakund	2276077	2313652	
Dr. V. P. Srivastava	Beniya	2314576		
PLASTIC & COSMATIC SURGEON				
Dr. A. K. Pradhan	S.S.P.G.	2319134		
Dr. F. M. Tripathi	B.H.U.	2369105		
Dr. Jayanto Tapadar	Sigra	2221948	2390621	
Dr. P. Jain	B.H.U.	2316146		
Dr. R. Kumar		2368150		
Dr. S. K. Singh		2362950		
Dr. S. Singh		2270045		
Dr. B. Bhattacharya	B.H.U.	2318835		
RADIOLOGIST				
Dr. Anita	Sigra	2355862	2222862	
			2222732	
Dr. Hemant Singh	Telia Bag	2204380	2204380	
Dr. Nirmal Jain	Mahmoorganj	2363789, 2360789		9839145248
Dr. R. N. Bhargawa	Ramapura	2316464	2393003	
Dr. Sameer Agrawal	Maldahiya		2208553	

DOCTOR NAME	CLINIC	RESI	CLINIC	MOBILE
SKIN				
Dr. Gurumohan Singh	Mahmoorganj		2369377	
Dr. S. C. Khanna	Jalpa Devi Road	2367799	2315530	
SURGEON				
Dr. Ajay Agrawal	Jatan Bar	2437316	2437316	
Dr. Amitabh Agrawal	Mahmoorganj	2362913	2360181	
Dr. Harish Chandra Agrawal	Maidagin	2451901	2335456	
Dr. Madhu Agrawal	Jatan Bar	2333952	2333952	
Dr. M. K. Bajaj	In front of Majda Cinema		2454841	
Dr. Pramod Rai	Sankat Mochan	2316895	2312899	
Dr. Rajkumar Agrawal	Siddhgiri Bagh	2359159	2358374	
Dr. S. P. Gupta	Orderly Bazar	2509402	2503431	9415227649
Dr. Vivek Kumar	Maldahiya	2223045	2393618	9839098966
UROLOGY				
Dr. Pawan Jindal	Mahmoorganj	2364258	2361996 2361997	9839049304
Dr. Ravindra Kumar Shah	Bulanala	2314039	2333272	

Name : **Abha Gupta**
Date of Birth : 9 September 1956
Qualification : Inter
Bloodgroup :
Husband's Name : Ganesh Gupta
Date of Birth : 3rd January 1953
Qualification : Inter
Marriage Aniversary : 9th May 1978

Son & Daughter :

Name : Akancha : Age : 25 Years
Name : Apeccha : Age : 18 Years
Name : Ankita : Age : 15 Years

Occupation : House Wite
Official Address :
Phone :
Home Address : 1/1 Bredige Flats Sohrabji Barucha Road, Coloba, Mumbai - 5
Phone : 22841305 (022)

Name : **Ajai Kumar Tibrewal**
Date of Birth : 14th November 1974
Qualification : B. Com.
Bloodgroup :
Wife's Name : Sudha Tibrewal
Date of Birth : 25 Jun. 1980
Qualification :
Marriage Aniversary : 28 April, 2003

Son & Daughter :

Name : : Age : Hobby :

Occupation : Business
Official Address : Raja Katra Chowk, Varanasi-221001
Phone : 2390299, 2412463
Home Address : Ck. 14/6 Nandan Sahu Lane, Varanasi
Phone : 2400834 (0542), 9415225531

Name	:	Ajeet Kumar Agrawal (Patna)
Date of Birth	:	24th December 1952
Qualification	:	Graduate
Bloodgroup	:	
Wife's Name	:	Renu Agrawal
Date of Birth	:	13th November 1956
Qualification	:	B. Com.
Marriage Aniversary	:	9th Feb. 1981

Son & Daughter :

Name : Aparna	:	Age : 12 Years. Hobby
Occupation	:	Business (M/s. Das Foot Wear Stores)
Official Address	:	58, Hathua Market, Patna-800004
Phone	:	(0612) 2670168
Home Address	:	501-A, Shashi Place Aprt. Ram Krishna Mission Path, Nala Road-Patna
Phone	:	2668058 (0612)

Name	:	**Ajit Kumar Agrawal (Vns.)**
Date of Birth	:	25 Sept. 1956
Qualification	:	B. Sc.
Bloodgroup	:	A B +
Wife's Name	:	Madhu Agrawal
Date of Birth	:	12 Apr1956
Qualification	:	M. A. B.Ed.
Marriage Aniversary	:	3 Mar82

Son & Daughter :

Name : Gauri	:	Age : 20 Years Hobby : TV. Books
Name : Gaurang	:	Age : 15 Years Hoby : Cricket
Occupation	:	Business
Official Address	:	Batuk Prasad Agrawal & Sons K. 37/132, Golghar,Varanasi
Phone	:	2332668
Home Address	:	K. 37/132, Golghar,Varanasi-221001
Phone	:	2332671 (0542)

Name : **Alok Kumar Jain**
Date of Birth : 29 Aug. 1957
Qualification : M.B.M.
Bloodgroup :
Wife's Name : Sangeeta Jain
Date of Birth : 1st Dec. 1958
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 11th May 1981
Son & Daughter :
Name : Ruchir : Age : 20 Years Hobby : Game
Name : Rashi : Age : 19 Years Hobby : Decoration
Name : Rupal : Age : 18 Years Hobby : Music
Occupation : Business
Official Address : Kanaihya Alankar Mandir, Bulanala, VNS.
Phone : 2414951, 2414623
Home Address : 12 Mahavir Vihar, Rathyatra, Varanasi
Phone : 2226823, 2226479

Name : **Anand Kumar Jain**
Date of Birth : 2nd Sep. 1964
Qualification : Inter
Bloodgroup : A +
Wife's Name : Anju Jain
Date of Birth : 10 Aug. 1961
Qualification : Inter
Marriage Aniversary : 31st Jan. 1985
Son & Daughter :
Name : Anusri Anand Jain : Age : 17 Years Hobby : Books Music & Reading
Name : Aanchal Anand Jain : Age : 15 Years Hobby : Dance & Music
Occupation : Business
Official Address : My Favourite Lady Export Pvt. Ltd., 5, Jai Gopal Ind. Est., Ground Floor, Bhawani Shankar Lane, Dadar (W), Mumbai
Phone : 24380573, 24361338, Fax : 91-22-24311587
Home Address : 203, Rahul Apart., IInd Babu Rao, Parulkar Marg, opp. Navneet Prakashan, Dadar (W) Mumbai-400028
Phone : 24220259, 09821053691

Name : **Anil Kumar Jain**
Date of Birth : 7 July1956
Qualification : Graduate
Bloodgroup : A +
Wife's Name : Geeta Jain
Date of Birth : 4th Dec. 1956
Qualification : Inter
Marriage Aniversary : 3rd Dec.
Son & Daughter :
Name : Km.Geetika Jain : Age : 2 Years
Occupation : Business (Gold Ornament)
Official Address : Kanaihya Alankar Mandir
Bulanala, Varanasi.
Phone : Mobile : 98390-62623, 3110849
Home Address : 9, Parvatipuri Colony, Kamachha, Varanasi
Phone : 3092013
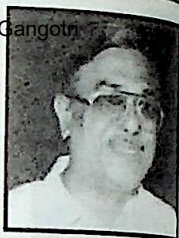
Name : **Anoop Kumar Agrawal**
Date of Birth : 12th Sept. 1967
Qualification : L.L.B.
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Babita Agrawal
Date of Birth : 1st June
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 9th July 89
Son & Daughter :
Name : Ayushi : Age : 14 Years Hobby : Game
Name : Partha : Age : 10 Years Hobby : Game
Name : Pranjal : Age : 7 Years Hobby : Game
Occupation : Business (Iron & Ispat)
Official Address : K. 63/165, Lohatiya, Varanasi
Phone : 2403790 Fax : 2414334
Home Address : K. 57/173, Navapura, Varanasi-221001
Phone : 2440078 Mob. 9415227214

Name : **Dr. Ashwini Kumar Jain**
Date of Birth : 27th March 1959
Qualification : M.B.B.S., MD.(Medicine)
Bloodgroup : A +
Wife's Name : Sandhya Jain
Date of Birth : 10th June 1964
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 30th Jun. 1987

Son & Daughter :

Name : Harshit : Age : 17 Years Hobby : Cricket
Name : Ishita : Age : 12 Years Hobby : Painting
Occupation : Doctor
Official Address : 106, Sri Ram Shopping Complex, Maldahiya, Varanasi.
Phone : 2392686
Home Address : 9, Parvatipuri Colony, Kamachha, Varanasi
Phone : 2411315

Name : **Brij Prakash Agrawal**
Date of Birth : 15th Aug. 1944
Qualification : B. Com
Bloodgroup :
Wife's Name : Chanda Agrawal
Date of Birth :
Qualification : Inter
Marriage Aniversary : 31st Jan.

Son & Daughter :

Name : Stuti : Age : 23 Years Hobby : Painting & Cooking
Name : Pranjal : Age : 20 Years Hobby : Cricket
Occupation : Business
Official Address : M/s. Prakash Stores, Bulanala, Varanasi
Phone : 2333675
Home Address : J. 12/140-D, Bag Channu Lal, Chowka Ghat, Varanasi
Phone : 2202645

Name	:	**Deepak Jain**
Date of Birth	:	25 March 1958
Qualification	:	B.Com
Bloodgroup	:	B +
Wife's Name	:	Subhashini Jain
Date of Birth	:	11 December
Qualification	:	B.A.
Marriage Aniversary	:	24 April

Son & Daughter :

Name : Stuti Jain	:	Age : 22 Years Hobby : Teach & Art
Name : Pratik Jain	:	Age : 18 Years Hobby : Computer
Occupation	:	Export Business
Official Address	:	Titico Exports Pvt. Ltd. 10, Parvatipuri Colony, Gurubag, Varanasi.
Phone	:	2401608, 2392020, 98390-59055
Home Address	:	1, Parvatipuri Colony, Gurubag, Varanasi
Phone	:	2401608

Name	:	**Deepak Shapuri**
Date of Birth	:	24 Jan. 1950
Qualification	:	BE. Ceramics (B.H.U.)
Bloodgroup	:	A + ve
Wife's Name	:	Varsha Shaprui
Date of Birth	:	06 July
Qualification	:	B.A.
Marriage Aniversary	:	27 December 1987

Son & Daughter :

Name : Ekta Shapuri	:	Age : 13 Years Hobby : Long Tannis
Occupation	:	Business (Deepak Talkies)
Official Address	:	Ck. 37/63, Banspatak, Varanasi
Phone	:	2412486
Home Address	:	19, Kotwalpura, Varanasi-221001
Phone	:	2392520, 9839241520

Name : **Ganesh Kumar Gupta**

Date of Birth : 03 January 1953
Qualification : Inter
Bloodgroup :
Wife's Name : Abha Gupta
Date of Birth : 09 September 1956
Qualification : Inter
Marriage Aniversary : 9th May 1978

Son & Daughter :

Name : Akancha : Age : 25 Years
Name : Apeccha : Age : 18 Years
Name : Ankita : Age : 15 Years

Occupation : Export Business
Official Address : V ijay Silk House Ltd. Grants Building 6/23, Arthar Bandar Road, Coloba, Mumbai-5
Phone : 22837215
Home Address : 1/1, Bredige Flats Soharab Ji Barucha Road, Coloba, Mumbai-5
Phone : 22841305 (022)

Name : **Girdhar Gopal Agrawal**
Date of Birth : 21 May 1954
Qualification : B. Com.
Bloodgroup :
Wife's Name : Madhu Agrawal
Date of Birth :
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 18 February 1982

Son & Daughter :

Name : Abhisekh : Age : 21 Years
Name : Sanchita : Age : 19 Years

Occupation : Business
Official Address : Kanahiya Lal Mukund Lal Sarraf Rani Kuwa, Varanasi
Phone : 2391225, 2420074
Home Address : Ck. 4/1, Choukhamba, Varanasi
Phone : 2420400

Name : **Hare Krishna Agrawal**
Date of Birth : 08 February 1961
Qualification : B.Com.
Bloodgroup :
Wife's Name : Alpana Agrawal
Date of Birth : 17 April 1970
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 15th Feb. 1990
Son & Daughter :
Name : Sonal : Age : 14 Years Hobby : Dance
Name : Ankit : Age : 11 Years Hobby : Sports
Occupation : Commisson Agent
Official Address : Ck. 21/10, Shah Gopal Das Lane, Varanasi
Phone : 2400541
Home Address : Ck. 21/10, Shah Gopal Das Lane, Varanasi
Phone : 2400541 (0542)

Name : **Lokesh Gupta**
Date of Birth : 06 July 1968
Qualification : B.Com. FCA
Bloodgroup : AB Positive
Wife's Name : Vandana Gupta
Date of Birth : 12 May 1971
Qualification : B . F.A.
Marriage Aniversary : 20th November 1995
Son & Daughter :
Name : Ojasvee : Age : 5 Years
Name : Prakash : Age : 3 Years
Occupation : Chartered Accountant
Official Address : 10, Dulhinji Market, Golghar, Varanasi
Phone : 2330535, 30911 4 4
Home Address : 18, Mahavir Vihar Colony, Rathyatra, Varanasi
Phone : 3090642
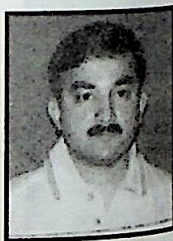
Name : **Manoj Kumar Jain**
Date of Birth : 03 November 1962
Qualification : B. Com.
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Indu Jain
Date of Birth : 03 May 1967
Qualification : Inter
Marriage Aniversary : 13 February
Son & Daughter :
Name : Mayank : Age : 15 Years Hobby Criket, Reading Books
Name : Sweta : Age : 12 Years Hobby : Painting
Occupation : Service
Official Address : E.C.G.C. of India Ltd. P. C . F. Plaza,
3rd Floor, Nadesar, Varanasi
Phone : 2507864, 2340180, Fax : 2348492
Home Address : K. 37/18, Sorakuwa, Varanasi
Phone : 2330423 M. 9415352990

Name : **Mridul Kumar Jain**
Date of Birth : 03 April 1954
Qualification : B.A.
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Archana Jain
Date of Birth : 10 November
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 05 March 1978
Son & Daughter :
Name : Abhishek : Age : 21 Years
Name : Sanchita : Age : 20 Years
Occupation : Business
Official Address : Jain Medicals
Ck. 52/4, Rajadarwaja, Varanasi
Phone : 2420400
Home Address : Ck. 52/4, Rajadarwaja, Varanasi
Phone : 9415227575

Name	:	**Smt. Nalini Agrawal**
Date of Birth	:	21 September 1959
Qualification	:	Inter
Bloodgroup	:	
Husband's Name	:	Padam Kumar Agrawal
Date of Birth	:	14 March 1956
Qualification	:	B.A.
Marriage Aniversary	:	07 Feb. 1977

Son & Daughter :

Name : Saurabh	:	Age : 25 Years	Hobby : Computer
Name : Tanmay	:	Age : 21 Years	Hobby : Computer

Occupation	:	Buisness
Official Address	:	Kashi Disels S.11/6-A, Chaukaghat, Varanasi
Phone	:	2210199, 3117884
Home Address	:	C. 27/143-2, Ramkatora, Varanasi
Phone	:	2202499

Name	:	**Narendra Kumar Jain**
Date of Birth	:	08 March 1943
Qualification	:	Graduate
Bloodgroup	:	B +
Wife's Name	:	Manju Jain
Date of Birth	:	25th Nov. 1947
Qualification	:	High School
Marriage Aniversary	:	1st Feb. 1964

Son & Daughter :

Name : Anupam	:	Age : 38 Years
Name : Anjali	:	Age : 36 Years
Occupation	:	Service
Official Address	:	Vijay Silk House Banglore Ltd. 1st Floor, Kalpana Market, 4/5, Vasavanna Lane, Avenu Road, Banglore-2
Phone	:	2215766, Fax : 2216321
Home Address	:	1st Floor 6, Lacitadel Apartment, Cunningnum Creseent Road, Banglore-52
Phone	:	2268968, Mobile : 98450-15332

Name	:	**Pankaj Agrawal**
Date of Birth	:	12 September 1969
Qualification	:	B. Com.
Bloodgroup	:	O +
Wife's Name	:	Kalpana Agrawal
Date of Birth	:	09 February 1975
Qualification	:	B.A.
Marriage Aniversary	:	10 July 2000

Son & Daughter :

Name : Pankhuri	:	Age : 03 Years
Occupation	:	Agent—LIC, NSC, PPF, KVP & Other Investment Bonds
Official Address	:	Ck. 16/35, Sudia, Varanasi
Phone	:	2333669, Mobile : 9415227188
Home Address	:	Ck. 16/35, Sudia, Varanasi
Phone	:	2333669 (0542)

Name	:	**Pradeep Kumar Agrawal**
Date of Birth	:	21 April 1955
Qualification	:	M. A.
Bloodgroup	:	
Wife's Name	:	Alka Agrawal
Date of Birth	:	05 Jun. 1960
Qualification	:	B. A.
Marriage Aniversary	:	10 February 1980

Son & Daughter :

Name : Gaurav	:	Age : 22 Years
Name : Shreya	:	Age : 19 Years
Occupation	:	Business
Official Address	:	Madan Madhava Fertilizers & Chemicals Co. Baware Road, Fateh Garh (U.P.) 209601
Phone	:	228517, 224577
Home Address	:	Kanpur Road, Fatehgarh (U.P.)
Phone	:	234022, 234281 (05692)

Name : **Rajesh Agrawal**
Date of Birth : 18 November 1956
Qualification : B.Sc.
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Shabanam Agrawal
Date of Birth : 1st July
Qualification : Inter
Marriage Aniversary : 2nd July 1979
Son & Daughter :
Name : Diwas : Age : 25 Years Hobby :
Name : Deepansh : Age : 20 Years Hobby : Cricket
Occupation : Business
Official Address : Rajesh Enterprises
Ram Das Agrawal & Co. (Jwellery)
D. 58/53-54, Rathyatra Crossing, Varanasi
Phone : 2361980, 98390-62510, 3092413
Home Address : D. 64/132 A, Sigra, Shivpura, Varanasi
Phone : 2221282 (0542)

Name : **Rajkumar Tibrewal**
Date of Birth : 24 April 1954
Qualification : B. Com.
Bloodgroup : O +
Wife's Name : Kusum Tibrewal
Date of Birth : 10 Nov. 1956
Qualification : B.A.
Bloodgroup : O -
Marriage Aniversary : 1 March 1978
Son & Daughter :
Name : Ritesh : Age : 25 Years
Name : Ritika : Age : 18 Years
Occupation : Buisness
Official Address : R. K. Tiberwal,11, Niryat Bhawan, Bhadohi
Phone : 227199, 228199 (05414)
Home Address : Ck. 14/6, Nandan Sahu Lane, Varanasi
Phone : 2400834 (0542) Mobile : 9415286022

Name : **Rakesh Kumar Agrawal**

Date of Birth : 13 December 1952

Qualification : M. Com.

Bloodgroup : O +

Wife's Name : Mala Agrawal

Date of Birth : 28 August 1955

Qualification : M.A.

Marriage Aniversary : 17 February 1976

Son & Daughter :

Name : Puja : Age : 25 Years

Name : Suchita : Age : 22 Years

Occupation : Business

Official Address : Associated Agencies, Shop No. 1 Kashi Anathalaya Complex, Lahurabir, VNS.

Phone : 2204243

Home Address : 28-29, Sant Raghubar Nagar Colony Sigra, Varanasi

Phone : 2221817 (0542), 9839500221

Name : **Ramesh Chandra Agrawal**

Date of Birth : 19 January 1959

Qualification : B.Com.

Bloodgroup : A +

Wife's Name : Abha Rani Agrawal

Date of Birth : 06 December 1959

Qualification : M.A.

Marriage Aniversary : 30 June 1982

Son & Daughter :

Name : Kaustubh : Age : 21 Years Hobby : Cricket

Name : Kisalaya : Age : 19 Years Hobby : Computer

Occupation : Business

Official Address : K. 46/81, Hartirath, Varanasi

Phone : 2440661,2440651,3113434, M. 9935413435

Home Address : K. 46/81, Hartirath, Varanasi

Phone : 3093441

Name : **Ramesh Chandra Agrawal**

Date of Birth : 12 Jul. 1954

Qualification : B.Com., C.A.

Bloodgroup : O +

Wife's Name : Shobha Agrawal

Date of Birth : 26th Jun. 1961

Qualification : B.A.

Marriage Aniversary : 28th No.v

Son & Daughter :

Name : Rohitaswa : Age : 23 Years Hobby :

Name : Shikha : Age : 21 Years Hobby : Cooking & Music

Name : Richa : Age : 19 Years Hobby : Reading/Talking

Occupation : Buisness

Official Address : 33, Shiv Charan Lal Road, Near Mansarovar Cinema, Allahabad

Phone : 2401449, 2402170

Home Address : S-3, Prayag Kunj, Ansol Appartment Strachery Road, Civil Lines, ALD.-01

Phone : 2621928 M : 9415217109

Name : **Ravi Agrawal**

Date of Birth : 5th Dec. 1958

Qualification : B.Com.

Bloodgroup : B +

Wife's Name : Angila Agrawal

Date of Birth : 13 Feb. 1965

Qualification : Inter

Marriage Aniversary : 8 Dec. 1984

Son & Daughter :

Name : Sri : Age : 18 Years

Name : Smriti : Age : 15 Years

Occupation : Business (Export)

Official Address : 5, Mahavir Vihar, Rathyatra, Varanasi

Phone : 2363800, 2362288

Home Address : 5, Mahavir Vihar, Rathyatra, Varanasi

Phone : 2226700

Name : **Ravi Mohan Agrawal**
Date of Birth : 07th Nov1969
Qualification : 9th Class
Bloodgroup :
Wife's Name : Nirja Agrawal
Date of Birth : 11 May 1970
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 12 December 1994
Son & Daughter :
Name : Shruti : Age : 09 Years Hobby : Dance
Name : Ganesh : Age : 05 Years Hobby : Drawing
Occupation : Business Whole Sale Banarasi Saree
Official Address : M/s. Sri Agrawal Store
Ck. 13/9, Kunj Gali, Varanasi-221001
Phone : 2392654, 3096008 M. 9415301628
Home Address : B. 37/54 A-9, BirdopurMahmoorganj,
Dr. Usha Gupta Colony, Varanasi-221010
Phone : 3092146, 3100116

Name : **Rishab Chandra Jain**
Date of Birth : 04th May 1964
Qualification : Inter, Architect
Bloodgroup :
Wife's Name : Kumkum Jain
Date of Birth : 01 May 1966
Qualification : M.A. Economics
Marriage Aniversary : 09 December 1986
Son & Daughter :
Name : Shreyansh : Age : 16 Years
Name : Harsh : Age : 15 Years
Occupation : Architect
Official Address : Jain & Associates
D. 62/52 G-4, Chandrika Nagar Colony
Madhopur, Shivpurva, Varanasi
Phone : 2221312
Home Address : D. 62/52 G-4, Chandrika Nagar Colony
Madhopur, Shivpurva, Varanasi-221010
Phone : 2222312, 2221212 (0542)

Name : **Dr. Rakesh Kumar Srivastava**
Date of Birth : 12 May 1957
Qualification : M.A., Ph.D. (Economics)
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Aruna Srivastava
Date of Birth : 01 Jan. 1970
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 30th Nov. 1993

Son & Daughter :
Name : Yashashwi : Age : 10 Years
Name : Ojaswi : Age : 03 Years
Occupation : Insurance Consultant
Official Address : C/o The Oriental Insurance Co. Ltd. Maldahiya, Varanasi
Phone : 2400074
Home Address : "Shraddha", 28Giri Nagar, Birdopur, Varanasi
Phone : 2363362, 2363363 M. 9415204919, 3092234

Name : **Dr. Ramjee Agrawal**
Date of Birth : 26 June 1942
Qualification : Ph.D.
Bloodgroup : A +
Wife's Name : Shyam Lata Agrawal
Date of Birth : 5 December 1945
Qualification : B. A.
Marriage Aniversary : 7 July 1965
Son & Daughter :
Name : Alpana : Age : 38 Years
Occupation : Dean & Proffesor Dep. of Civil Eng. (Retd.)
Official Address : Banaras Hindu Univercity, Varanasi
Phone :
Home Address : Banaras Hindu Univercity, Varanasi
Phone :

Name : Salil Kumar Shah
Date of Birth : 04th November 1973
Qualification : B.Com.
Bloodgroup : O +
Wife's Name : Vandana Shah
Date of Birth : 17 August 1979
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 17 June 1998
Son & Daughter :
Name : Divyansh : Age : 05 Years
Occupation : Share Sub Broker
Official Address : Ck. 58/7, Narayan Katra, Nichibag, Varanasi
Phone : 2225317-18-19, 3115860
Home Address : Flat No. 2, Krishna Appartment, Kamachha, Varanasi
Phone : 2455187

Name : **Dr. Sanjay Mehta**
Date of Birth : 29th Sep. 1954
Qualification : M.B.B.S., M.B. (Path)
Bloodgroup : O +
Wife's Name : Anuradha Mehta
Date of Birth : 12 Apr. 1953
Qualification : B.Sc. (Dip. in Pharmacy)
Marriage Aniversary : 12 Dec. 1986
Son & Daughter :
Name : Ishan : Age : 17 Years Hobby : Cricket
Name : Ishita : Age : 15 Years Hobby : Painting
Occupation : Pathologist
Official Address : Mehta Pathology, 202, Ramapura, Varanasi
Phone : 2401743
Home Address :
Phone : 2360201 (0542)

Name : **Dr. Satish Chandra Agrawal**

Date of Birth : 14th October 1954
Qualification : M.B.B.S., D.C.H.
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Mridula Agrawal
Date of Birth : 05 May 1959
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 04 February 1980

Son & Daughter :

Name : Anshita : Age : 23 Years Hobby : Painting
Name : Abhishu : Age : 18 Years Hobby : Cricket
Occupation : Medical Practioner
Official Address : Luxa, Varanasi
Phone : 2411474
Home Address : Agrawal Ice Factory
Lahurabir, Varanasi
Phone : 2455082

Name : **Satish Khandelwal**
Date of Birth : 23 July
Qualification : B.Com.
Bloodgroup :
Wife's Name : Kavita Khandelwal
Date of Birth : 29 Sep. 1967
Qualification : M. Com.
Marriage Aniversary : 09 December 1990

Son & Daughter :

Name : Pooja : Age : 12 Years
Name : Arti : Age : 11 Years
Occupation : Business
Official Address : Rajasthan Gems
D. 37/160, Baradeo, Varanasi
Phone : 2412958, 9415227378
Home Address : D. 53/97 E, Maharana Pratap Nagar
Luxa Road, Varanasi
Phone : 2421640
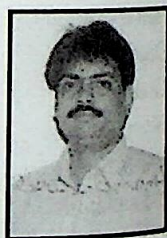
Name : **Shiv Kumar Agrawal**
Date of Birth : 15 January 1941
Qualification : Graduate
Bloodgroup :
Wife's Name : Premlata Agrawal
Date of Birth :
Qualification :
Marriage Aniversary : 10 February 1971
Son & Daughter :
Name : Sinni : Age : 33 Years Hobby :
Name : Neelima : Age : 29 Years Hobby :
Name : Ruchi : Age : 27 Years Hobby :
Name : Pragya : Age : 25 Years Hobby : Cooking
Name : Ashwini : Age : 22 Years Hobby : Tourism
Occupation : Publication
Official Address : Sri Nath Brother's, Gyanvapi, Varanasi
Phone : 2401742 (O)
Home Address : K. 31/68, Bhaironath, Varanasi
Phone : 2331624 (0542)

Name : **Shiv Kumar Bhatt**
Date of Birth : 31st. Jan. 1959
Qualification : M.A.
Bloodgroup : O +
Wife's Name : Kumkum Bhatt
Date of Birth : 25th Jun. 1961
Qualification : M.A., B.Ed., M.Phil, P.H.D.
Marriage Aniversary : 13 May 1988
Son & Daughter :
Name : Devesh : Age : 15 Years Hobby : Chess
Name : Shivesh : Age : 13 Years Hobby : Chess
Occupation : Service
Official Address : Nagar Nigam, Zone Benia Hospital, Varanasi
Phone : 2440051, 9839097018
Home Address : K. 57/32-B, Navapura, Varanasi
Phone : 2440051

Name : **Shiv Shankar Agrawal**
Date of Birth : 25 November 1956
Qualification : B.Com.
Bloodgroup :
Wife's Name : Uma Agrawal
Date of Birth : 01 July 1959
Qualification : High School
Marriage Aniversary : 10 March 1978

Son & Daughter :

Name : Tushar : Age : 25 Years
Name : Nayati : Age : 22 Years
Name : Smriti : Age : 20 Years
Occupation : Business
Official Address : Neel Kanth Ele., Durgakund, Varanasi
Phone : 2277320, 2277319
Home Address : B. 27/96, LA-20, Gurudham Colony, Varanasi
Phone : 2314 119, 2310735 (0542)

Name : **Syam Krishna Agrawal**
Date of Birth : 13 May 1951
Qualification : High School
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Manju Agrawal
Date of Birth : 04 August 1952
Qualification : B. A.
Marriage Aniversary : 20th May 1971

Son & Daughter :

Name : Shiv : Age : 28 Years
Name : Shweta : Age : 25 Years
Occupation : Business
Official Address : "Gem Palace", ITC Park, Sheraton Hotel & Towers, 132 T.T.K. Road, Chennai-600018
Phone : 24991394, 98410-93303, Fax 044-24660669
Home Address : 25, (old-13) 5th Main Road, Raja Annamayal Puram, Chennai-600028, Tamilnadu, India.
Phone : 24340998, M. 98400-76380, 94440-76380

Name : **Siddharth Jain**
Date of Birth : 04 May 1968
Qualification : Graduate
Bloodgroup : O +
Wife's Name : Ratna Jain
Date of Birth : 16 December 1969
Qualification : Graduate
Marriage Aniversary : 19th November 1992
Son & Daughter :
Name : Shreyans : Age : 11 Years Hobby : Singing
Name : Arihant : Age : 06 Years Hobby :
Occupation : Jewellery Business
Official Address : M/s. R. S. Jewellers,
Ck. 52/4, Rajadarwaja, Varanasi
Phone : 9415203696
Home Address : Ck. 52/4, Rajadarwaja, Varanasi
Phone : 2413040, 3094889

Name : **Sri Nath Agrawal**
Date of Birth : 16 March 1966
Qualification : B.Com.
Bloodgroup : O +
Wife's Name : Rachna Agrawal
Date of Birth : 11 January 1967
Qualification : B.A.
Marriage Aniversary : 15 February 1989
Son & Daughter :
Name : Garima : Age : 14 Years Hobby : Dance & Music
Name : Shardul : Age : 09 Years Hobby :
Name : Ujjal : Age : 04 Years Hobby :
Occupation : Money Landing & Jewellery
Official Address : K. 30/62, Jhansi Kothi, Bibi Hathia, Varanasi
Phone : 2436155, 2436431
Home Address : K. 30/62, Jhansi Kothi, Bibi Hathia, Varanasi
Phone : 2436155, 2436431, M. 3110650

Name : **Sandeep Jain**
Date of Birth : 08 Jun. 1964
Qualification : B.A., LLB.
Bloodgroup : B +
Wife's Name : Parul Jain
Date of Birth : 11 November 1968
Qualification : B.Sc.
Marriage Aniversary : 03 February 1991

Son & Daughter :
Name : Dipankar : Age : 07 Years Hobby : Game
Name : Pranjal : Age : 03 Years Hobby :
Occupation : Additional Commissioner Income Tax
Official Address : Aayakar Bhawan, Civil Lines, Moradabad
Phone :
Home Address : A. 54, Dev Vihar Colony, Civil Lines Moradabad
Phone :

Name : **Shyam Krishna Agrawal**
Date of Birth : 17 Oct. 1953
Qualification : Graduate
Bloodgroup :
Wife's Name : Surekha Agrawal
Date of Birth : 1 July 1956
Qualification : Graduate
Marriage Aniversary : 12 Dec. 1976
Son & Daughter :
Name : Ambuj : Age : 25 Years
Name : Hemang : Age : 23 Years
Name : Umang : Age : 20 Years
Occupation : Banarasi Sarees
Official Address : Surekha Arts
K. 60/3, Siddha Mata Gali, Varanasi
Phone : 2400344, 2333110
Home Address : J. 12/16-J, Ramkatora Road, Nati Imli, VNS.
Phone : 2204226

Name	:	**Sri Servesh Agrawal**
Date of Birth	:	12 June 1956
Qualification	:	B.Com.
Bloodgroup	:	
Wife's Name	:	Sushma Agrawal
Date of Birth	:	10 Oct. 1960
Qualification	:	B.A.
Marriage Aniversary	:	13 Dec. 1979
Son & Daughter :		
Name : Abhishek	:	Age : 23 Years
Name : Priyanka	:	Age : 18 Years
Occupation	:	Hole Sale Business of Banarasi Cloths
Official Address	:	Rama Textiles Pvt. Ltd. Ck. 15/58, Sudia, Varanasi-221001
Phone	:	2333505,2333327, Fax 2333593 M. 311 7444
Home Address	:	Ck. 15/58, Sudia, Varanasi-221001
Phone	:	2332915 (0542) Mobile : 311 6590

Name	:	**Dr. Triveni Khatri**
Date of Birth	:	20 July 1938
Qualification	:	M.A. Ph.d.
Bloodgroup	:	O +
Husband's Name	:	Un Married
Date of Birth	:	
Qualification	:	
Marriage Aniversary	:	
Son & Daughter :		
Name :	:	
Occupation	:	Teaching (Retired Teacher)
Official Address	:	
Phone	:	
Home Address	:	Sri Sita Ram Bhawan K. 43/46, Jatanbar, Varanasi
Phone	:	2437137, 9839134736

Name : **Udit Agrawal**

Date of Birth : 13 May 1973

Qualification : B. Com.

Bloodgroup : B +

Wife's Name : Rashmi Agrawal

Date of Birth : 10th July 1973

Qualification :

Marriage Aniversary : 04th December 1996

Son & Daughter :

Name : Madhav : Age : 29 Sep. 1998

Name : Manhar : Age : 02 May 2004

Occupation : Business (Export)

Official Address : Usha Export
Lakari, Fazalpur, Delhi Road, Muradabad

Phone :

Home Address : 7, Awas Vikas Colony, Civil Lines
Muradabad U.P.

Phone : 2417966 (0591)

Name : **Vinod Jindal**

Date of Birth : 1st. July, 1955

Qualification : C.A.

Bloodgroup : B +

Wife's Name : Rachna Jindal

Date of Birth : 10th Nov. 1957

Qualification : I. Com.

Marriage Aniversary : 5th Feb.

Son & Daughter :

Name : Pritu : Age : 21 Years

Name : Ashish : Age : 19 Years

Name : Shubh : Age : 12 Years

Occupation : Chartard Accountant

Official Address : Krishi Export Palza, Sigra, Varanasi

Phone : 2362115, 2362116

Home Address : Kaliya Nagar, Kamachha, Varanasi.

Phone : 2420982 (0542) Mobile : 9839040021

Name	:	**Virendra Kumar Jindal**
Date of Birth	:	19th Oct.
Qualification	:	B.Com.
Bloodgroup	:	O + ve.
Wife's Name	:	Vartika Jindal
Date of Birth	:	06th Aug.
Qualification	:	B.Sc.
Marriage Aniversary	:	25th Jan.
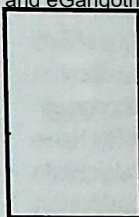
Son & Daughter :

Name : Eesh	:	Age : 07 Years Hobby : Sports
Name : Kunden	:	Age : 05 Years Hobby :
Occupation	:	Flour Business
Official Address	:	Gharana Foods Ltd. Past Dandi Village, Karuat Mughalsarai Road, Varanasi
Phone	:	2339335, 2339268
Home Address	:	Flat No. 7, Mahaveer Vihar, Behind Natraj Cinema, Sigra, Varanasi.
Phone	:	2225134, 2225133

Name	:	**Vijay Kumar Jain**
Date of Birth	:	21 Sept. 1947
Qualification	:	Inter
Bloodgroup	:	
Wife's Name	:	Renu Jain
Date of Birth	:	24 Nov. 1955
Qualification	:	Inter
Marriage Aniversary	:	28 January

Son & Daughter :

Name : Smriti	:	Age : 26 Years
Name : Nidhi	:	Age : 22 Years
Occupation	:	Business (Cloth Wholesaler)
Official Address	:	Vijay Cloth Traders K. 61/101, Bulanala, Varanasi
Phone	:	2333463
Home Address	:	Ck. 15/63, Suriya, Varanasi
Phone	:	2330150 (0542), M. 3415577

Name	:	**Dr. Vinay Kumar Pathak**
Date of Birth	:	24 Sept. 1955
Qualification	:	M.B.B.S., M.D.
Bloodgroup	:	A +
Wife's Name	:	Minakashi Pathak
Date of Birth	:	30 Oct. 1961
Qualification	:	B.A.
Marriage Aniversary	:	21st. May

Son & Daughter :

Name : Anurag	:	Age : 24 Years	Hobby : Sports
Name : Sruti	:	Age : 20 Years	Hobby : Music & Arts

Occupation	:	Doctor (Pathologist)
Official Address	:	Opp. Head Postoffice, Nagri Pracharini Sabha, Bisheswarganj, Varanasi
Phone	:	2330009, 9415810960
Home Address	:	35/38 A-200, Vindhyawashini Nagar Aderly Bazar, Varanasi
Phone	:	9415810960

Name	:	**Vijay Krishna Agrawal**
Date of Birth	:	29th January 1947
Qualification	:	B.Com.
Bloodgroup	:	
Wife's Name	:	Prabha Agrawal
Date of Birth	:	07 July 1952
Qualification	:	Pragati Institute of Creative Arts
Marriage Aniversary	:	
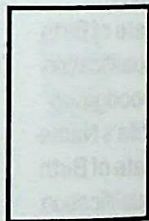
Son & Grandson :

Name : Prabodh	:	Age : 31 Years
Name : Daughter-in-law	:	Age : 26 Years
Name : Rohan	:	Age : 02 Years
Occupation	:	Kirana, Dry Fruit, Spices.
Official Address	:	Vijay Treders, 151 Mirganj, Allahabad.
Phone	:	2652751 (0532)
Home Address	:	Pursottum Kunj, 208, Luker Ganj, Allahabad.
Phone	:	2617239 (0532)

Name : **Krishna Kumar Agrawal**
Date of Birth : 24th April 58
Qualification : M.B.A. (B.H.U.)
Bloodgroup :
Wife's Name : Smt. Manju Agrawal
Date of Birth : 44 Year
Qualification : B.A. (Colcatta)
Marriage Aniversary :
Son & Daughter :
Name : Smriti : Age : 21 Years Hobby : Music, Car Driving
Name : Preeti : Age : 19 Years Hobby : Music, Computer
Occupation : Hole Sale Business Bicycle
Official Address : Govind Ram Ganpat Ram
Kabir Road, Varanasi
Phone : 2294863, 2294847 M. 9839044225
Home Address : Govind Ram Ganpat Ram
Kabir Road, Varanasi
Phone : 2294863, 2294847 M. 9839044225

Name : **Sanjeev Agrawal**
Date of Birth : 5th April
Qualification : B. Com.
Bloodgroup : O +
Wife's Name : Smt. Alpana Agrawal
Date of Birth : 4th Feb.
Qualification : B. Sc. Hons.
Marriage Aniversary : 20th Jan.
Son & Daughter :
Name : Samyak : Age : 11 Yrs. Hobby : Drawing, Playing Drum
Name : Shambhavi : Age : 08 Yrs. Hobby : Music, Dance
Occupation : Jewellery Business
Official Address : Jewar Kothi
C. 26/35, Ramkatora Crossing, Varanasi
Phone : 2203239, 2200639 M. 9839059876
Home Address : K. 40/75, Bhairo Nath, Varanasi
Phone : 2333015 M. 9839859876

VARANASI PLUS

COMPLIMENTARY TO THE READERS OF THE TIMES OF INDIA AND THE ECONOMIC TIMES IN VARANASI CITY

November, 1999

Committed to a cause

A COUPLE COMMITTED TO ELIMINATE TUBERCULOSIS (TB) FROM KASHI

on next page ...

VARANASI-PLUS

November, 1999

INTERVIEW

Anil/Geeta Jain

'Kshyamukta Kashi - Nirog kashi' Committed to this noble pledge, a couple Anil Jain and Geeta Jain have launched a campaign against tuberculosis. Hailing from business families, the two were inspired by the legendary king of their community-Maharaja Agrasen. They have therefore set a common goal to serve humanity by taking up this big challnge with the help of other members of society.

Anil, a 43 year old successful business man, runs a flourishing jewellery trade. He took up the task of health care in 1995. In the true Indian traditions, Geeta not only welcomed her husband's resolve but prepared herself for the big challenge. Moved by their determination, people from different walks of life began joining their bandwagon and today a new organisation - 'Samkalpa' has come into being ostensibly to combat the disease unitedly and more effectively. Encouraged by the success of the health camps organised since 1995, the Jains decided to deal with the problem in a systematic way.

In their first attempt, as many as 100 TB patients were successfully treated free of cost in 1997. Following this success in 1998, 178 patients out of 200 were cured. The remaining 22 patients did not turn up for regular treatment. 500 patients are currently under treatment.

Arranging funds to purchase costly medicine is definitely a difficult task. "But by the grace of God and the kindness of philanthropes, all the requirements were met fulfilled," say the Jains. Besides individual help, several organisations like Shri Das Foundation, Brijlex Foundation, Lions Club and Bhairow Prasad Charitable Trust have come foprward with generous contributions. There are also several physicians, pathologists and radiologists who provide free service in treatment of the registered TB patients.

The campaign began after Anil was wrongly diagonsed with tuberculosis way back in 1993. He says he cannot forget the trauma that he underwent for fifteen days, adding that his experience of those days provided him with a solid resolve to devote his entire life to combating this dreaded disease.

In an exclusive interview, the JAINS share their views with VARANASI PLUS.

Excerpts:

Q.: From where did you get the inspiration to launch a campaign against TB on such a large scale?

A.: In fact we get inspiration from the teachings of our great Maharaja Agrasen who had shown us a philanthropic way of life - that the adversity of society could be easily removed through cooperation. Our personal experience regarding the lack of health awareness in the society compelled us to go ahead with our ambition.

Q.: You are running a business. How could you manage time to devote to this philanthropic cause?

A.: It is the affection and cooperation of the other familiy members and well wishers that helps us in many ways.

Q.: How do you select the patients?

A.: We start advertising and distributing registration forms two months before holding the check up camps which are organised at an interval of 21 days. After the proper check up, the patients are registered for treatment. They are not only supplied medicines but also kept in regular touch till they get fully cured. The doctors give free service at the health examination camps. Besides, the patients are also given free consultation, pathological tests and X-Ray examinations.

Q.: In which forms do you get support from other members of society? Is it sufficient?

A.: We are getting tremendous support from the people particularly from the medical profssionals and fund donors. The response is overwhelming. Even the electricians and tenwallahs do not charge us for their service during holding camps.

Q.: Do you experience any problem in your work?

A.: The only problem comes from those patients who give up taking medicines in the middle of the treatment.

Q.: What further plans do you have of expanding your activities?

A.: We want to open a hospital to serve the people in better ways. Through the newly formed organisation, Samkalpa, we also want to contribute in the field of education and culture.

Q.: What are your expectations from society?

A.: It is our appeal that each rich family, which spend large amount of money on celebrating birthday parties, should bear the expenditure of one TB patient in place of the birthday celebration. An expenditure on a TB patient could not only save his life but also protect society from this disease.

"We want to open a hospital to serve the people in better ways. Through the newly formed organisation, Samkalpa, we also want to contribute in the field of education and culture"

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता • कर्तव्य • समर्पण
१७ जनवरी, २००२

आज का प्रेरक व्यक्तित्व

अनिल कुमार जैन

वाराणसी के प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री अनिल कुमार जैन पिछले कई वर्षों से समाज को क्षयमुक्त बनाने की सार्थक कोशिश कर रहे हैं। श्री जैन लगभग एक दर्जन सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध हैं। श्री जैन ने सन् 1998 में 'क्षयमुक्त काशी निरोग काशी' अभियान के माध्यम से वाराणसी को क्षयमुक्त बनाने का प्रयास शुरू किया। (शेष पृष्ठ 13 पर)

अनिल कुमार जैन

इससे पूर्व सन् 1994 से ही वे निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन कराते रहे हैं। सन् 94 में लगभग 8000 व्यक्तियों का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं दी गयीं। तीन स्वास्थ्य शिविरों में लगभग 56000 लोगों को लाभ पहुंचाया गया।

भारत को क्षयमुक्त बनाना उनका सपना है। वाराणसी में अब तक 1600 क्षय रोगियों को क्षयमुक्त किया जा चुका है। लगभग 300 मरीजों का उपचार अभी चल रहा है। श्री जैन की इस कोशिश में नगर के 140 चिकित्सकों का सक्रिय सहयोग मिलता रहा है। एक रोगी के उपचार में 6 से 8 हजार रुपये खर्च आता है जिसे संस्था वहन करती है। क्षय रोगियों के लिए एक चिकित्सालय की स्थापना के साथ ही एक सर्वसुविधा सम्पन्न विद्यालय की स्थापना उनका लक्ष्य है। श्री जैन 'संकल्प' के माध्यम से गत कुछ वर्षों से समाज के साधनहीन कुछ छात्रों को निःशुल्क पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी फीस का भार भी वहन कर रहे हैं। राज्यपाल, आईएमए तथा नगर की विभिन्न संस्थाओं ने श्री जैन को सम्मानित कर उनके प्रयास की सराहना की है।

सहारा इंडिया परिवार श्री अनिल कुमार जैन को उनके इस सद्कार्य के लिए नमन करता है। राष्ट्रीय सहारा की ओर से उन्हें सम्मान के प्रतीक के रूप में 1100 रुपये की राशि भेंट की जाती है।

संकलन एवं प्रस्तुतिः स्नेह रंजन

सहारा समय

3 जनवरी 2004

शख्सीयत-२००३

जौहर जौहरी का

अनिल जैन (सामाजिक कार्यकर्ता)

पेशे से जौहरी अनिल जैन ने अपने ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठान के अलावा समाज सेवा के क्षेत्र में भी एक के बाद एक नये कीर्तिमान बनाये। 'क्षय मुक्त काशी निरोग काशी' अभियान लगातार सातवें साल भी उनके और उनके कर्मठ सहयोगियों के बूते पूरे जोश खरोश के साथ जारी रहा। जीवन की आस छोड़ चुके १९०६ क्षय रोगियों को नयी जिन्दगी के साथ जीने का मकसद भी हासिल कराया अनूठे प्रकल्प ने। मजबूत संकल्पों के साथ गठित संस्था 'संकल्प' को भी श्री जैन का पूरा समय और मार्गदर्शन मिला। मेधावी किन्तु निर्धन १०० छात्र-छात्राओं का सम्पूर्ण योग-क्षेम वहन करने के अलावा संस्था ने 'महिला आत्म निर्भरता' के विशिष्ट अभियान के तहत १७५० लड़कियों को विविध व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से प्रशिक्षित किया। 'लाइफ पार्टनर' श्रीमती गीता जैन के साथ श्री जैन को विभिन्न संस्थाओं ने विविध सम्मानों से अलंकृत किया। 'सार' संस्था की ओर से राज्यपाल द्वारा प्रदत्त विशेष सम्मान के अलावा सिटी केबुल की ओर से हासिल 'सिटी रत्न' और गोकुल आर्ट्स की ओर से भेंट 'काशी रत्न' सम्मान प्रमुख रहे। 'मदद वाले हाथों को और आगे बढ़ायें...।'

सहारा समय
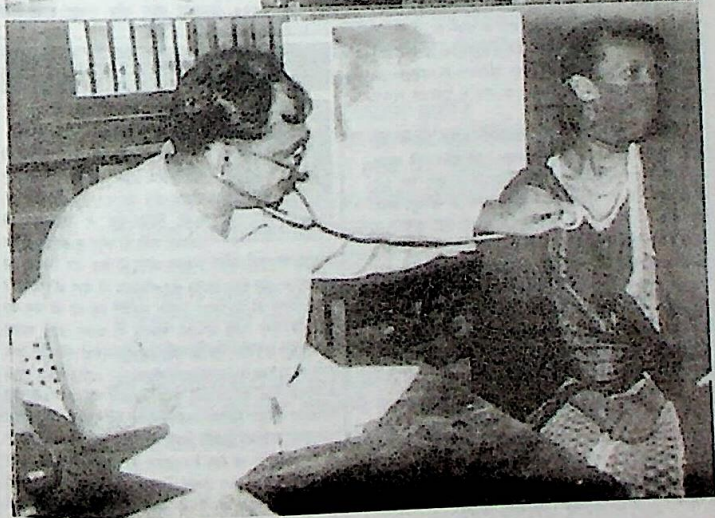
१८ अक्टूबर, २००३

क्षय मुक्त काशी-निरोग काशी अभियान शिविर में मरीजों का परीक्षण करते डॉक्टर

हिन्दुस्तान

वाराणसी, गुरुवार, 22 नवम्बर 2001

शख्सियत / अनिल जैन

समाजसेवी

क्षय मुक्त काशी निरोग काशी का बीड़ा उठाने का ख्याल कैसे आया?

सामाजिक कार्यों में शुरू से ही हिस्सा लेता रहा हूं लेकिन सन 1992 में अचानक ही गम्भीर रूप से बीमार पड़ने के कारण जांच के फलस्वरूप मैं क्षय रोगी घोषित कर दिया गया। करीब पन्द्रह दिन क्षय-कोठरी में अकेले ही काल-कोठरी की सजा में बिताने पड़े। रोग की गम्भीरता समझ में आयी। आगे की चिकित्सकीय जांच में रोग नहीं पाया गया। बस उसी समय मन में दृढ़ निश्चय कर लिया ...दि कभी बाबा विश्वनाथ ने साधन व शक्ति दी तो जितने भी क्षय ...ों का इलाज सम्भव होगा, जरूर करूंगा।

आरम्भिक काल में कौन सी दिक्कतें आयीं?

कुछ लोगों ने मनोबल तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन वे सफल हुए। लेकिन प्रति वर्ष हजारों लोगों की चिकित्सा करते हुए ...सी. लगानी पड़ती थी। कुल 140 चिकित्सकों ने निःस्वार्थ भाव से ...ोग किया। प्रति वर्ष यह शिविर नया रूप लेता चला जा रहा है।

बाल-क्षय रोगी भी आपके शिविर में आते हैं...

अब मन में किये गए दृढ़ निश्चय कि क्षय रोगियों के लिए कुछ ...ना है तो कार्य की धारा को उस ओर मोड़ा। प्रथम वर्ष 100, दूसरे 200 और तीसरे साल 500 व 100 बाल क्षय रोगी लाभान्वित हुए। ...न चौथे वर्ष में 500 क्षय रोगियों की चिकित्सा का बीड़ा उठाया तो ...3 रोगियों को क्षय मुक्त करने में सफलता मिली। फिलहाल 500 मरीजों को निरोग करने का प्रयास चल रहा है।

शेष अगले पृष्ठ में ...

क्षय रोग की चिकित्सा प्रक्रिया में खर्चों की व्यवस्था सम्भालते हैं ?

देखने-सुनने में यह बड़ी साधारण सी बात लगती है। लेकिन प्रत्येक माह प्रति रोगी 6 हजार का खर्च पूरा करने में दानदाता, दुकानदार, पैथालाजी टेस्ट, रेडियोलाजी आदि की व्यवस्था भगवत कृपा व सहयोग से हो जाती है। कई बार हिम्मत टूट जाती है और निश्चय कर लेता हूं कि अब आगे कार्य नहीं करूंगा। लेकिन शिविर में पहुंचते ही असहाय निर्धन पीड़ितों को देख कर द्रवित हो जाता हूं।

आप संकल्प संस्था भी चला रहे हैं। इसकी शुरुआत कैसे हुई ?

निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के कारण मेरे व्यक्तित्व को नयी पहचान मिली। फलस्वरूप कई संस्थाओं के महत्वपूर्ण पदों का कार्यभार मुझे सौंपा गया। लेकिन 1999 में मन में एक विचार आया कि एक ऐसी संस्था की स्थापना की जाय जो शिक्षा के गिरते स्तर में सुधार, संस्कृति की रक्षा व सामाजिक अवमूल्यन को रोकने के लिए प्रयत्नशील रहे। इसी सोच ने संकल्प संस्था को जन्म दिया। आरम्भ में मदर टेरेसा होम के सदस्यों के बीच जाकर उनकी सेवा का बीड़ा उठाया व उनके लिए आवश्यक सामग्रियों की व्यवस्था करते हुए होम के 14 क्षयरोगियों का जिम्मा लेकर उन्हें निरोग किया। उसके बाद प्रख्यात संस्कृतिकर्मियों का सम्मान व नयी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने में सहयोग देना आरम्भ किया।

शिक्षा के क्षेत्र में संकल्प क्या योगदान दे रही है ?

ऐसे बच्चों को प्रवेश दिला कर जो शिक्षा से अछूते थे, निर्धन छात्र-छात्राओं को पाठ्य-पुस्तकें व शिक्षण शुल्क आदि की व्यवस्था करते हुए संकल्प एक साधन सम्पन्न शिक्षण संस्था के निर्माण के लिए प्रयत्नशील है। इसके अलावा संस्था ने सांस्कृतिक सहभागिता करते हुए बाल श्रम विभाग के साथ मिलकर लोगों को जागृत करने का प्रयास किया है। शिक्षिकाओं का सम्मान व महिला कला प्रशिक्षण शिविर आदि इनमें शामिल हैं।

प्रस्तुति : सुरोजीत चैटर्जी

गांडीव

5 नवम्बर 2003

शिक्षित व निरोग समाज विकास -प्रक्रिया में सहायक होता है

(ख्यातिलब्ध समाजसेवी एवं कवि श्री अनिल कुमार जैन से सीताराम 'अनजान' की बातचीत)

नया सवेरा लेकर आये, जीवन में खुशियाली
सुख-समृद्धि बढ़े जीवन में, खेत में हो हरियाली
जन-जन के जीवन में हो, नित होली और दीवाली
नदी बहे धन-धान्य की, हो राष्ट्र हमारा वैभवशाली

० ० ०

बहुत साफ-सुथरा विचार, सोच, चिंतन वाला व्यक्ति ही इसतरह की बाते सोच सकता है। उसके मन में पाप, दुर्भावना, पूर्वाग्रह हेतु कोई स्थान नहीं होता। दूसरों का दुःख, दर्द, चिंता, परेशानी, तनाव, उसका अपना होता है। वह एक होकर भी सबका होता है। ऐसा व्यक्ति प्रेमी, भावुक, दयालु, व सुसंस्कारी होता है। भावुकतावश कभी कभी बेहद कष्ट भी झेलना पड़ता है। जोखिम भी उठानी पड़ती है। फिर भी अपने स्वभाव व कर्म में वह परिवर्तन नहीं करता। एक सच्चे साधक की भांति लगा रहता है। उसकी साधना तब सफल होती है। जब उसके कृत्य से लाभान्वित होते हैं लोग... और देते हैं उसे अपनी दुआएं... करते हैं कामना सफलता की।

ऐसे ही एक साधक व समाजसेवी हैं श्री अनिल कुमार जैन। अनिल कुमार जैन एक नाम ही नहीं, आंदोलन है। ऐसा आंदोलन। जिसके तहत लोगों के मानस में आत्मबल, आत्मनिर्भरता, व जागरुकता का जागरण होता है। दृढ़ इच्छाशक्ति की प्राप्ति होती है। लोग बड़े आत्मसंतोष व यकीन के साथ अपने अपने कर्म को अंजाम देते हैं। एक दूसरे की प्रेरणा, कर्म व त्याग से प्रभावित हो नित नये नये कार्य करते हैं। अविरल बढ़ते रहने की ललक व होड़ में मंजिल की ओर उन्मुख रहते हैं। इन सबके मूल में अनिल जैन ही हैं जिनके संकल्प से 'संकल्प' संस्था का प्रादुर्भाव हुआ।

वार्ता के दौरान उन्होंने बताया - 'सन् १९९३में मैं एक बार गंभीर रुप से बीमार पड़ गया। डाक्टरों ने बताया आप (क्षय रोग) से ग्रसित हैं। यह सुन मैं सन्न रह गया। काटो तो खून नहीं। मै उदास उदास रहने लगा। भूख प्यास मर गयीं। खुद को एक कमरे में कैद कर कैदी की भांति रहने लगा। मेरे रात दिन तन्हाईयों मे गुजरने लगे। लोगों से कटता चला गया। ... कि एक दिन एक बहुत ही नेक व अच्छे डाक्टर ने मुझे देखकर बताया - 'आपको (क्षय रोग) है ही नहीं। फिर क्यों स्वयं को इतनी तकलीफ दे रहे हैं?' यह सुन मेरे जान में जान आयी। वह डाक्टर मेरे लिए भगवान हो गया। मैं शुक्रगुजार हूं उस डाक्टर का जिसने मुझे नवजीवन दिया। उन बीते १५दिनों की यादें आज भी मुझे व्यथित करती हैं, उद्वेलित करती हैं। उसी समय मैंने यह 'संकल्प' लिया कि (क्षयरोगियों) की यथा संभव मदद करूंगा और जुड़ गया समाजसेवा में।

अनिल जैन

सन् १९९५में ४०डाक्टरों को लेकर एक शिविर लगवाया जिससे ८०००मरीज लाभान्वित हुए। सन् १९९५-९७में दूसरा-तीसरा लगवाया। जिससे कुल ५४०००मरीज लाभान्वित हुए। सन् १९९७के चौथे शिविर में (टीबी) के १००मरीजों को नवजीवन दिलवाया। पुनः २००से ५०० और फिर १८४०मरीजों ने ठीक होकर मुझे, मेरी संस्था व डाक्टरों को आशीर्वाद दिया। ऐसे जागरुक, समाजसेवी 'महिला कला प्रशिक्षण शिविर' के जन्मदाता व ख्यातिलब्ध सर्राफा व्यवसायी (कन्हैया अलंकार मंदिर) बुलानाला, वाराणसी श्री जैन का जन्म ७जुलाई सन् १९५६को हुआ है। धर्मपत्नी का नाम श्रीमती गीता जैन। इनका जन्म ४ दिसंबर १९५६को पिता का नाम स्व०गुलाब चंद जैन है। 'संकल्प' नामक संस्था को बड़े तन मन धन के साथ चला रहे हैं। इसमें विगत चार वर्षों से सहयोग दे रहे है -सर्वश्री रमेशचंद्र अग्रवाल, हरेकृष्ण अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, डा०त्रिवेणी खत्री, दीपक शापुरी, (अध्यक्ष), बृजप्रकाश अग्रवाल उपाध्यक्ष), डा०संजय मेहता (महासचिव), राजीव अग्रवाल (सचिव), आलोक कुमार जैन (कोषाध्यक्ष), मनोज जैन (सचिव प्रचार), डा०विनय पाठक, अजीत कुमार अग्रवाल, शिवशंकर अग्रवाल, रवि अग्रवाल (संचालक), और अनिल कुमार जैन (संरक्षक)।

शेष अगले पृष्ठ में ...

शिक्षित व निरोग समाज विकास -प्रक्रिया में सहायक होता है

ख्यातिलब्ध समाजसेवी एवं कवि श्री अनिल कुमार जैन से सीताराम 'अनजान' की बातचीत

श्री जैन की सामाजिक गतिविधि व उपलब्धि आंशिक नहीं हैं, बहुत ज्यादा है। गरीब व अनाथ लड़के लड़कियों को कपड़े, भोजन, स्कूल फीस, किताबें, कापियां व अन्य सहयोग के साथ साथ आर्थिक मदद भी करते है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु सन् २००१-२००२-२००३ अवकाश काल में 'प्रशिक्षण शिविर' लगवाए। जिसमें लगभग १७२८लड़कियों ने हिस्सा लिया। इस शिविर की लड़कियां अन्य शिविरों में भी जाती हैं और अपनी उत्तम से उत्तम कलाओं का प्रदर्शन कर एवं बिक्री भी करके आत्मनिर्भरता की ओर सतत् प्रयत्नशील हैं। इसके साथ साथ अन्य विषयों पर भी यदि कोई नेक कार्य करता है और आपकी शरण में आता है तो आप बड़े खुलेमन से उसका आर्थिक सहयोग कर अपनी (अहम भूमिका) निभाते हैं।

आपकी सार्थक गतिविधि से प्रभावित होकर पत्रिका (टाइम्स आफ इंडिया) ने सन् २००२ में आपके व्यक्तित्व कृतित्व को प्रकाशित किया। (सहारा के राष्ट्रीय चैनल) ने २७ अप्रैल सन् २००३ में आप पर केंद्रित एक पूरी फिल्म दिखाई। सिटी केबिलने अपने (रुबरु) कार्यक्रम में ३०मिनट तक आपका 'साक्षात्कार' दिखाया और 'सिटीरत्न' से सम्मानित किया। सन् १९९५से ९७ तक कई बार आकाशवाणी पर भी आप आए। सार संस्था की ओर से महामहिम राज्यपाल उ०प्र० श्री विष्णुकांत शास्त्री ने सन् २००१ में आपको समाजसेवा हेतु सादर सम्मानित किया। सन् २००३जून में संस्था 'प्रादेशिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन' की ओर से आपको (काशीरत्न) अलंकरण से नवाजा गया। अतः आपका योगदान अत्यंत सराहनीय है।

यह अकाट्य सत्य है कि हम जैसा करेंगे, वैसा ही पायेंगे। जैसा बोयेंगे, वैसा ही काटेंगे। अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम क्या हैं क्या करते हैं, क्या करना चाहिए? हमारा मन मस्तिष्क, स्वभाव, आचरण, संग संस्कृति, व संस्कार जैसा है। उसी अनुरुप हम उसीकर कार्य करते हैं। फलतः कोई जीतता है, तो कोई हारता है। जीवन का यह संग्राम आसान नहीं, बेहद कठिन है। यह ऐसा युद्ध है जो कभी समाप्त ही नहीं होता...। अंत तक जारी रहता है। जितना कुशल होता है जो, उतनी कुशलता से बाजी जीतता है वो, कभी हारता भी है। जब तक जीवन है, इस संग्राम से मुक्ति नहीं। मुक्ति बिना, तृप्ति नहीं।

जीवन को सजाने संवारने, नेक कार्य करने, समाज में लोगों को प्रोत्साहित स्थापित व जागरुक बनाने हेतु संकल्पित श्री जैन कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते। वे निरंतर सोद्देश्य, हौसला व गतिविधि लिए सदैव आगे बढ़ते और समय समय पर लोगों को सम्मानित करते रहते हैं जिनमे मुख्य हैं- प्रख्यात गीतकार-संगीतकार श्री रवींद्र जैन, परम पूज्य पं०श्रीकांत शर्मा (बाल व्यास), श्री अशोक पांडेय (तबलवादक), सुश्री डा० रेवती साकलकर (शास्त्रीय गायिका), श्री मनोज तिवारी 'मृदुल', श्री दीपक जैन, कुलपति संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राममूर्ति शर्मा, श्री महेश चंद्र द्विवेदी (डायरेक्टर जनरल आफ पुलिस, उ०प्र०), डा०कर्णसिंह, पं०केलुचरण महापात्र (ओडिसी नृत्य सर्जक), पद्मश्री श्रीमती गिरजा देवी, पद्म विभूषण पं०किशन महाराज, श्री राजनाथ सिंह (भूतल एवं परिहवन मंत्री-उ०प्र०), माननीय श्री ओमप्रकाश सिंह (उच्च शिक्षा, लोकनिर्माण व सिंचाई मंत्री-उ०प्र०), प्रख्यात राष्ट्र संत मोरारी बापू जी, श्रीमती अनुराधा पौडवाल(सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका), पूर्व विश्व सुंदरी ऐश्वर्याराय, श्री सुब्रत राय आदि। वे निरंतर कुछ न कुछ अच्छे कार्य करते रहते हैं।अपनी संस्था के माध्यम से लोगों को सम्मानित भी।सादगी, समर्पण और सेवाभाव से किया गया कार्य चिरंजीवी होता है जिसके सहारे व्यक्ति मरकर भी अमर हो जाता है मानव दिलों में, इतिहास के पन्नों में, सदा सदा के लिए....।

घना अंधेरा है चहुदिश
आओ दीया जलाएं हम
धरती मां के तप्त भाल पर
मिल चंदन -लेप लगायें हम।

वाराणसी शुक्रवार २६ अप्रैल २००२

....और संकल्प के साथ व्यवसाय से लेकर समाजसेवा तक के लिए संकल्पित है अनिल जैन

आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों का यूनिफार्म फीस और पाठ्य पुस्तक उपलब्ध करायी जा रही है। इसके अतिरिक्त नगर के उभरते सांस्कृतिक कलाकारों को एक मंच देने का कार्य भी किया जाता है।

जनमुख– उत्तरप्रदेश। महाविद्यालय प्र प्रबन्धक महासभा वाराणसी के अध्यक्ष कैसे चुने गए ?

अनिलजैन– मैं अग्रसेन कन्या इंटर कालेज का १९९७ में प्रबंधक बना तब से उत्तर प्रदेश महाविद्यालय प्रबंधक महासभा वाराणसी मंडल का अध्यक्ष बनाया गया। इससे पहले यह संस्था निष्क्रिय प्राय थी। लेकिन मैंने प्रबंधकों के सरकारी उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए इस संस्था को गति प्रदान की। इसके अतिरिक्त मैंने शैक्षणिक भ्रष्टाचार दूर करने के लिए भी इस संस्था का उपयोग किया।

जनमुख– जैन समाज से जुड़े होने पर आपने समाज के हित के लिए क्या क्या कार्य किया?

अनिल जैन– १९९६ में दिगम्बर जैन काशी का प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद मैंने पंचकल्याण समारोह का सफल आयोजन कराया था। जिसमें पांच हजार बाहर से आये लोगों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त कई अन्य महत्वपूर्ण कार्य समाज के हित के लिए किये।

जनमुख– वर्तमान में किस और संस्था से जुड़े हैं?

अनिल जैन– वैसे तो मैं कई स्वयंसेवी संस्थाओं से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ हूं। लेकिन तत्काल में काशी संगीत समिति रान कटोरा के सभापति का पद ग्रहण किया।

जनमुख– समाज सेवा और व्यवसाय में कैसे सामंजस्य स्थापित करते हैं?

अनिल जैन– मैं अपने कार्यों के प्रति पूर्ण रूप से संकल्पित हूं। सुबह और शाम समाजसेवा के कार्यों और दिन में पूर्णतया व्यवसाय के कार्य गंभीरता से करता हूं और कुशलता पूर्वक दोनों में सामन्जस्य स्थापित कर लेता हूं।

जनमुख– भविष्य में समाजसेवा के प्रति आपकी क्या योजना है?

अनिलजैन– मुख्य रूप से काशी में एक बोर्डिंग स्कूल और क्षय रोग चिकित्सालय स्थापित करना चाहता हूं।

जनमुख– राजनीति की ओर आपका कोई रूझान?

अनिल जैन– छात्र जीवन में राजनीति के प्रति थोड़ा झुकाव तो था लेकिन बाद में वह एकदम समाप्त हो गया।

जनमुख– वर्तमान में सारनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रेयांस नाथ की मूर्ति की स्थापना को लेकर हुए विवाद पर आप क्या कहेंगे?

अनिल जैन– कानून के दायरे में पुरातत्व को प्रशासन के दोषी लोगों के खिलाफ कार्यवाई की जाए।

सहारा समय

१८ अक्टूबर, २००३

कारवां बनता गया

परिवार इनके प्रयासों के साक्षी हैं। श्री जैन के मुताबिक क्षय मुक्त काशी-निरोग काशी के आशावादी नारे के साथ अभियान की शुरुआत १९५७ में हुई। पहल की गयी 'मदर टेरेसा होम' के १८ क्षय रोगियों के इलाज के साथ। अभियान के साथ एक-एक कर लोग जुड़ते गये और कारवां बनता गया।

अभियान के साथ शुरू से ही जुड़े फेफड़ा और श्वांस रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित जौहरी बताते हैं कि सीमित संसाधनों के बावजूद बीते सालों में हमने कुल २०९६ रोगियों को इलाज के लिए पंजीकृत किया। इनमें से १८०० रोगी पूर्ण स्वस्थ होकर नये जोश-नयी उम्मीदों के साथ सामान्य जीवन बिता रहे हैं। बाकी २९६ रोगी दवा की नियमित खुराकों के लिए दोबारा या तिबारा 'टर्नअप' ही नहीं हुए वर्ना सफलता का आंकड़ा और उत्साहवर्धक हो सकता था। डॉक्टर जौहरी का मानना है कि क्षय रोग के खिलाफ सरकारी स्तर पर छेड़े गये डॉट थेरेपी अभियान की सफलता में क्षय मुक्त काशी-निरोग काशी जैसे आंदोलन का सहयोग पूरा परिदृश्य बदल सकता है। नगर के मशहूर पैथालॉजिस्ट डॉक्टर विनय पाठक भी क्षय मुक्त काशी-निरोग काशी अभियान के सक्रिय सहयोगी हैं। अभियान की ओर से लगाये जाने वाले शिविरों में 'रेफर' जांच के पर्चे को उनकी 'लेबोरेटरी' में प्रथम वरीयता प्राप्त है। इन पर्चों में उल्लिखित खून या बलगम की जांच भी यहां निःशुल्क होती है। अभियान में अपनी शिरकत को वे किसी पवित्र यज्ञ में भागीदारी और अंशदान के रूप में लेते हैं।

अभियान से जुड़े बृज प्रकाश अग्रवाल के मुताबिक अभियान के तहत निःशुल्क उपलब्ध कराये जा रहे सम्पूर्ण उपचार पर प्रति रोगी औसतन ६००० रुपयों का खर्च आता है। प्रतिरोधक क्षमता के ह्रास के कारण जिन रोगियों का रोग गम्भीर हो चुका होता है उनके इलाज पर और मोटी रकम खर्च होती है। इस राशि की व्यवस्था अभियान से जुड़े सदस्य और कुछ विशिष्ट सहयोगियों के अंशदान से होती है। श्री राम फाउण्डेशन, बृजलेक्स फाउण्डेशन, भैरव प्रसाद चैरिटेबुल ट्रस्ट के महत्वपूर्ण अंशदान के अलावा लगभग १०० 'डोनर्स' ऐसे हैं जिन्होंने एक या दो रोगी को 'एडाप्ट' किया है और उसके इलाज का पूरा खर्च वे वहन करते हैं। इसी तरह दवाओं की मशहूर फर्म गोविंदराम श्याम सुन्दर की ओर से आवश्यक दवाएं अभियान को लगातार निःशुल्क उपलब्ध करायी जा रही हैं।

जिम्मेदारियों और नागरिक कर्तव्यों के नाम पर सिर्फ एक दूसरे की ओर तर्जनियां तानने के दौर में 'क्षय मुक्त काशी निरोग काशी' जैसे सार्थक अभियान यकीनन रेगिस्तान में ठण्डी हवा के सुखद झोंकों की तरह हैं। ◆

सहारा समय

२२ मई २००४

कैसे होगा क्षय रोग का क्षय

अंधेरे में टिमटिमाती रोशनी

कोई ८ साल से नगर की स्वयंसेवी संस्था 'संकल्प' की ओर से 'क्षयमुक्त काशी-निरोग काशी' अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष १९९७ से जारी इस प्रयत्न से अब तक २००० रोगियों को क्षयरोग से मुक्त कराया जा चुका है। अभियान के संयोजक अनिल जैन बताते हैं "चयनित क्षयरोगियों का प्रतिमाह आयोजित होने वाले शिविर में परीक्षण कर निःशुल्क इलाज किया जाता है। रोगियों को चार सप्ताह की दवाएं एक बार में दी जाती हैं। गम्भीर से गम्भीर रोगी का इलाज रोग ठीक होने तक चलता रहता है। इस समय २०० रोगियों का इलाज चल रहा है।" क्या सरकारी सहायता मिलती है, यह पूछे जाने पर वे कहते हैं "नहीं। जन सहयोग से ही अभियान चलाया जा रहा है। डॉ. अमित जोहरी, डॉ. राजीव गुप्त, डॉ. मयंक अग्रवाल, डॉ. सतीश चन्द्र अग्रवाल आदि चिकित्सक शिविर में निःशुल्क अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। इसी तरह नगर के कुछ दवा व्यवसायियों तथा गणमान्य नागरिकों द्वारा दवाएं भी निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं।"